10 हार्दिक पांड्या....



झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

12 जान्हवी कपूर...



रांची, शनिवार, 31 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -128 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

'लीवरेजिंग कार्बन मार्केट फॉर ए क्लाइमेट रेजिलिएंट झारखंड' विषय पर कार्यशाला आयोजित

कार्बन बाजार से झारखंड में किसानों और जनजातीय समुदायों की बढ़ेगी आय : संजीव कुमार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। झारखंड में पर्यावरण संरक्षण के साथ किसानों और ग्रामीण एवं जनजातीय समुदायों की आजीविका मजबूत करने के लिए कार्बन बाजार की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं. इसके जरिए जलवायु अनुकूल कृषि, कृषि वानिकी, भूमि पुनर्स्थापन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से जुड़ी परियोजनाओं को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने की तैयारी है. इसी उद्देश्य से शुक्रवार को वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से रांची के निजी होटल में लीवरेजिंग कार्बन मार्केट फॉर ए क्लाइमेट रेजिलिएंट झारखंड विषय पर हितधारक



कार्यशाला आयोजित की गई. इसमें सरकारी विभागों, वित्तीय संस्थानों, जलवायु विशेषज्ञों, विकास संगठनों और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. इस कार्यशाला में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख संजीव कुमार ने कहा कि कार्बन ट्रेडिंग पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थानीय आजीविका को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकती है. इसके लिए उद्योग, खनन और ऊर्जा समेत संबंधित विभागों के बीच समन्वय जरूरी है.

उन्होंने इसरो के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि झारखंड में लगभग 69 प्रतिशत भूमि क्षरण की चुनौती है. इससे निपटने के लिए जल संरक्षण, वृक्षारोपण, भूमि पुनर्स्थापन और बायोगैस जैसे उपायों को बढ़ावा देना होगा. उन्होंने कहा कि कार्बन बाजार के माध्यम से इन प्रयासों को आर्थिक संसाधनों से जोड़ने की संभावनाएं हैं. पीपीसीएफ एवं चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन रवि रंजन ने कार्बन परियोजनाओं में स्थानीय समुदायों की भागीदारी और उनकी आजीविका को प्राथमिकता देने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि ऐसी परियोजनाओं का विकास वैज्ञानिक और प्रमाण आधारित आंकड़ों के आधार पर होना चाहिए. वहीं, नाबार्ड के डीजीएम राकेश सिन्हा ने किसानों और ग्रामीण समुदायों तक कार्बन वित्त पहुंचाने में नाबार्ड की योजनाओं एवं वित्तीय सहयोग की भूमिका बताई.

कार्यशाला में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, जीआईजेड, क्लाइमेट पॉलिसी इनिशिएटिव, जेएसएलपीएस, प्रदान, सोशल अल्फा, हिंडाल्को, सिंजेंटा फाउंडेशन और एक्सएलआरआई-नाबार्ड इन्क्यूबेशन सेंटर समेत विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए.

वैज्ञानिक तकनीक से होगा कार्बन भंडार का आकलन

कार्यशाला में क्लाइमटेक्स की ओर से विभाग के लिए तैयार व्यवहार्यता अध्ययन के निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए. इसके साथ ही उपग्रह चित्रों और वैज्ञानिक मॉडल के जरिए जैवभार एवं मिट्टी में मौजूद कार्बन भंडार का आकलन करने वाले डिजिटल मापन, रिपोर्टिंग एवं सत्यापन (डीएमआरवी) उपकरण का प्रदर्शन किया गया. इस तकनीक के माध्यम से कार्बन परियोजनाओं के परिणामों का वैज्ञानिक तरीके से आकलन और सत्यापन किया जा सकेगा. मौके पर झारखंड के लिए क्लाइमेट हैजर्ड मैपिंग फॉर झारखंड रिपोर्ट का भी विमोचन किया गया. तकनीकी सत्रों में सरकारी योजनाओं को कार्बन बाजार से जोड़ने, मिश्रित एवं परोपकारी वित्त, कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) और प्रभाव निवेश के जरिए जलवायु अनुकूल परियोजनाओं का विस्तार करने पर चर्चा हुई. वक्ताओं ने कहा कि कार्बन वित्त का प्रभावी उपयोग होने से किसानों और जनजातीय समुदायों की आय बढ़ाने के साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है. इससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने में झारखंड की क्षमता भी मजबूत होगी. इस कार्यक्रम में वन प्रमंडल पदाधिकारी अनुराधा मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया।

आज का विचार

झारखण्ड उजाला



श्रीमती भावना सिंह
सामाजिक कार्यकर्ता।

महिलाएं समाज की आधारशिला और विकास की सशक्त शक्ति हैं। किसी भी सभ्य समाज की पहचान वहां महिलाओं को मिलने वाले सम्मान, सुरक्षा और समान अधिकारों से होती है। महिलाओं को शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समृद्ध राष्ट्र के निर्माण की अनिवार्य शर्त है।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,38,150**
चांदी (प्रति किलो) : **2,26,450**
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **74,459.53**
निफ्टी :- **23,053.30**

मौसम

अधिकतम तापमान : **27**
न्यूनतम तापमान : **20**

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:54**
संध्या :- **17:11**

आज का इतिहास

आज ही के दिन 1875 को भारत के 'लौह पुरुष' और पहले उपप्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

दो नवंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रांची होते हुए रायरंगपुर जायेंगी



रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रायरंगपुर जाने के क्रम में रांची पहुंचेगी. वह दो नवंबर को पश्चिम बंगाल से रांची पहुंचेगी. रांची एयरपोर्ट से ओडिशा के लिए रवाना होंगी. वहां से वह मयूरभंज जिले के रायरंगपुर शहर जायेंगी. राष्ट्रपति सचिवालय ने उनकी इस यात्रा की सूचना झारखंड सरकार को भेजी है. सूचना मिलने के बाद राज्य सरकार प्रोटोकॉल के हिसाब से आवश्यक तैयारियां कर रही है.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का उत्तराखंड दौरा स्थगित, 1 नवंबर को देहरादून और 2 नवंबर को केदारनाथ पहुंचना था

देहरादून। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का प्रस्तावित दो दिवसीय उत्तराखंड दौरा फिलहाल स्थगित हो गया है. राष्ट्रपति को एक नवंबर को देहरादून पहुंचना था. दो नवंबर को उनके केदारनाथ धाम पहुंचकर बाबा केदार के दर्शन और पूजा-अर्चना करने का कार्यक्रम निर्धारित था. राष्ट्रपति भवन की ओर से उनके देहरादून और केदारनाथ दौरा स्थगित किए जाने की सूचना उत्तराखंड शासन को पत्र के माध्यम से भेजी गई है. इसके बाद प्रदेश में राष्ट्रपति के दौरे को लेकर चल रही प्रशासनिक तैयारियां फिलहाल रुक गई हैं. राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से उत्तराखंड के मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन को पत्र भेजकर प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम स्थगित किए जाने की जानकारी दी गई है. 29 अक्टूबर को जारी पत्र में पहले से निर्धारित एक और दो नवंबर के कार्यक्रम को फिलहाल टालने की बात कही गई है. पत्र में दौरा स्थगित किए जाने के पीछे कोई साफ वजह नहीं बताई गई है. ऐसे में अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि राष्ट्रपति का उत्तराखंड दौरा किन परिस्थितियों के चलते टाला गया है.

वोट बचाओ-देश बचाओ महारैली में शामिल होंगे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ! कल्पना सोरेन के साथ हुए दिल्ली रवाना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विशेष विमान से दिल्ली रवाना हो गए हैं. सीएमओ से मिली जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की ओर से आयोजित वोट बचाओ-देश बचाओ महारैली में शामिल होंगे. इस महारैली का आयोजन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया के क्रम में वोटरों के नाम हटाए जाने और तथाकथित गड़बड़ियों के विरोध में बुलाई गई है. इस मसले पर 25 और 26 नवंबर को विधानसभा का विशेष सत्र भी होना है, जिसमें एसआईआर की तथाकथित खामियों और एमएमडीआर संशोधन से हुए वित्तीय नुकसान पर चर्चा कर प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजा जाएगा.

बसंत सोरेन से भी मिलने जा सकते हैं सीएम

जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ उनकी पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार और सुरक्षा पदाधिकारी अजय कुमार भी विशेष विमान से दिल्ली गए हैं. सूत्रों के मुताबिक इस बात की संभावना है कि दिल्ली से मुख्यमंत्री सिंगापुर भी जा सकते हैं, क्योंकि वहां उनके छोटे भाई और दुमका से विधायक बसंत सोरेन इलाजरत हैं. क्योंकि इसी वजह से बसंत सोरेन अपनी माता के निधन के बावजूद अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए थे. पिछले दिनों नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और जदयू नेता सरयू राय ने एक्स पर पोस्ट साझा कर विधायक बसंत सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की थी.



महारैली को सफल बनाने में जुटी है झारखंड कांग्रेस

इस रैली में शामिल होने के लिए झारखंड से तमाम कांग्रेसी नेता दिल्ली रवाना हो चुके हैं. 29 अक्टूबर को कांग्रेस नेत्री सह कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और कांग्रेस नेता बंधु तिर्की ने कई बसों से अपने समर्थकों को रवाना किया था. प्रदेश कांग्रेस ने इस रैली में झारखंड से करीब 12 हजार कार्यकर्ताओं के दिल्ली जाने का दावा किया है. खास बात है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे हैं. राहुल गांधी ने चलो दिल्ली का नारा दिया है. वह इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट साझा कर लोगों से नई दिल्ली के रामलीला मैदान में पहुंचने की अपील कर रहे हैं. उनका कहना है कि ₹यह किसी दल, जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र का नहीं, हर भारतीय का आंदोलन है. शिव की बारात की तरह, बिना किसी भेदभाव सबका स्वागत है - हक से आएं. उन्होंने इसे देश का प्रोटेस्ट करार दिया है.

रिम्स में आयोजित विशेष शिविर में 380 बच्चों की हुई हृदय संबंधी जांच

बच्चों के हार्ट ऑपरेशन का पूरा खर्च उठाएगी सरकार : डॉ0 इरफान अंसारी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। झारखंड में जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित गरीब और जरूरतमंद बच्चों के इलाज के लिए राज्य सरकार ने विशेष पहल शुरू की है. अब आर्थिक तंगी के कारण किसी बच्चे का हार्ट ऑपरेशन नहीं रुकेगा. स्वास्थ्य विभाग और कोच्चि के अमृता हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में संचालित 'गिफ्ट ऑफ लाइफ' कार्यक्रम की शुरूआत शुक्रवार को रिम्स ऑडिटोरियम में हुई. स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया. इस दौरान आयोजित विशेष शिविर में कुल 380 बच्चों की हृदय संबंधी जांच की गई. शिविर में देश और राज्य के विशेषज्ञ चिकित्सक बच्चों की जांच कर रहे हैं. जांच में जिन बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की पुष्टि होगी, उन्हें आगे के उपचार और सर्जरी के लिए कोच्चि स्थित अमृता हॉस्पिटल भेजा जाएगा. बच्चों के इलाज, ऑपरेशन, दवाइयों, रहने-खाने और यात्रा समेत सभी आवश्यक खर्च राज्य सरकार वहन करेगी.



रिम्स में भी शुरू होगा जन्मजात हृदय रोग का इलाज

स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिम्स में भी जन्मजात हृदय रोग के संपूर्ण उपचार की व्यवस्था विकसित की जाए. इसके लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और आवश्यक आधारभूत संरचना की उपलब्धता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया तत्काल शुरू करने को कहा गया. उन्होंने कहा कि झारखंड के मरीजों को इलाज के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है. गिफ्ट ऑफ लाइफ कार्यक्रम इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इसका उद्देश्य ग्रामीण, आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों तक उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा पहुंचाना है. स्वास्थ्य मंत्री ने मंत्री, सांसद, विधायक, जिला परिषद सदस्य, मुखिया और अन्य जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने क्षेत्रों में जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की पहचान कर उनकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग तक पहुंचाएं. उन्होंने कहा कि जिन बच्चों के दिल में जन्मजात छेद है या वे किसी अन्य हृदय रोग से पीड़ित हैं और आर्थिक अभाव में इलाज नहीं करा पा रहे हैं, उन्हें इस योजना से जोड़ा जाए.

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि एक बच्चे के इलाज और ऑपरेशन पर करीब पांच से दस लाख रुपये तक खर्च आता है, जिसे सरकार उठाएगी. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि किसी भी माता-पिता को अपने बच्चे के इलाज के लिए दर-दर भटकना नहीं पड़ेगा. उन्होंने अपने विधायक कार्यकाल का अनुभव साझा करते हुए कहा कि उस समय बड़ी संख्या में लोग बच्चों के हृदय रोग के इलाज की गुहार लेकर उनके पास आते थे. कई बच्चों को इलाज के लिए दूसरे राज्यों में भेजने की व्यवस्था करनी पड़ती थी. अब स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी है कि हर जरूरतमंद बच्चे को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए. 'गिफ्ट ऑफ लाइफ' कार्यक्रम के तहत चयनित बच्चों और उनके अभिभावकों को कई सुविधाएं निःशुल्क मिलेंगी. इनमें हृदय की जांच, आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण, हार्ट ऑपरेशन, दवाइयां, अस्पताल में रहने और भोजन की व्यवस्था शामिल है.

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, रिम्स निदेशक डॉ. डीके सिन्हा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, अमृता हॉस्पिटल के डॉ. ब्रजेश सहित चिकित्सक, पैरामेडिकल कर्मी, मरीज और उनके परिजन उपस्थित थे.

पीएम मोदी ने गुजरात के बनासकांठा में 325 करोड़ रुपये के पशु प्रजनन केंद्र का उद्घाटन किया

अपनी आखिरी सांस तक भारत के लोगों की सेवा करूंगा : पीएम

एजेंसी

बनासकांठा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुक्रवार से दो दिवसीय गुजरात दौरा शुरू किया. पीएम मोदी ने बनासकांठा में रोड-शो किया. उनकी एक झलक पाने को भारी भीड़ उमड़ी. पीएम मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पीएम किसान स्कीम की नई किस्त के तहत लगभग 10 करोड़ किसानों के बैंक अकाउंट में 18,000 करोड़ रुपये से ज्यादा ट्रांसफर किए गए. इससे किसानों की भलाई और खेती के विकास पर सरकार का फोकस पता चलता है. पीएम मोदी ने कहा कि पब्लिक सर्विस के 25 साल पूरे करने के बाद, वह उस इलाके में लौट रहे हैं जहाँ से उनकी यात्रा शुरू हुई थी. उन्होंने कहा, 'अभी बताया गया कि 25 साल हो गए हैं जब आपने मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी थी, इतने समय तक आपकी सेवा करते हुए और इत्तेफाक देखिए... 25 साल पूरे होने पर, मेरा पहला दौरा हमारे बनासकांठा में हुआ है.' उन्होंने



अहमदाबाद-वाराणसी एक्सप्रेस और मेहसाणा-बेचारजी-साबरमती एमईएमयू ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

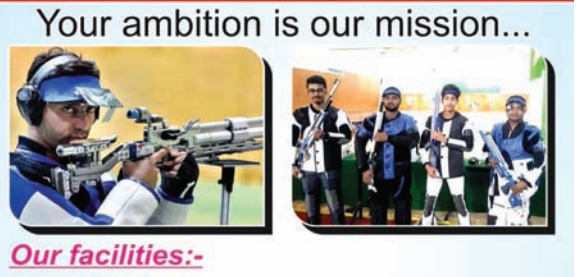
उन्होंने कहा, 'आपने मुझे जीत लिया! आपके हाथों में दर्द हो रहा होगा.' भाषण से पहले प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद (साबरमती)-वाराणसी एक्सप्रेस और मेहसाणा-बेचारजी-साबरमती एमईएमयू ट्रेन सर्विस को हरी झंडी दिखाई. बनासकांठा के अपने दौरे के दौरान पीएम मोदी ने एक रोड शो भी किया और भीलडी में भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर के कैटल फार्म का दौरा किया. पीएम मोदी ने गुजरात के बनासकांठा जिले में भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर कैटल फार्म और एम्ब्रियो ट्रांसफर टेक्नोलॉजी-इन विट्रो फर्टिलाइजेशन लैब का उद्घाटन किया. अपने दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री ने भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर कैटल फार्म और लैब की सुविधाओं का दौरा किया, जो बोवाइन ब्रीडिंग और रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी पर फोकस करती है.

महिलाओं, बच्चों, किसानों और पशुपालकों को मजबूत बनाने के मकसद से किए गए प्रोजेक्ट्स के उद्घाटन और शिलान्यास का भी ज़िक्र किया. भाषण के दौरान प्रधानमंत्री ने एक बच्चे को अपनी फ्रेम की हुई तस्वीर पकड़े हुए देखा और एसपीजी वालों से उसे उठाने को कहा ताकि बच्चा थके नहीं.

'मोदी नहीं जाएंगे' के नारे लगे

कैटल फार्म के अपने दौरे के दौरान, कई महिलाओं ने प्रधानमंत्री से बातचीत की और एक ग्रुप फोटो के दौरान 'मोदी नहीं जाएंगे' का नारा लगाया. गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद थे. इस इलाके के प्रोजेक्ट्स में थराड और राधनपुर में बनास डेयरी के दो बायो-सीएनजी प्लांट शामिल हैं, जिनकी गोबर प्रोसेसिंग कैपेसिटी क्रमशः 75 मीट्रिक टन प्रतिदिन और 100 मीट्रिक टन प्रतिदिन है. दूसरे प्रोजेक्ट्स में सनादर में आलू प्रोसेसिंग फैसिलिटी का विस्तार और अल्ट्रा-हाई-टेम्परेचर प्रोडक्ट्स के लिए एक ऑटोमेटेड स्टोरेज और रिट्रीवल सिस्टम शामिल हैं. प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद थे. इस सुविधा का मकसद बोवाइन ब्रीडिंग, जेनेटिक अपग्रेडेशन और एडवांस्ड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी को मजबूत करना है. यह देश की अपनी तरह की पहली सुविधा होगी जो कांकरेज कैटल ब्रीड को डेडिकेटेड होगी.

THE RANCHI RIFLE CLUB (RRC)
(Registered under -Society Registration Act: 21,1860. Government of Jharkhand)
JOIN US TO BECOME A NATIONAL or INTERNATIONAL SHOOTER
Your ambition is our mission...



Our facilities:-
- 10m/ 25m Fully Air Conditioned Hitech indoor shooting range.
- All Types of Air/ Fire weapons are available for practice.
- All types of shooting equipments & accessories for sale available here.
- We teach the civilians how to handle weapons/ safety rules and way of firing.
- Special For School Girls & Boys.
- Above 8 years Girls & Boys May Join us.
- National Level Shooting Coach Facility Available Here.

Justdial
Contact: +91 8002397001, 7050607001
House No. 01, Shanti Nagar, Hatia, Near Hatia Tonko Bridge, P.O- Hatia, P.S.- Jagannathpur, Ranchi - 834003 (Jharkhand)
E-mail: theranchirifleclub@gmail.com | Website: http://www.theranchirifleclub.org



रबी कर्मशाला में किसानों को दी गई उन्नत खेती की जानकारी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



लोहरदगा: नया नगर भवन, सदर प्रखंड में शुक्रवार को जिला स्तरीय रबी कर्मशाला- सह-खेत बचाओ अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव सहित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उरांव, सांसद प्रतिनिधि आलोक साहू, विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, विधायक के पुत्र रोहित उरांव, उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम, जिला कृषि पदाधिकारी कालेन खलखो सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कृषि वैज्ञानिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में जिले के करीब एक हजार महिला-पुरुष किसानों ने भाग लिया। कर्मशाला में जिला कृषि पदाधिकारी ने रबी मौसम की तैयारियों और खेत बचाओ अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीज विनिमय कार्यक्रम के तहत किसानों को गेहूं, चना, मटर, सरसों एवं मसूर का बीज लैम्पस और एफपीओ के माध्यम से 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त के ऑनलाइन प्रसारण का भी प्रदर्शन किया गया।

जिला सहकारिता पदाधिकारी आशा टोप्पो ने लैम्पस के माध्यम से अनुदानित दर पर बीज वितरण और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी दी। उन्होंने किसानों से फसल बीमा को लेकर संवाद भी किया। अनुमंडल पशुपालन पदाधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने बकरी पालन एवं गौ पालन की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से पशुओं के टीकाकरण की योजनाएं संचालित की जा रही हैं। किसानों को इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उरांव ने खेत बचाओ अभियान के तहत जैविक उर्वरकों के इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने मोटे अनाज मडुआ और सरसों की खेती को बढ़ावा देने की अपील की। भूमि संरक्षण विभाग की ओर से 90 प्रतिशत अनुदान पर पंप सेट एवं अन्य कृषि यंत्रों का वितरण विधायक और अतिथियों ने किसानों के बीच किया। वहीं जिला कृषि कार्यालय की ओर से सॉयल हेल्थ कार्ड, आत्मनिर्भरता इन दलहन योजना के तहत मसूर बीज मिनीकिट और सरसों बीज प्रत्यक्षण का सांकेतिक वितरण किया गया।उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम ने सॉयल हेल्थ कार्ड के महत्व की जानकारी देते हुए किसानों से मिट्टी की जांच के आधार पर उर्वरकों का उपयोग करने की अपील की। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों का कम इस्तेमाल, मोटे अनाज को बढ़ावा, सरसों की खेती, जल संरक्षण और पारंपरिक कृषि पद्धतियों को अपनाने पर बल दिया। अंत में विधायक सह पूर्व मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने हरित क्रांति के साथ खेत बचाओ अभियान, पशुपालन और जल संरक्षण को कृषि विकास का महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों का कम से कम प्रयोग करने और जैविक खेती की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की। कार्यक्रम में जिला उद्यान पदाधिकारी यश कुमार, भूमि संरक्षण पदाधिकारी महितोष पांडे, कृषि अभियंता, कृषि विज्ञान केंद्र की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. किरण सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक, जनसेवक, एफपीओ प्रतिनिधि, प्रदान संस्था के टीम लीडर सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

दिव्यांगों और बुजुर्गों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल, पतरातू में आयोजित हुआ आकलन शिविर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम के सहयोग से जरूरतमंदों की आवश्यकताओं का किया जा रहा आकलन, दिसंबर में निःशुल्क वितरित होंगे सहायक उपकरण





पतरातू: दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर जीवन जीने में सहायता प्रदान करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से पतरातू प्रखंड कार्यालय में आकलन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम के सहयोग से आयोजित इस शिविर में प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिक पहुंचकर अपनी आवश्यकताओं का आकलन करा रहे हैं। शिविर के दौरान विशेषज्ञों द्वारा लाभार्थियों की शारीरिक स्थिति एवं उनकी व्यक्तिगत जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सहायक उपकरणों की पहचान की जा रही है। इसमें ऐसे जरूरतमंद लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिन्हें दैनिक जीवन के कार्यों में दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। आकलन के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक लाभार्थी को उसकी आवश्यकता के अनुरूप उपयुक्त सहायक सामग्री उपलब्ध कराई जा सके।

शिविर में चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद चिन्हित दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के बीच दिसंबर 2026 में निःशुल्क सहायक उपकरणों एवं आवश्यक सामग्री का वितरण किया जाएगा। इसके तहत जरूरत के अनुसार चलने-फिरने में सहायक उपकरण, पहिएदार कुर्सी, सुनने की मशीन सहित अन्य उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों की कठिनाइयों को कम करना, उनकी दैनिक गतिविधियों को आसान बनाना और उन्हें आत्मनिर्भर जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रखंड स्तर पर आयोजित इस शिविर को जरूरतमंद लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

भुरकुंडा में उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई: 12 लीटर अवैध शराब और 40 किलो जावा महुआ बरामद



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। उपायुक्त ऋतुराज के निर्देश और सहायक आयुक्त उत्पाद के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा अवैध शराब के निर्माण व बिक्री के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार को भुरकुंडा थाना क्षेत्र के सीसीएल अस्पताल के सामने स्थित बस्ती में उत्पाद बल ने तीन अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान टीम ने करीब 12 लीटर अवैध चुलाई शराब और लगभग 40 किलोग्राम जावा महुआ बरामद किया। उत्पाद विभाग द्वारा अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री के विरुद्ध यह अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा इस तरह की अवैध गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे।

विधायक ममता देवी ने अस्पताल पहुंचकर वरिष्ठ पत्रकार झूलन अग्रवाल का जाना कुशलक्षेम, शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़/गोला। गोला निवासी जी न्यूज के वरिष्ठ पत्रकार झूलन अग्रवाल के अस्पताल में इलाजरत होने की जानकारी मिलने पर स्थानीय विधायक ममता देवी अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने झूलन अग्रवाल से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान विधायक ने उनके परिजनों से भी बातचीत कर उपचार की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने झूलन अग्रवाल के जल्द स्वस्थ होकर अपने घर लौटने और पुनः सामान्य जीवन में सक्रिय होने की कामना की। विधायक ममता देवी ने कहा कि स्वास्थ्य सबसे अनमोल है। ईश्वर से प्रार्थना है कि झूलन अग्रवाल जल्द से जल्द पूर्ण रूप से स्वस्थ हों और पूर्व की तरह अपने कार्यक्षेत्र में लौटें। इस आत्मीय मुलाकात के दौरान उन्होंने हर संभव सहयोग एवं शुभकामनाएं भी व्यक्त कीं।

विवादित रेलवे लाइन के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा आंदोलन तेज करने का लिया निर्णय

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

टोकिसूद, टेरपा, किरिगड़ा सहित आसपास के गांवों के लोगों ने जताया विरोध, कहा- गांवों के बीच से रेलवे लाइन किसी भी कीमत पर नहीं गुजरने देंगे



पतरातू : प्रस्तावित नई रेलवे लाइन को लेकर पतरातू प्रखंड के ग्रामीणों का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। इसी कड़ी में 30 अक्टूबर को ग्राम पंचायत पालू के नेतृत्व में टोकिसूद, टेरपा, किरिगड़ा सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने प्रस्तावित रेलवे लाइन के विरोध में बैठक कर अपनी नाराजगी जाहिर की। बैठक में ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि प्रस्तावित रेलवे लाइन से गांवों के अस्तित्व, कृषि भूमि और ग्रामीणों के जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसलिए वे इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं।ग्रामीणों के अनुसार, प्रस्तावित रेलवे लाइन का विरोध पिछले तीन वर्षों से किया जा रहा है। इस संबंध में संबंधित विभागों को लिखित रूप से भी अवगत कराया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी समस्याओं और आपत्तियों को गंभीरता से लेने के बजाय परियोजना को आगे बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। इसको लेकर पूर्व में पतरातू प्रखंड मुख्यालय में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन भी किया जा चुका है।ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि विकास के नाम पर गांवों की जमीन, घरों और ग्रामीणों के भविष्य के साथ समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि रेलवे लाइन का मार्ग ग्रामीणों की सहमति और समस्याओं का समाधान किए बिना आगे बढ़ाया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि ग्रामीण एकजुट होकर अपने अधिकारों और जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेंगे। बैठक में गणेश्वर महतो, आजाद सिंह, हरिदास साव, अमित कुमार, राजू कुमार, रमेश्वर कुमार, अरविंद सिंह, बलराम सिंह, मुकेश कुमार, देवानंद कुमार, मिथिलेश सिंह, रामभुकन सिंह, वीर प्रताप सिंह, सावन कुमार, आकाश कुमार, राजेंद्र साव, राजकुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली में शामिल होने के लिए लोहरदगा जिला कांग्रेस कमिटी का जत्था दिल्ली रवाना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



लोहरदगा: लोहरदगा जिला कांग्रेस कमिटी के नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के तत्वावधान में आगामी 01 नवम्बर 2026 को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली ह्वोट बचाओ, देश बचाओह्व विशाल महारैली में भाग लेने के लिए जिला अध्यक्ष श्री सुखैर भगत के नेतृत्व में दिल्ली के लिए रवाना हुए। दिल्ली प्रस्थान से पूर्व सभी कांग्रेसजनों ने जिला समाहरणालय के समीप स्थित संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके उपरांत लोकतंत्र बचाओ, संविधान बचाओ और वोट चोरी बंद करो जैसे गगनभेदी नारे लगाते हुए दो वॉल्वो बसों से दिल्ली के लिए प्रस्थान किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्री सुखैर भगत ने कहा कि ह्वआज देश का लोकतंत्र, संविधान और आम जनता का मताधिकार गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। लोकतंत्र में जनता का वोट सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन यदि उसी वोट की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर सवाल खड़े हों, तो यह पूरे लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। इसी मुद्दे को लेकर देश की लोकप्रिय नेता प्रतिपक्ष माननीय श्री राहुल गांधी के नेतृत्व में 01 नवम्बर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल महारैली आयोजित की जा रही है। हम सभी इस महारैली में शामिल होकर वोट की चोरी के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करेंगे तथा चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता और जनता के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष का संकल्प लेंगे। हमारा स्पष्ट संदेश है–वोट बचेगा, तभी लोकतंत्र बचेगा और लोकतंत्र बचेगा, तभी देश मजबूत होगा। दिल्ली रवाना होने वालों में प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद, जिला महासचिव सलीम अंसारी, संतोषी उराँव, जिला परिषद सदस्य संदीप कुमार गुप्ता, जिला सोशल मीडिया प्रभारी प्रकाश उराँव, प्रदेश युवा महासचिव संजर अंसारी, इमरान आजाद, ओबीसी स्टेट कोऑर्डिनेटर संतोष महतो, प्रखंड अध्यक्ष जुगल भगत, सत्यदेव भगत, बुधदेव उराँव, युवा जिलाध्यक्ष दानिश अली, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अंसारी, जिला सेवादल अध्यक्ष शम्भू प्रजापति, युवा विधानसभा अध्यक्ष आसिफ इमाम, मंडल अध्यक्ष सेराजुल अंसारी, रामदेव उराँव, प्रखंड सांसद प्रतिनिधि सुनेश्वर भुईया, रुस्तम अंसारी, बुधवा उराँव, स्वाति महली, पूनम देवी, अनीता लकड़ा, रूपा देवी, अनुपा उराँव, चन्दर उराँव, अल्तमस अंसारी, संजू तुरी, सेराज अंसारी, फगुवा उराँव, मनीष मुण्डा, सरवर खान, मनान खान, रंजीत कुजूर, बासुदेव उराँव, बुजुल अंसारी, विनोद उराँव, कार्तिक उराँव, मंजन उराँव, रुपदेव उराँव, राजू चौधरी, राजेश भगत, जाहिद अंसारी, सोनू उराँव, सताउद्दीन अंसारी, बिरिया उराँव, सद्दाम अंसारी, मनौवर अंसारी, मल्लिकी जफर, मुदैसर अंसारी, राजकुमार साहू, अनीता उराँव, ललिता उराँव, मीणा उराँव, करुणा उराँव, सुनीता उराँव, समा उराँव, राजमुनी उराँव, बालो उराँव, रीता उराँव, ललिता देवी, पचोला उराँव, परदेशिया उराँव, अंकित उराँव एवं जैश उराँव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल रहे। कांग्रेस का संकल्प–वोट की रक्षा, संविधान की रक्षा और लोकतंत्र की मजबूती!

>>>: संक्षिप्त खबर :<<<

वोट चोर गद्दी छोड़, ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दोह्ल के नारों से गूंजा गोला, दिल्ली की महारैली में शामिल होने सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता रवाना



रामगढ़/गोला। ह्वोट चोर गद्दी छोड़, ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दोह्ल के गगनभेदी नारों के बीच लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार की रक्षा का संकल्प लेकर गोला एवं दुलमी प्रखंड के सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली के लिए रवाना हुए। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक सह जिला कांग्रेस अध्यक्ष ममता देवी के नेतृत्व में दो बसों से कार्यकताओं का जत्था दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित विशाल जनसभा में शामिल होने निकला। इस दौरान विधायक ममता देवी स्वयं भी कार्यकताओं के साथ बस में सवार होकर रवाना हुईं।कांग्रेस की ओर से आयोजित ह्वोट बचाओ, देश बचाओह्व महारैली में मतदाता अधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की गरिमा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। कांग्रेस का आरोप है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान वैध मतदाताओं के नाम हटाए जाने की आशंकाएं हैं। इसी के विरोध में निष्पक्ष चुनाव और पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग को लेकर पार्टी कार्यकर्ता अपनी आवाज बुलंद करने दिल्ली जा रहे हैं।इस मौके पर विधायक ममता देवी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती प्रत्येक नागरिक के वोट के सम्मान में निहित है। संविधान की रक्षा और मताधिकार की सुरक्षा के लिए कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। इस अवसर पर पूर्व प्रत्याशी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता बजरंग महतो, वरिष्ठ कार्यकर्ता अमित महतो, विधायक प्रतिनिधि जाकिर अख्तर, मनोज पुजहर, कमलेश महतो, , गौरीशंकर महतो , प्रखंड अध्यक्ष संतोष सोनी ,कार्यालय कर्मी गुलाम सरोवर सहित दर्जनों कार्यकर्ता मुख्य रूप से शामिल थे।

एशियन पैरा गेम्स की कांस्य पदक विजेता संजना वर्मा को जय श्रीराम समिति ने किया सम्मानित



लोहरदगा: एशियन पैरा गेम्स 2026 में महिला एकल एसएल-3 पैरा बैडमिंटन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली लोहरदगा की बेटी संजना कुमारी वर्मा का जय श्रीराम समिति की ओर से सम्मानित किया गया। समिति के जिला अध्यक्ष बजरंग करूवा के नेतृत्व में पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनके आवास पहुंचकर प्रभु श्रीराम का स्मृति चिह्न भेंट किया और उनकी उपलब्धि पर बधाई दी।समिति के सदस्यों ने कहा कि संजना ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ इच्छाशक्ति से अंतरराष्ट्रीय मंच पर लोहरदगा सहित पूरे झारखंड का मान बढ़ाया है। उनकी सफलता जिले के युवाओं और खेल प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। संजना ने अपनी उपलब्धि से साबित किया है कि मजबूत इच्छाशक्ति और निरंतर अभ्यास से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इस अवसर पर संजना ने अपने खेल को और बेहतर बनाने तथा भविष्य में देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने की प्रतिबद्धता जताई।मौके पर जिला संरक्षक अजय सोनी, अनूप गुप्ता, जिला अध्यक्ष बजरंग करूवा, जिला महामंत्री चंदन साहू, जिला कोषाध्यक्ष विक्की कसेरा, जिला महिला अध्यक्ष इंदिरा प्रधान, महिला महामंत्री जान्हवी गोयल, उपाध्यक्ष पूर्णिमा वर्मा, संगठन मंत्री गुड़िया देवी, रेणु देवी, स्वास्थ्य प्रभारी ओम महतो, उपेंद्र कुशवाहा, अजय साहा और नगर अध्यक्ष दीपक साहू सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

एशियन पैरा गेम्स की कांस्य पदक विजेता संजना का उनके विद्यालय में किया गया स्वागत

संजना ने साझा किए अनुभव



लोहरदगा: जापान में आयोजित एशियन पैरा गेम्स 2026 में बैडमिंटन की महिला एकल एसएल-3 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश और झारखंड का मान बढ़ाने वाली लोहरदगा की बेटी संजना कुमारी का शुक्रवार को उनके पूर्व विद्यालय ग्रेटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल में भव्य स्वागत किया गया। संजना ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा इसी विद्यालय से प्राप्त की है। उनकी उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया।इस अवसर पर विद्यालय की एजुकेशनल काउंसलर जाह्नवी सिंह ने कहा कि संजना की उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। बचपन से ही वह अनुशासित, मेहनती और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रही हैं। उनकी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया है। उनकी सफलता से विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं को भी बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने की प्रेरणा मिलेगी।विद्यालय के प्राचार्य एसके झा ने कहा कि संजना ने विद्यालय के साथ पूरे लोहरदगा जिले और झारखंड का नाम रोशन किया है। विद्यालय शिक्षा के साथ खेल और संस्कार के क्षेत्र में भी बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। संजना जैसी बेटियां समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने संजना के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके माता-पिता को भी बधाई दी।वहीं, संजना कुमारी ने विद्यालय के शिक्षकों, एजुकेशनल काउंसलर जाह्नवी सिंह और प्राचार्य एसके झा के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि विद्यालय से मिली शिक्षा, संस्कार और अनुशासन ने उनकी सफलता की नींव तैयार की। समारोह में विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

भाजपा की कार्य योजना बैठक में आगामी कार्यक्रमों की बनी रणनीति

लोहरदगा:भारतीय जनता पार्टी लोहरदगा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष अजय कुमार पंकज की अध्यक्षता में कार्य योजना बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी की ओर से संपन्न कराए गए कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। वहीं आगामी कार्यक्रमों के सफल आयोजन को लेकर रणनीति तैयार कर पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं।बैठक में मुख्य रूप से ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार महतो, प्रदेश कोषाध्यक्ष अशोक साहू, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ओमप्रकाश सिंह, श्रीचंद प्रजापति, रिपुसूदन साहू, नगर परिषद अध्यक्ष अनिल उरांव, जिला महामंत्री मिथुन तमेड़ा एवं पशुपति पारस, जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष सामेला भगत, पवन तिग्गा, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष दुबराज वर्मा, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विवेक चौहान, नगर मंडल अध्यक्ष संगीता कुमारी, किस्को मंडल अध्यक्ष राजकुमार मुंडा, सेन्हा मंडल अध्यक्ष नवल साहू सहित ओम गुप्ता, मदन कुमार साहू, नीरज कुमार समेत पार्टी के कई पदाधिकारी उपस्थित थे।.बैठक के अंत में जापान में आयोजित एशियन पैरा गेम्स में बैडमिंटन प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने वाली लोहरदगा की बेटी एवं ग्रेटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल की पूर्व छात्रा संजना कुमारी को जिला कमेटी की ओर से सम्मानित किया गया। मौके पर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। जिला अध्यक्ष अजय कुमार पंकज ने कहा कि संजना कुमारी की उपलब्धि केवल लोहरदगा और झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि संजना ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाकर जिले का मान बढ़ाया है। ईश्वर उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्रदान करें।

झारखंड के 19 लाख किसानों के खातों में करीब 300 करोड़ रुपये ट्रांसफर, पात्र किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि से जोड़ने पर जोर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड के करीब 19 लाख किसानों के लिए शुक्रवार का दिन राहत और खुशियों की सौगात लेकर आया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के बनासकांठा से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी कर दी. इसके साथ ही झारखंड के लगभग 19 लाख किसानों के बैंक खातों में करीब 300 करोड़ रुपये की राशि पहुंच गई. वहीं, देशभर के 9.34 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 18,690 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम डीबीटी के माध्यम से भेजी गई. इस मौके पर किसानों के सम्मान में रांची स्थित आईसीएआर-एनआईएसए में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए.

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी होने के अवसर पर रांची के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय माध्यमिक कृषि संस्था के पलाश कॉन्फ्रेंस हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया गया. यहां प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया. प्रधानमंत्री की ओर से किस्त जारी किए जाने के साथ ही झारखंड के लगभग 19 लाख किसानों को करीब 300 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता मिली. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने आईसीएआर-एनआईएसए के कार्यों की सराहना की. उन्होंने संस्थान के विस्तार की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के कल्याण और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं. उन्होंने किसानों से इस राशि का सही इस्तेमाल करने की अपील की. साथ ही खेती में उन्नत किस्म के बीजों का उपयोग करने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की सलाह दी. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल खेतों की सेहत के लिए ही नहीं, बल्कि किसानों के स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है. खेती में प्राकृतिक तरीकों को अपनाकर मिट्टी की गुणवत्ता और उसकी उर्वरता को लंबे समय तक बनाए रखा जा सकता है. इस मौके पर उन्होंने कैंपस में वृक्षारोपण किया. साथ ही सेंटर का मुआयना भी किया.

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार के संयुक्त सचिव फ्रैंकलिन के. खोबुंग ने बताया कि झारखंड में पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत लगभग 19 लाख किसान पंजीकृत हैं. उन्होंने राज्य सरकार के अधिकारियों से कहा कि जो पात्र किसान अब तक इस योजना का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं, उन्हें भी योजना से जोड़ने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं.उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, कृषि उन्नति योजना, सूक्ष्म सिंचाई, दलहन मिशन और तिलहन मिशन जैसी योजनाओं की जानकारी भी दी. उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के तहत राज्यों को उनके प्रदर्शन के आधार पर सहायता उपलब्ध कराई जाती है.

झारखंड के कृषि निदेशक विद्यानंद शर्मा पंकज ने अपने संबोधन में खेत बचाओ अभियान और पीएम किसान सम्मान निधि योजना की जानकारी दी. उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक इस्तेमाल से मिट्टी को होने वाले नुकसान के प्रति किसानों को सचेत किया. उन्होंने कहा कि मिट्टी की उर्वरता बचाने के लिए संतुलित उर्वरक उपयोग और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करना जरूरी है. उन्होंने बताया कि झारखंड में परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत करीब 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की गतिविधियां संचालित हो रही हैं. इस पहल से 11 हजार से अधिक किसान जुड़े हैं. उन्होंने उन्नत बीजों के वितरण, लैम्प्स के माध्यम से बीज उपलब्ध कराने और खेतों के डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की भी जानकारी दी. आईसीएआर-एनआईएसए के निदेशक डॉ. अभिजीत कर ने स्वागत संबोधन में पीएम किसान सम्मान निधि को किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली महत्वपूर्ण योजना बताया. उन्होंने किसानों से अपील की कि यदि दस्तावेजों या अन्य औपचारिकताओं के कारण उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल रहा है तो वे संबंधित प्रक्रियाएं जल्द पूरी करें. उन्होंने संस्थान की ओर से किसानों को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा भी दिलाया.

चक्रवात अर्नब का असर : खेत में तैयार मड़ुवा, उड़द और धान की फसलें हो रही बर्बाद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। चक्रवाती तूफान अर्नब के कारण राजधानी में भारी बारिश हुई. इसकी वजह से लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया. इस दौरान लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया था. चक्रवात अर्नब से सबसे ज्यादा किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, खेतों में लगी धान,मड़ुवा और उड़द पर इसका सीधा असर पड़ रहा है. क्योंकि अब कुछ दिनों के बाद किसान अपने खेतों से धान काटने शपरू करेंगे. इसकी तैयारी भी शुरू हो गई है. किसानों ने अभी से ही खलिहान बनाना शुरू कर दिया है. बुड़मु प्रखंड के निवासी अजीत कुमार ने बताया कि खेत में पांच किलों के करीब दो एकड़ में मड़ुवा की फसल लगाए हैं. मड़ुवा भी पक रहा है. लेकिन मौसम खराब चल रहा है, रूक-रूककर बारिश हो रही है, जिससे खेत में खड़ी मड़ुवा की फसल के खराब होने का डर है. क्योंकि पानी पड़ने की वजह से मड़ुवा का फसल खेत में झुकने लगा है, जिससे इसके जमीन पर पड़ने की वजह से इसमें मिट्टी लगते ही ये सड़ने लगेगा. होचर निवासी एतवा उरांव ने बताया कि धान के खेत में 25 किलो धान लगाए हैं. 31 खेतों में पूरी तरह से धान तैयार हो गया है और पकने लगा है. लेकिन बारिश की वजह से धान नहीं काट पा रहे हैं. बताया कि धूप निकलने पर ही फसल की कटाई हो पाएगी.

दहशत में कोयला कारोबारी : पहले फेसबुक पर दी धमकी, फिर घर पर करवा दी फायरिंग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



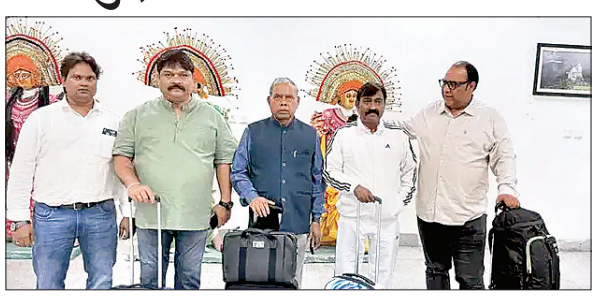
रांची। विदेश में बैठकर झारखंड में अपराध की दुनिया को कंट्रोल करने वाला राहुल दुबे पुलिस के लिए नई चुनौती बन गया है. राहुल दुबे गैंग के अपराधियों ने दुःसाहस दिखाते हुए रांची के कांके रोड में कोयला कारोबारी संजय करमाली के घर पर फायरिंग की है. जानकारी के अनुसार, फायरिंग से पहले फेसबुक पर दुबे गिरोह के द्वारा संजय करमाली को धमकी भी दी गई थी. फिलहाल, कांके पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है. अपराधियों की तलाश की जा रही है. मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार के अहले सुबह बाइक पर सवार अपराधी संजय करमाली के घर के बाहर पहुंचे और हथियार निकाल कर फायरिंग की और फिर मौके से फरार हो गए. फायरिंग की आवाज सुनकर पूरा परिवार दहशत में आ गया. जिसके बाद मामले की जानकारी कांके थाना को दी गई. फिलहाल, पुलिस की टीम मामले की जांच कर रही है और इलाके में लगे सभी सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है.

कोयला कारोबारी संजय करमाली दहशत में हैं. कांके थाना में शुक्रवार की सुबह उन्होंने प्रेस वालों से कोई बात नहीं की. उन्होंने कहा कि जो कुछ पूछना है, पुलिस से पूछिए. कुछ परिवार वालों ने बताया कि सुबह 3:30 के करीब बाइक सवार अपराधियों ने लगभग पांच राउंड फायरिंग की और वहां से फरार हो गए. रांची के हेडक्वार्टर डीएसपी-1 अमर कुमार पांडे ने बताया कि गोलीबारी की वारदात की जांच की जा रही है. करमाली परिवार हाल में ही कांके रोड में शिफ्ट हुआ है. सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

राहुल दुबे गिरोह के कुख्यात अपराधी प्रकाश शुक्ला के द्वारा सोशल मीडिया पर एक मैसेज भेजा गया है, जिसमें यह बताया गया है कि हजारीबाग स्थित एके इंटरनेशनल होटल में भी उसी के द्वारा फायरिंग करवाई गई है. उस मैसेज में उसने संजय करमाली को भी कोयला के कारोबार को लेकर धमकी दी थी. मैसेज के कुछ ही घंटे के अंदर संजय करमाली के कांके रोड के प्रेम नगर स्थित घर पर फायरिंग करवा दी गई. दुबे गिरोह के इस दुःसाहस की वजह से कोयला कारोबारी का पूरा परिवार दहशत में हैं.

लोकतंत्र बचाओ रैली में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना हुए केशव महतो कमलेश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित लोकतंत्र बचाओ रैली में शामिल होने के लिए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश शुक्रवार को दिल्ली रवाना हुए. उनके साथ राज्य के विभिन्न जिलों से हजारों कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता भी दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं. बस, ट्रेन और निजी वाहनों से कार्यकताओं के दिल्ली पहुंचने का सिलसिला जारी है. कई जिलों से विशेष बसों की व्यवस्था भी की गई है. प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि रैली को लेकर झारखंड के कांग्रेस कार्यकताओं में खासा उत्साह है. जिला मुख्यालयों से लेकर प्रखंड स्तर तक पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने दिल्ली पहुंचने की तैयारी की है. उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में झारखंड कांग्रेस की रैली में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है. राकेश सिन्हा ने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह जनता के अधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संविधान की मूल भावना के सम्मान से जुड़ा है. लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता सर्वोपरि होती है. ऐसे में संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी है.

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया है. वर्तमान समय में लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका को लेकर देशभर में सवाल उठ रहे हैं. ऐसे में पार्टी इन मुद्दों को जनता के बीच मजबूती से उठा रही है. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में असहमति की आवाज का सम्मान होना चाहिए. चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर जनता का भरोसा कायम रहना चाहिए. लोकतंत्र की मजबूती के लिए इन मुद्दों पर चर्चा और जवाबदेही जरूरी है. राकेश सिन्हा ने कहा कि रामलीला मैदान में झारखंड के हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट होकर लोकतंत्र, संविधान और आम जनता के अधिकारों की रक्षा का संकल्प दोहराएंगे.

पहली बार झारखंड पहुंचे हहए स्टार द ग्रेट खली, रांची एयरपोर्ट पर कही दिलचस्प बात

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। डब्ल्यूडब्ल्यूई के दुनिया भर में मशहूर रेसलर द ग्रेट खली शुक्रवार को रांची पहुंचे. रांची एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि वह बोकारो में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए झारखंड आए हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड का यह उनका पहला दौरा है. यहां का मौसम बेहद सुहावना है और यहां के लोग भी काफी मिलनसार और अच्छे हैं.

द ग्रेट खली ने एयरपोर्ट पर बातचीत के दौरान झारखंड के मौसम और यहां के लोगों की तारीफ की. उन्होंने कहा कि यहां आकर अच्छा लगा. बोकारो में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वह झारखंड पहुंचे हैं. उनके आगमन की खबर से रेसलिंग के प्रशंसकों के बीच भी उत्सुकता देखने को मिली.

द ग्रेट खली का असली नाम दलीप सिंह राणा है. उनका जन्म हिमाचल प्रदेश में हुआ था. पेशेवर रेसलिंग की दुनिया में उन्होंने 'द ग्रेट खली' के नाम से पहचान बनाई. हहए की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, उनकी लंबाई 7 फीट 1 इंच है. वर्ष 2006 में उन्होंने हहए में पदार्पण किया और जल्द ही अपनी दमदार कद-काठी और रिंग में प्रदर्शन के कारण दुनिया भर में लोकप्रिय हो गए. द ग्रेट खली के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में वर्ष 2007 में वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन बनना शामिल है. 20 जुलाई 2007 को हहए स्मैकडाउन के 20-मैन बैटल रॉयल मुकाबले में उन्होंने जीत दर्ज कर यह खिताब अपने नाम किया था. इस उपलब्धि के साथ वह हहए में वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन बनने वाले पहले भारतीय बने. उन्होंने द अंडरटेकर, जॉन सीना, बतिस्ता और केन जैसे चर्चित रेसलर्स के साथ मुकाबले किए.

रेसलिंग में उनके योगदान और उपलब्धियों को देखते हुए वर्ष 2021 में उन्हें हहए हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया. रिंग के अलावा खली फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं. उन्होंने 'द लॉन्गेस्ट यार्ड', 'गेट स्मार्ट' और 'मैकग्रूबर' जैसी फिल्मों में काम किया है. भारत लौटने के बाद उन्होंने नई पीढ़ी के रेसलर्स को प्रशिक्षण देने की दिशा में भी काम किया है.

5 नवंबर से साफ होगा आसमान, तीन जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। चक्रवाती तूफान अर्नब' के कमजोर पड़कर निम्न दबाव के क्षेत्र में बदलने से झारखंड के कई जिलों में मौसम का मिजाज बदला हुआ है. मौसम केंद्र रांची ने शुक्रवार से शनिवार सुबह 8:30 बजे तक के लिए राज्य के कुल 8 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है, जबकि 5 नवंबर से पूरे राज्य में आसमान मुख्यतः साफ होने का पूवार्नुमान जताया है. पिछले 24 घंटे के दौरान लातेहार के बालूमाथ में सर्वाधिक 111.5 मिमी बारिश दर्ज की गई.

इन 8 जिलों में जारी किया गया येलो अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पूर्वी झारखंड (संताल परगना) के 3 जिलों साहिबगंज, गोड्डा और पाकुड़ में कहीं-कहीं भारी बारिश (64.5 से 115.5 मिमी) होने की संभावना है. इसके अलावा साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, दुमका, देवघर, गिरिडीह, कोडरमा और हजारीबाग समेत कुल 8 जिलों में गरज और वज्रपात के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी दी गई है.

5 नवंबर से साफ होगा मौसम, 4 डिग्री तक चढ़ेगा पारा

मौसम केंद्र के अनुसार, 31 अक्टूबर से 4 नवंबर तक सुबह में हल्का कोहरा छाने और दिन में आंशिक बादल के साथ कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं. अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी. 5 नवंबर से सुबह में कुहासा के बाद आसमान मुख्यतः साफ हो जाएगा.

इन प्रमुख शहरों में लुढ़का अधिकतम तापमान

बादल और बारिश के कारण डाल्टनगंज का अधिकतम तापमान सामान्य से 8.1 डिग्री गिरकर 22.6 डिग्री सेल्सियस और रांची का पारा सामान्य से 6 डिग्री गिरकर 21.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया. जमशेदपुर में अधिकतम तापमान सामान्य से 5.8 डिग्री कम 25.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. राज्य में सबसे अधिक तापमान दुमका में 27.6 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 17.6 डिग्री सेल्सियस रहा.

पिछले 24 घंटे में कहां कितनी हुई बारिश

लातेहार के बालूमाथ में सबसे अधिक 111.5 मिमी, कुरडेग में 90.6 मिमी, डाल्टनगंज में 75 मिमी और गारू में 60.4 मिमी बारिश दर्ज की गई. इसके अलावा धालभूमगढ़ में 50 मिमी, घाटशिला में 46.8 मिमी, चंदनकियारी व गुड़ाबांधा में 46.2 मिमी, पुटकी में 44 मिमी और जमशेदपुर में 20.6 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है. रांची में महज 8.5 मिमी बारिश दर्ज हुई.

ऑनलाइन खतियान में गड़बड़ी के खिलाफ बुंडू में आक्रोश रैली, 15 दिनों में सुधार का अल्टीमेटम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



बुंडू: ऑनलाइन खतियान में जाति, खाता संख्या और प्लॉट संख्या में दर्ज त्रुटियों के विरोध में शुक्रवार को बुंडू में हजारों ग्रामीणों ने आक्रोश रैली निकालकर प्रदर्शन किया। टूटी पड़हा समिति, झारखंड के नेतृत्व में निकली रैली बुंडू एसएस हाईस्कूल से शुरू होकर नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए प्रखंड कार्यालय पहुंची। प्रदर्शनकारियों के हाथों में बैनर, तख्तियां और पारंपरिक हथियार थे।

उन्होंने नारेबाजी कर खतियान में दर्ज गलतियों को जल्द सुधारने की मांग की। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, बुंडू प्रखंड की करीब छह पंचायतों के लगभग 733 खतियानों में गड़बड़ी है। इनमें जाति के नाम के साथ खाता और प्लॉट संख्या में भी गलत प्रविष्टियां दर्ज हैं। ग्रामीणों ने बताया कि करीब पांच वर्ष पहले दस्तावेजों की जांच के दौरान इन त्रुटियों का पता चला था। कई मामलों में मुंडा जाति की जगह स्वांसी दर्ज होने की शिकायत भी सामने आई। प्रदर्शनकारियों ने अंचल अधिकारी हंस हेम्ब्रम को ज्ञापन सौंपकर 15 दिनों के भीतर सभी त्रुटियों में सुधार की मांग की। उन्होंने ऐसा नहीं होने पर सड़क जाम सहित उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। इस पर सीओ ने बताया कि सुधार की प्रक्रिया कुछ दिन पहले ही शुरू हो चुकी है। उच्च अधिकारियों की ओर से पोर्टल एक महीने के लिए खोला गया है। उन्होंने 15 दिनों के भीतर सुधार पूरा करने का प्रयास करने और इसकी जानकारी संबंधित ग्राम प्रधानों को देने का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त खबर

मारवाड़ी कॉलेज में विद्यार्थियों को बताए गए मानसिक मजबूती और तनाव से निपटने के तरीके



रांची। पढ़ाई का दबाव, असफलता का डर और पारिवारिक अपेक्षाओं के बीच मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखना विद्यार्थियों के लिए बेहद जरूरी है. इसी उद्देश्य से शुक्रवार को मारवाड़ी कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक मजबूती और जीवन की चुनौतियों से निपटने को लेकर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया. कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार के निर्देशन में हुआ. इस अवसर पर शिवानी परमार और विवाराज श्री वर्मा ने विद्यार्थियों को मानसिक रूप से मजबूत बनने और कठिन परिस्थितियों का सकारात्मक तरीके से सामना करने के तरीके बताए. उन्होंने कहा कि पढ़ाई का दबाव, माता-पिता की अपेक्षाएं, रिश्तों में परेशानियां, असफलता का डर और दूसरों से तुलना जैसी परिस्थितियां विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं. वक्ताओं ने बताया कि मानसिक मजबूती का अर्थ अपनी भावनाओं को दबाना नहीं, बल्कि उन्हें समझना और सही तरीके से संभालना है. इसके लिए आत्मविश्वास बनाए रखना, सकारात्मक सोच विकसित करना, धैर्य रखना और समस्याओं को खुलकर साझा करना जरूरी है. उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि किसी भी परेशानी में अकेले संघर्ष करने के बजाय विश्वसनीय लोगों से बातचीत करें और जरूरत पड़ने पर मदद लेने में संकोच न करें. सत्र में कठिन परिस्थितियों में संतुलित निर्णय लेने और जीवन की चुनौतियों का सामना करने के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा हुई. कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उनके व्यक्तित्व के समग्र विकास को बढ़ावा देना था. इस दौरान संदेश दिया गया कि मजबूत होने का अर्थ यह नहीं है कि जीवन में कभी परेशानी न आए, बल्कि हर परिस्थिति में स्वयं को समझकर, संभालकर आगे बढ़ना ही वास्तविक मानसिक मजबूती है.

जीईएल चर्च के बिशप सीमांत तिर्की का निधन, ईसाई समुदाय में शोक की लहर

रांची। जीईएल चर्च के बिशप राइट रेवरेंड सीमांत तिर्की का उनके आवास पर निधन हो गया. उनके निधन की खबर से ईसाई समुदाय सहित पूरे मसीही समाज में शोक की लहर है. उनके निधन को कलीसिया और समाज के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है.बिशप सीमांत तिर्की को अंतिम विदाई दी जाएगी. गोस्सनर थियोलॉजिकल कॉलेज परिसर में विशेष प्रार्थना सभा और शोक सभा होगी. इसमें कलीसिया के पादरी,धर्मगुरु, सदस्य और हजारों विश्वासी शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि देंगें.इसके बाद दोपहर 12 बजे जीईएल चर्च कब्रिस्तान में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा.बिशप के निधन से मसीही समाज में शोक का माहौल है. ऑल चर्चेज कमेटी के अध्यक्ष बिशप राइट रेवरेंड सीमांत संदीप तिर्की के आकस्मिक निधन पर ऑल इंडिया क्रिश्चियन माइनॉरिटी फ्रंट ने गहरा शोक जताया है. फ्रंट के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण कच्छप ने कहा कि बिशप तिर्की का जीवन प्रभु यीशु मसीह की शिक्षाओं, प्रेम, सेवा और मानवता के प्रति समर्पित रहा. उनके निधन से मसीही समाज ने एक आध्यात्मिक अगुवा और मार्गदर्शक खो दिया है.उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा.उन्होंने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की. रोमन कैथोलिक चर्च के धर्माध्यक्ष बिशप विसेंट आइंद ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बिशप सीमांत संदीप तिर्की सिद्धांतों के प्रति निष्ठावान, दृढ़ व्यक्तित्व के धनी और समाज तथा कलीसिया के विकास के लिए समर्पित व्यक्ति थे.विशेषकर आदिवासी समुदाय के उत्थान और कल्याण के प्रति उनके मन में गहरी संवेदना थी. उनका जीवन और सेवाभाव हमेशा लोगों को प्रेरित करता रहेगा.

उच्च न्यायालय ने कशिश डेवलपर्स की सीरियस फ्रॉड की जांच रोकने की याचिका खारिज की

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने कशिश डेवलपर्स द्वारा मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (एमसीए) की ओर से शुरू करायी जांच को निरस्त करने की मांग खारिज कर दी है। कंपनी ने दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से आर्थिक अपराध शाखा में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने के बावजूद एमसीए की ओर से जांच कराये जाने को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने न्यायाधीश रंगन मुखोपाध्याय ने मामले की सुनवाई के बाद कशिश डेवलपर्स की याचिका खारिज कर दी। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि कंपनी ने डीएचएफएल से कर्ज स्वीकृत कराने में गलत ब्योरे का इस्तेमाल किया था। यह मामला फंड को इधर-उधर करने से संबंधित है इसलिए याचिका खारिज की जाती है। उल्लेखनीय है कि कशिश डवलपर्स ने 2013 में गुड़गांव में ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट शुरू किया था। 2015 तक प्रोजेक्ट प्रगति पर थी लेकिन फंड की कमी की वजह से कंपनी से डीएचएफएल ने 2018 में प्रोजेक्ट के रिवाइवल के लिए 725 करोड़ रुपये का कर्ज स्वीकृत कराया था। लेकिन इसमें से 503 करोड़ ही डीएचएफएल ने दिया। इसके बाद वह दिवालिया हो गया। उसके बाद घर के दो खरीदारों ने कंपनी से पैसा लौटाने की मांग की और आर्थिक अपराध शाखा से शिकायत की। गुड़गांव आर्थिक अपराध शाखा ने जांच के बाद शिकायतों को तथ्यहीन बताया। इसके बाद इन दोनों ने दिल्ली आर्थिक अपराध शाखा में प्राथमिकी दर्ज करायी। उच्च न्यायालय ने इस प्राथमिकी को निरस्त कर दिया। इसके बावजूद एमसीए ने कशिश डेवलपर्स के खिलाफ गंभीर अपराध में जांच शुरू करायी। कंपनी ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर इस जांच को रोकने की मांग की थी।

तीनपहाड़ में दर्दनाक सड़क हादसे में सीएससी संचालक पवन रविदास की मौत, मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तीनपहाड़/साहिबगंज।
तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के सगड़भंगा गांव निवासी 30 वर्षीय पवन रविदास की एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। गुरुवार देर रात हुए इस हादसे ने हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ कर रख दिया।

सीएससी सेंटर बंद कर भाई के घर गए थे

मिली जानकारी के अनुसार, पवन रविदास सगड़भंगा पंचायत में वीएलई (VLE) के पद पर कार्यरत थे। इसके अलावा वह बभनगामा मोड़ पर सीएससी सेंटर (CSC Center) का भी संचालन करते थे।गुरुवार की रात रोजाना की तरह उन्होंने अपना सेंटर बंद किया और निजी स्कॉर्पियो से केसा खापड़ गांव स्थित अपने छोटे भाई पंकज रविदास के घर पहुंचे। वहां स्कॉर्पियो खड़ी करने के बाद



वह बाइक से अपने घर सगड़भंगा हरिजन टोला के लिए निकले थे।

सड़क किनारे गिरे मिले पवन

काफी देर रात तक जब पवन घर नहीं पहुंचे तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। उन्होंने मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। चिंतित परिजन उनकी तलाश में निकले। खोजबीन के दौरान केसा से सगड़भंगा के बीच मुख्य सड़क पर पवन अपनी बाइक के साथ गिरे हुए मिले।
परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से आनन-फानन में उन्हें राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही राजमहल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

पवन अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं, जिसमें उनकी पत्नी, 12 वर्ष और 9 वर्ष के दो बेटे तथा 6 वर्ष की एक बेटी शामिल हैं। पवन अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे। उनकी असामयिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस हृदयविदारक घटना से पूरे सगड़भंगा गांव में मातम पसरा हुआ है।

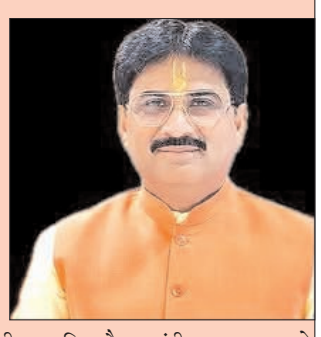
अवैध सखुआ लकड़ी के साथ टाटा 207 पिकअप जब्त, चालक फरार



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। वन विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 16 बोटा अवैध सखुआ लकड़ी लदे एक टाटा 207 पिकअप वाहन को जब्त किया है। यह कार्रवाई शुक्रवार की सुबह करीब 3 बजे एडीबी रोड स्थित देवपहाड़ मोड़, बान्झी के पास की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वन विभाग की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि एक पिकअप वाहन में अवैध रूप से सखुआ की लकड़ी का परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त स्थान पर वाहन को रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान वन विभाग की टीम को देखते ही वाहन चालक पिकअप छोड़कर मौके से फरार हो गया। इसके बाद वनकर्मियों ने वाहन की तलाशी ली, जिसमें 16 बोटा सखुआ की लकड़ी बरामद हुई। वन विभाग की टीम ने लकड़ी सहित टाटा 207 पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई उप वन परिसर पदाधिकारी श्री अंकित झा के नेतृत्व में की गई। अभियान में वन विभाग के अन्य वनकर्मी भी मौजूद थे। वन विभाग द्वारा मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही अवैध लकड़ी के कारोबार एवं वन संपदा की तस्करी पर रोक लगाने के लिए विभाग की ओर से लगातार निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है।

बैलेट पेपर से चुनाव में हार पर कांग्रेस आत्ममंथन करे:-बजरंगी प्रसाद यादव



साहिबगंज।भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने ईवीएम से चुनाव कराने को लेकर कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों पर निशाना साधा है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार ईवीएम पर सवाल उठाते हुए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग करती रही है।इसी मुद्दे पर एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की रैली प्रस्तावित है।बजरंगी प्रसाद यादव ने विधान परिषद की सीटों पर बैलेट पेपर से हुए चुनाव का हवाला देते हुए राहुल गांधी से सवाल किया कि जब चुनाव बैलेट पेपर से हुए,तब कांग्रेस की हार की जिम्मेदारी किसकी है?उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश,बिहार,महाराष्ट्र और कर्नाटक में विधान परिषद की 28 सीटों पर हुए चुनाव में कांग्रेस ने 12 सीटों पर उम्मीदवार उतारे,लेकिन उसे केवल महाराष्ट्र में एक सीट पर जीत मिली।उन्होंने कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद चारों सीटों पर भाजपा-जेडीएस गठबंधन की जीत का भी उल्लेख किया।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव जीतने के लिए जनता और मतदाताओं का विश्वास हासिल करना जरूरी है।केवल ईवीएम और चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाने से राजनीतिक सफलता नहीं मिलती।कांग्रेस को अपने चुनावी प्रदर्शन की ईमानदारी से समीक्षा करने के साथ परिवारवाद और राजनीतिक रणनीति पर भी आत्ममंथन करना चाहिए।उन्होंने कहा कि चुनाव ईवीएम से हो या बैलेट पेपर से,लोकतंत्र में जनता का फैसला सर्वोपरि है।

सीसीएल में बच्चों के लिए कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित



रांची। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के तहत सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय, रांची में शुक्रवार को कर्मियों के बच्चों के लिए कविता पाठ, चित्रकला एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें 200 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।इस वर्ष कार्यक्रम की थीम सत्यनिष्ठा से समृद्धि रखी गई थी। यह जानकारी सीसीएल की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया गया कि प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों को ईमानदारी, पारदर्शिता, नैतिकता और सत्यनिष्ठा के महत्व से जोड़ने का प्रयास किया गया।प्रतिभागियों ने अपनी कविताओं, चित्रों और निबंधों के जरिए भ्रष्टाचार मुक्त समाज और नैतिक आचरण का संदेश प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। मौके पर सीसीएल के वक्ताकओं ने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी भारत के निर्माण में नई पीढ़ी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए बच्चों को प्रारंभ से ही सही संस्कार और नैतिक शिक्षा देना जरूरी है।सीसीएल की इस पहल ने कार्यस्थल से आगे बढ़कर समाज में सत्यनिष्ठा की संस्कृति विकसित करने और बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

सिदगोड़ा टाउन हॉल में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



पूर्वी सिंहभूम। युवाओं की रचनात्मक क्षमता को प्रोत्साहित करने और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देने के उद्देश्य से शुक्रवार को सिदगोड़ा टाउन हॉल में जिला स्तरीय युवा उत्सव 2026-27 का आयोजन किया गया। 'नशा मुक्ति युवा, विकसित भारत' की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्वी सिंहभूम जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 250 से अधिक युवक-युवतियों ने भाग लिया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखंड, मेरा युवा भारत (नेहरू युवा केंद्र), राष्ट्रीय सेवा योजना और जिला प्रशासन के खेल विभाग की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर जिला खेल पदाधिकारी, मेरा युवा भारत के जिला युवा पदाधिकारी मोंटू पातर और जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. कमल कुमार महतो मौजूद थे। उत्सव में सामूहिक लोक नृत्य, सामूहिक लोकगीत, कविता लेखन, चित्रकला और नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने अपनी कला और सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सामूहिक लोक नृत्य में ट्राइबल रिदम की टीम ने पहला, पटमदा डिग्री कॉलेज ने दूसरा और गोमहर अखाड़ा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सामूहिक लोकगीत में करीम सिटी कॉलेज की टीम प्रथम, कला मंदिर बिष्टुपुर की टीम द्वितीय और पटमदा डिग्री कॉलेज की टीम तृतीय रही। कविता लेखन में नित्य झा ने प्रथम, अनम युसूफ ने द्वितीय और रोहित शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। चित्रकला प्रतियोगिता में वैभवी (डीएवी बिष्टुपुर) प्रथम, श्रुति मंडल द्वितीय और गौतम महतो तृतीय स्थान पर रहे। नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में करीम सिटी कॉलेज की टीम सक्षम ने पहला स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल थे। विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को एनईपी के निदेशक राजेश कुमार ने पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को अब प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। प्रमंडल स्तर पर सफल प्रतिभागी राज्य स्तरीय और राज्य स्तर के विजेता राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मानवता की मिसाल बने नगर अध्यक्ष रामनाथ पासवान, जरूरतमंद मरीज को रक्तदान कर बचाई जान



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। इंसानियत और सामाजिक सेवा की भावना को चरितार्थ करते हुए साहिबगंज के नगर अध्यक्ष श्री रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान ने एक जरूरतमंद मरीज को अपना रक्तदान कर उसकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। जब मरीज को इलाज के दौरान रक्त की सख्त आवश्यकता थी और परिजनों के सामने परेशानी खड़ी हो गई थी, तब नगर अध्यक्ष रामनाथ पासवान ने आगे बढ़कर रक्तदान करने का निर्णय लिया।उनके इस सराहनीय कदम से जरूरतमंद मरीज को समय पर रक्त उपलब्ध हो सका और उसकी जान बचाने में मदद मिली। रामनाथ पासवान के इस मानवीय कार्य की लोगों ने सराहना की। उन्होंने अपने कार्यों से यह संदेश दिया कि समाज में पद और प्रतिष्ठा से बढ़कर मानवता का स्थान है।रक्तदान को महादान बताते हुए उन्होंने लोगों से अपील की कि जरूरत पड़ने पर हर स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। किसी जरूरतमंद को समय पर रक्त उपलब्ध कराना किसी को नया जीवन देने के समान है। नगर अध्यक्ष के इस नेक कार्य ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सच्ची समाजसेवा वही है, जिसमें जरूरत के समय किसी की मदद के लिए हाथ

योजनाओं का लाभ वास्तविक लाभुक तक पहुंचे, सुनिश्चित करें अधिकारी : दीपिका



रांची। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन स्थित एनेक्सी में राज्य स्तरीय दिशा समिति की पहली बैठक हुई।बैठक में केंद्र प्रायोजित विकास योजनाओं की प्रगति, वित्तीय उपलब्धियों और क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर मंत्री ने अधिकारियों को लंबित कार्यों को समयबद्ध पूरा करने और स्वीकृत राशि का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मंत्री ने कहा कि योजनाओं की समीक्षा सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह देखना बेहद जरूरी है कि योजनाओं का वास्तविक लाभुक तक पहुंच रहा है या नहीं। अधिकारी इसपर ध्यान दें।उन्होंने योजनाएं पूरी होने के बावजूद राशि निर्गमन लंबित रहने पर नाराजगी जताते हुए ऐसे मामलों का प्राथमिकता से समाधान करने को कहा। समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना, वीबी-ग्राम-जी, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित विभिन्न योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का आकलन किया गया।बैठक में जनप्रतिनिधियों और गैर-सरकारी सदस्यों ने जमीनी समस्याओं, तकनीकी बाधाओं और प्रशासनिक परेशानियों को उठाया। मंत्री ने अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने और धरातल पर जाकर समस्याओं का समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने नई योजनाओं के प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजने और केंद्र-राज्य समन्वय मजबूत करने पर भी जोर दिया।बैठक में मुख्य रूप से सांसद विजय हांसदा, विधायक सुरेश पासवान, राज सिन्हा, जगत माझी, मंजू कुमारी, ग्रामीण विकास सचिव मनोज कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और समिति के सदस्य मौजूद थे।

तेज आंधी बारिश के कारण विद्युत आपूर्ति हुई बाधित

झारखंड उजाला संवाददाता



उधवा/साहिबगंज।उधवा प्रखंड क्षेत्र में बीते रात हुई तेज आंधी-बारिश के कारण विद्युत व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई।तेज हवा और बारिश के चलते विभिन्न क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई, जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।जानकारी के अनुसार गुरुवार - शुक्रवार की देर रात करीब एक बजे उधवा व राधानगर पीएसएस के कई फीडरों में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई।जिस कारण तकरीबन 5 घंटे से अधिक समय तक परेशानी हुई।विभागीय जानकारी के अनुसार रात तकरीबन 1 बजे के आसपास विद्युत आपूर्ति ब्रेकडाउन हो गया।ब्रेक डाउन की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग के कर्मी रात में ही मरम्मत कार्य में जुट गए।काफी मशक्कत के बाद विभागीय कर्मियों द्वारा मरम्मती कार्य पूरा कर विद्युत बहाल की गई।समाचार लिखे जाने तक उधवा पीसीएस के एक नंबर फीडर की मरम्मती जारी है।

जे-टेट को लेकर प्रशासन अलर्ट, तीनपहाड़ थाना प्रभारी ने तीनपहाड़ हाईस्कूल परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

झारखंड उजाला संवाददाता



तीनपहाड़/साहिबगंज। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जे-टेट) 2026 आगामी रविवार को आयोजित होगी। तीनपहाड़ हाईस्कूल को जे-टेट का परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षा को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को तीनपहाड़ थाना प्रभारी गौरव भगत तीनपहाड़ हाईस्कूल पहुंचे और विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।थाना प्रभारी ने परीक्षा केंद्र के मुख्य गेट, क्लास रूम, बाउंड्री वॉल और सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रधानाध्यापक लाउस हांसदा को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी बाहरी व्यक्ति को केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं करने दिया जाए। शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न कराना पहली प्राथमिकता है।वहीं प्रधानाध्यापक ने बताया कि तीनपहाड़ हाईस्कूल को जे-टेट का परीक्षा केंद्र बनाया गया है। यहां दो पालियों में परीक्षा होगी।

- **प्रथम पाली:** कक्षा 6 से 8 के लिए परीक्षा होगी, जिसमें कुल 500 अभ्यर्थी शामिल होंगे।
- **द्वितीय पाली:** कक्षा 1 से 5 के लिए परीक्षा होगी, जिसमें 169 अभ्यर्थी शामिल होंगे।परीक्षा को लेकर विभाग ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। परीक्षार्थियों का रिपोर्टिंग टाइम सुबह 7:30 बजे से 9:00 बजे तक रखा गया है। 9 बजे के बाद गेट बंद कर दिया जाएगा और किसी भी अभ्यर्थी को अंदर प्रवेश नहीं मिलेगा। परीक्षा सुबह 9:30 बजे से 12:00 बजे तक और दोपहर 2:00 बजे से 4:30 बजे तक चलेगी।

बिशप सीमान्त का निधन अपूरणीय क्षति : शिल्पी



रांची। जीईएल चर्च, रांची के बिशप आरटी रेव सीमान्त संदीप तिर्की के आकस्मिक निधन से कलीसिया समाज सहित सामाजिक जगत में शोक की लहर है। उनके निधन की सूचना मिलने पर शुक्रवार को मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की शुक्रवार को उनके आवास पहुंचे। दोनों ने दिवंगत बिशप के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। मौके पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और बंधु तिर्की ने कहा कि बिशप सीमान्त संदीप तिर्की का निधन कलीसिया समाज के साथ-साथ पूरे सामाजिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। दोनों नेताओं ने कहा कि समाज के दबे-कुचले, वंचित और जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के साथ शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनका सामाजिक कार्य और सेवा भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी।

कार्बन मार्केट से बदलेगी झारखंड की ग्रामीण अर्थव्यवस्था : पीसीसीएफ

झारखंड उजाला संवाददाता



रांची। वन विभाग की ओर से शुक्रवार को होटल चाणक्य बीएनआर, रांची में लिवरेजिंग कार्बन मार्केट फॉर ए क्लाईमेट रेजिलेंट झारखंड विषय पर हितधारक कार्यशाला आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) और वन बल प्रमुख संजीव कुमार ने कहा कि राज्य सरकार ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और ग्रामीण एवं जनजातीय समुदायों की आजीविका मजबूत करने की बात पर कार्बन मार्केट की संभावनाओं पर ठोस पहल की शुरूआत की है। कार्बन मार्केट से झारखंड की ग्रामीण अर्थव्यवस्था बदलेगी। इसके साथ ही यहां के किसानों और जनजातीय समुदायों की आजीविका मजबूत होगी। कार्बन ट्रेडिंग पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थानीय आजीविका संवर्धन का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकती है। उन्होंने इसरो के आंकड़ों का हवाला देते हुए झारखंड में लगभग 69 प्रतिशत भूमि क्षरण की चुनौती का उल्लेख किया। उन्होंने जल संरक्षण, पौधारोपण, भूमि पुनर्स्थापन और बायोगैस को बढ़ावा देने पर जोर दिया। पीपीसीएफ और मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक रवि रंजन ने वैज्ञानिक आंकड़ों के आधार पर कार्बन परियोजनाएं विकसित करने एवं सामुदायिक आजीविका को प्राथमिकता देने की बात कही। नाबार्ड के डीजीएम राकेश सिन्हा ने किसानों और ग्रामीण समुदायों तक कार्बन वित्त पहुंचाने में वित्तीय संस्थानों की भूमिका बताई। कार्यशाला में कृषि वानिकी, भूमि पुनर्स्थापन, सीएसआर और कार्बन वित्त के जरिए ग्रामीण विकास पर चर्चा हुई। इस दौरान झारखंड की जलवायु जोखिम मानचित्रण रिपोर्ट जारी की गई और डिजिटल मापन एवं सत्यापन तकनीक का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में अनुराधा मिश्रा, डॉ एचएस गुप्ता, एटी मिश्रा, क्लाइमटेक्स के निदेशक विजय सहित नाबार्ड, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, जीआईजेड, जेएसएलपीएस और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

जिला स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता सेमिनार आयोजित

झारखंड उजाला संवाददाता

रांची। ओथ फाउंडेशन और सड़क सुरक्षा विभाग, रांची के संयुक्त तत्वावधान में राजधानी में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को सीएम एक्सीलेंस स्कूल (जिला स्कूल परिसर) में सड़क सुरक्षा जागरूकता सेमिनार और पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि डेली मार्केट थाना प्रभारी पवन कुमार और सड़क सुरक्षा अभियंता गौरव कुमार ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए नियमों का पालन जरूरी है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का इस्तेमाल करें। निर्धारित गति सीमा का पालन करें और 18 वर्ष की आयु पूरी होने और वैध लाइसेंस मिलने के बाद ही वाहन चलाएं।अतिथियों ने नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने और दुर्घटना होने पर वीडियो बनाने के बजाय घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की अपील की।इस दौरान विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की शपथ भी दिलाई गई।पेंटिंग प्रतियोगिता में सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लेकर चित्रों के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। प्रतियोगिता में कक्षा 12 की तृप्ति कुमारी प्रथम, कक्षा छह की माही प्रिया द्वितीय और कक्षा आठ की प्रेरणा कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। विजेताओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में प्राचार्या डॉ यास्मीन गैलेरिया सहित विभिन्न अतिथि सहित संस्था के प्रतिनिधि मौजूद थे।

माननीय मंत्री पेयजल एवं स्वच्छता, झारखंड सरकार श्री योगेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन की योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हजारीबाग, रामगढ़, चतरा एवं कोडरमा जिले की पेयजलापूर्ति योजनाओं की हुई विस्तृत समीक्षा, संवेदकों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश योजनाओं में लापरवाही एवं विलंब पर संबंधित संवेदकों और अधिकारियों की तय होगी जवाबदेही : मंत्री



हजारीबाग। माननीय मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड सरकार श्री योगेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार, हजारीबाग में जल जीवन मिशन के तहत हजारीबाग, रामगढ़, चतरा एवं कोडरमा जिले में संचालित पेयजलापूर्ति योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, लंबित कार्यों, सिंगल विलेज स्कीम (रश्र), रॉ वाटर राइजिंग एवं क्लीन वाटर राइजिंग, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तथा पेयजलापूर्ति से संबंधित आधारभूत संरचनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में माननीय मंत्री ने संबंधित अधिकारियों एवं संवेदकों से योजनावार कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए कार्यों में हो रहे विलंब एवं योजनाओं के सुचारू रूप से संचालित नहीं होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि आमजन की मूलभूत आवश्यकता से जुड़ी पेयजलापूर्ति योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करते हुए योजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारना सुनिश्चित करें। माननीय मंत्री ने कहा कि पेयजलापूर्ति योजना को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है। शुद्ध पेयजल प्रत्येक मानव का मौलिक अधिकार है। इसलिए विभागीय अधिकारियों एवं संवेदकों की जिम्मेदारी है कि आम नागरिकों को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट एवं पेयजलापूर्ति संरचनाओं को क्रियाशील बनाने पर जोर

बैठक में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट सहित पेयजलापूर्ति से संबंधित विभिन्न आधारभूत संरचनाओं के निर्माण, कार्यशीलता एवं संचालन की समीक्षा की गई। इस दौरान विभागीय सचिव श्री अबु इमरान ने निर्देश दिया कि पेयजलापूर्ति से जुड़ी सभी संरचनाओं का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। जहां कार्य अधूरे हैं अथवा योजनाओं का संचालन बाधित है, वहां आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्याओं का समयबद्ध निराकरण किया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की नियमित जांच एवं योजनाओं की सतत निगरानी पर भी बल दिया।

बंद पड़ी योजनाओं एवं लापरवाही बरतने वाले संवेदकों पर होगी कार्रवाई

समीक्षा के दौरान जिन योजनाओं में कार्य बंद पाया गया अथवा निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप प्रगति नहीं हुई, उन मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित संवेदकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। विभागीय सचिव ने कहा कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही एवं अनावश्यक विलंब के मामलों में जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण नहीं करने वाले तथा योजनाओं को बंद रखने वाले संवेदकों को नियमानुसार लीगल नोटिस जारी किया जाए तथा संविदा की शर्तों एवं लागू प्रावधानों के अनुरूप आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अभियान निदेशक श्री शशि रंजन ने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्राधिकार की लंबित योजनाओं की नियमित समीक्षा करने तथा उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन संवेदकों एवं अधिकारियों की शिथिलता के कारण योजनाएं लंबित हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही योजनाओं की अद्यतन स्थिति पर सतत निगरानी रखने, कार्यों में आ रही बाधाओं को दूर करने तथा संवेदकों की जवाबदेही तय करने का निर्देश दिया।

आमजन को समय पर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री

माननीय मंत्री श्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की योजनाएं सीधे आमजन की मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़ी हैं। इन योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब लोगों को निर्धारित समय पर नियमित एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं संवेदकों को पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पेयजलापूर्ति से संबंधित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के अंत में माननीय मंत्री ने पेयजलापूर्ति योजनाओं के कार्यों में तेजी लाने तथा जिला प्रशासन को नियमित रूप से योजनाओं की समीक्षा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में दिए गए निदेशों के अनुपालन एवं योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा तीन माह के उपरांत पुनः आयोजित बैठक में की जाएगी। बैठक में सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग श्री अबु इमरान, अभियान निदेशक श्री शशि रंजन, उप विकास आयुक्त, कोडरमा, नगर आयुक्त, हजारीबाग, अपर समाहर्ता, हजारीबाग, जिला योजना पदाधिकारी, अभियंता प्रमुख एवं मुख्य अभियंता,कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, माननीय मंत्री के ओएसडी सहित हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़ एवं चतरा जिले के वरीय पदाधिकारी, विभागीय अधिकारी एवं संबंधित संवेदक उपस्थित थे।

राजस्व संग्रहण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, पारदर्शिता के साथ कार्य करने का नगर आयुक्त ने दिया निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



धनबाद। धनबाद नगर निगम में राजस्व संग्रहण की प्रक्रिया को सुचारू, व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से नगर आयुक्त की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहायक नगर आयुक्त प्रकाश कुमार एवं प्रसून कौशिक सहित निगम के सभी राजस्व निरीक्षक उपस्थित थे। बैठक में नगर आयुक्त ने राजस्व संग्रहण कार्य की समीक्षा करते हुए सभी राजस्व निरीक्षकों को पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व संग्रहण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी अपने निर्धारित दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें।

नगर आयुक्त ने राजस्व संग्रहण कार्य में तेजी लाने तथा निगम के राजस्व में वृद्धि सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी राजस्व निरीक्षकों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए संग्रहण प्रक्रिया को त्रुटिरहित एवं प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। साथ ही राजस्व संग्रहण के कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने और निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने पर भी बल दिया।

दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए पतरातू में निःशुल्क सहायक उपकरण आकलन शिविर का शुभारंभ, पहले दिन मिले 160 से अधिक आवेदन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़। झारखंड सरकार के निर्देश और जिला प्रशासन, रामगढ़ की विशेष पहल पर जिले के दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए प्रखंडवार आकलन शिविरों की शुरूआत शुक्रवार (30 अक्टूबर 2026) को पतरातू प्रखंड से हुई। भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (ALIMCO) और पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (PVUNL) के सहयोग से आयोजित इस शिविर का संचालन उपायुक्त ऋतुराज के निदेर्शानुसार और मांडू के प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। शिविर में क्षेत्र के दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसके चलते पहले ही दिन 160 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान राष्ट्रीय वयोश्री योजना और एडिप (ADIP) योजना के तहत लाभार्थियों की पात्रता एवं उनकी आवश्यकताओं का बारीकी से आकलन किया गया।

योजनाओं के लिए आवश्यक पात्रता और दस्तावेज: वरिष्ठ नागरिकों के लिए (राष्ट्रीय वयोश्री योजना): आयु 60 वर्ष या उससे अधिक, आधार कार्ड तथा अधिकतम 15,000 रुपये मासिक आय का प्रमाण पत्र। दिव्यांगजनों के लिए (एडिप योजना): न्यूनतम 40 प्रतिशत दिव्यांगता, वउक्क कार्ड, आधार कार्ड तथा अधिकतम 22,500 रुपये मासिक आय का प्रमाण पत्र।

अन्य प्रखंडों में शिविरों की तिथि: जिला प्रशासन द्वारा अन्य प्रखंडों में भी शिविर आयोजित किए जाएंगे:

31 अक्टूबर 2026: मांडू प्रखंड कार्यालय

01 नवंबर 2026: दुलमी प्रखंड कार्यालय

04 नवंबर 2026: चितरपुर प्रखंड कार्यालय

05 नवंबर 2026: गोला प्रखंड कार्यालय

06 नवंबर 2026: रामगढ़ प्रखंड कार्यालय (ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र)

जिला प्रशासन ने सभी पात्र नागरिकों से अपने संबंधित प्रखंड में निर्धारित तिथि को आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में भाग लेने की अपील की है ताकि इस जनकल्याणकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाया जा सके।

जेएफए चुनाव पर लोहरदगा जिला फुटबॉल संघ ने जताई आपत्ति, एआईएफएफ से रोक लगाने की मांग

वैध जिला संघ को चुनाव प्रक्रिया से बाहर रखने और अपंजीकृत संघों के प्रतिनिधियों को मतदाता बनाने का आरोप

ऑल इंडिया के अध्यक्ष, सचिव सहित, खेल सचिव भारत सरकार खेल मंत्री कार्यालय भारत सरकार स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया AFC और फीफा को भी लिखें

लोहरदगा। झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन (जेएफए) के आगामी चुनाव को लेकर विवाद गहराता नजर आ रहा है। लोहरदगा डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल एसोसिएशन ने चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितता, पारदर्शिता की कमी और एआईएफएफ के संविधान एवं राष्ट्रीय खेल संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। इस संबंध में जिला फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव सोमा उरांव ने एआईएफएफ के अध्यक्ष एवं सचिव को लिखित आपत्ति पत्र भेजा है।और अध्यक्ष,सचिव के साथ खेल सचिव भारत सरकार, खेल मंत्री कार्यालय, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई)एएफसी और फीफा को भी पत्र लिख इसमें हस्तक्षेप करने कि मांग कि पत्र में कहा गया है कि झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन का आगामी चुनाव 1 नवंबर 2026 को कराए जाने की चर्चा है। लेकिन चुनाव प्रक्रिया को लेकर जिला संघों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। लोहरदगा जिला फुटबॉल एसोसिएशन का आरोप है कि सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत विधिवत पंजीकृत होने के बावजूद उसे चुनाव प्रक्रिया से बाहर रखा जा रहा है। संघ को अब तक चुनाव की कोई आधिकारिक सूचना या पत्र भी प्राप्त नहीं हुआ है। आपत्ति पत्र में एआईएफएफ संविधान के आर्टिकल 1.18 और राष्ट्रीय खेल संहिता के प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा गया है कि वैधानिक रूप से पंजीकृत जिला फुटबॉल संघों को चुनाव प्रक्रिया में उचित प्रतिनिधित्व और मताधिकार मिलना चाहिए। इसके विपरीत, ऐसे जिला संघों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची में शामिल किए जाने का प्रयास किया जा रहा है, जिनके पंजीकरण की वैधानिक स्थिति स्पष्ट नहीं है। संघ ने झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन के वर्तमान सचिव की उम्र 75 वर्ष होने का उल्लेख करते हुए आयु सीमा और पद पर बने रहने से संबंधित नियमों की जांच की मांग की है। जे एफ ए सचिव द्वारा अपने पत्नी,पुत्र और रिश्तेदारों को अध्यक्ष,सचिव जैसे पद पर स्थापित करने का प्रयास अपने पद का दुरूपयोग कर किया जा रहा है। जो ा संविधान और नेशनल स्पोर्ट्स गवर्ननेंस एक्ट के खिलाफ है. इसे हितों के टकराव का मामला बताते हुए एआईएफएफ संविधान के प्रावधानों के तहत जांच कराने की मांग की गई है। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि चुनाव को झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव के गृह जिले गिरिडीह में गोपनीय तरीके से आयोजित कराने की तैयारी की जा रही है। चुनाव के लिए नियुक्त रिटर्निंग ऑफिसर, मतदाता सूची, नामांकन प्रक्रिया और चुनाव संबंधी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां सार्वजनिक नहीं की गई हैं। इससे चुनाव की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोहरदगा जिला फुटबॉल एसोसिएशन ने एआईएफएफ से मांग की है कि कथित अनियमितताओं की जांच होने तक चुनाव प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए। झारखंड के सभी जिला फुटबॉल संघों के पंजीकरण और उनकी वैधानिक स्थिति की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा पंजीकृत लोहरदगा जिला फुटबॉल एसोसिएशन को चुनाव में मताधिकार दिया जाए।लोहरदगा जिला के 30 से अधिक क्लबों पर रजिस्टर्ड है जिसमें सैकड़ो खिलाड़ियों पंजीकृत है. इसके अलावा एआईएफएफ से यह भी जानकारी मांगी गई है कि क्या झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन की ओर से चुनाव कराने के संबंध में कोई आधिकारिक पत्र डाक या ईमेल के माध्यम से भेजा गया है। यदि भेजा गया है तो उसकी प्रति उपलब्ध कराई जाए। साथ ही चुनाव के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक और रिटर्निंग ऑफिसर का नाम एवं संपर्क नंबर सार्वजनिक करने की मांग की गई है। सचिव सोमा उरांव ने उम्मीद जताई है कि एआईएफएफ इस मामले में हस्तक्षेप कर निष्पक्ष निर्णय लेगा और झारखंड में फुटबॉल की व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए उचित कदम उठाएगा। आपत्ति पत्र के साथ सोसाइटी रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र और खेल गतिविधियों से संबंधित तस्वीरें भी संलग्न की गई हैं।

पारंपरिक पड़हा स्वशासन व्यवस्था को मजबूत करने की पहल, 2 नवंबर को लोहरदगा में 200 गांवों के पारंपरिक अगुवा लेंगे शपथ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

66 पंचायतों के 353 गांवों के पारंपरिक अगुवाओं को एकजुट करने की तैयारी, पारंपरिक ग्रामसभा एवं पड़हा पंच व्यवस्था को सशक्त बनाने पर हुई विस्तृत चर्चा



लोहरदगा: समहारनालय मैदान में पारंपरिक स्वशासन पड़हा व्यवस्था, लोहरदगा के तत्वावधान में पारंपरिक ग्रामसभा एवं पड़हा पंच व्यवस्था को मजबूत और संगठित बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न गांवों के पारंपरिक अगुवाओं ने भाग लेकर पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था की मजबूती, सामाजिक एकता, ग्रामसभा की भूमिका तथा गांवों के विकास में पारंपरिक नेतृत्व की जिम्मेदारियों को लेकर विचार-विमर्श किया। कार्यशाला के दौरान सर्वसम्मति से आगामी 2 नवंबर 2026, दिन सोमवार को लोहरदगा समाहरणालय मैदान में एक भव्य शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस कार्यक्रम में लोहरदगा जिले की 66 पंचायतों के अंतर्गत आने वाले 353 गांवों में से लगभग 200 गांवों के पारंपरिक अगुवाओं के शामिल होकर शपथ ग्रहण करने की तैयारी है। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पारंपरिक ग्रामसभा आदिवासी समाज की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। इस व्यवस्था को मजबूत करने के लिए गांवों के पारंपरिक अगुवाओं को एक मंच पर लाना, उनके अधिकारों एवं जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना और आपसी समन्वय स्थापित करना आवश्यक है।

कार्यशाला में बेल विजय उरांव, उपबेल शिवशंकर टाना भगत, देवान संजीव भगत, उपदेवान जतरू उरांव, मीडिया प्रभारी महेश्वर उरांव, गोपाल उरांव, महाबीर उरांव, रविंदर उरांव एवं संजय गंझू सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। आयोजकों ने आदिवासी समाज के सभी संगठनों के पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं बुद्धिजीवियों से अपील की कि वे इस पहल में सहभागी बनें तथा अपने विचार और सुझाव देकर पारंपरिक ग्रामसभा (पड़हा पंच) व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में सहयोग करें। आयोजकों का कहना है कि 2 नवंबर का शपथ ग्रहण कार्यक्रम पारंपरिक अगुवाओं को एकजुट करने और गांवों की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था को संगठित रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगी।

कृषि विज्ञान केंद्र में किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त का सीधा प्रसारण, 114 किसान हुए शामिल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



धनबाद। कृषि विज्ञान केंद्र, धनबाद में शुक्रवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी होने के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इसमें 114 किसानों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर देश के 9.34 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 18,690 करोड़ रुपये से अधिक की सम्मान राशि हस्तांतरित की।कार्यक्रम के दौरान 521 कृषि यंत्र किराया केंद्रों और 12 बागवानी समूहों का उद्घाटन भी किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ. अनिल कुमार ने किसानों को खेत बचाओ अभियान, फलदार पौधों के रोपण और पौधशाला स्थापना की वैज्ञानिक जानकारी दी।डॉ. आदर्श कुमार श्रीवास्तव ने सरसों की उन्नत खेती तथा डॉ. नवीन कुमार ने अलसी की बुवाई, फसल प्रबंधन और रोग नियंत्रण के उपाय बताए। किसानों को उन्नत बीज के साथ आवश्यक कृषि सामग्री के उपयोग की जानकारी भी दी गई।कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना तथा आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति जागरूक कर उत्पादन और आय में वृद्धि करना था। कार्यक्रम को सफल बनाने में रश्मि कंडुलना, देव प्रकाश शुक्ला, श्यामल सरकार, मानिक राजक सहित केंद्र के अन्य कर्मचारियों का योगदान रहा।

जमीन विवाद में मां-बेटी की हत्या कर जलाया शव, सात गिरफ्तार

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू



पश्चिमी सिंहभूम। जिले के मंझारी थाना क्षेत्र के बड़ा तोरलो गांव में जमीन विवाद को लेकर मां-बेटी की हत्या कर शवों को जलाने और साक्ष्य मिटाने के लिए पहाड़ की गुफा में दफनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर तोरलो जंगल के दावबुरु पहाड़ स्थित एक गुफा से दोनों महिलाओं के जले हुए शवों के अवशेष और हड्डियां बरामद की गई हैं। शुक्रवार को सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टूटी ने प्रेस वार्ता में बताया कि मृतकों की पहचान बड़ा तोरलो गांव के टोपागाई टोला निवासी कुनी कुई (68) और उनकी बेटी नामसी बिरुवा (27) के रूप में हुई है। दोनों के लापता होने की सूचना 27 अक्टूबर को पुलिस को मिली थी। प्रारंभिक जानकारी में जमीन विवाद के कारण उनकी हत्या किए जाने की आशंका जताई गई थी। इसके बाद मंझारी थाना में मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। एसपी अमित रेनू के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचनाओं के आधार पर संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर दावबुरु पहाड़ की गुफा में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त मंझारी के अंचलाधिकारी और रांची से पहुंची विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम की मौजूदगी में जले हुए शवों के अवशेष बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, हत्या के पीछे खेत की मेड़ काटने को लेकर जून-जुलाई 2026 में यदुनाथ बिरुवा और कुनी कुई के बीच हुआ विवाद प्रमुख वजह बताया जा रहा है। इसके अलावा कुनी कुई के पहले पति से हुए बेटे त्रिभुवन बिरुवा पर मां और बहन को घर से निकालने के लिए परेशान करने का आरोप है। पुलिस का दावा है कि त्रिभुवन ने अन्य आरोपितों के साथ मिलकर 13 अक्टूबर की शाम करीब सात बजे दोनों की हत्या की साजिश रची। इसके बाद शवों को वाहन से मोटकसाई गांव के दावबुरु पहाड़ स्थित गुफा में ले जाया गया। वहां लकड़ियों और झाड़ियों की मदद से डीजल डालकर शवों को जला दिया गया और बचे हुए अवशेषों को गुफा में ही दफना दिया गया। इस मामले में पुलिस ने यदुनाथ बिरुवा उर्फ यादु (31), लादुरा बिरुवा (50), राजा राम बिरुवा (34), चेदरे बिरुवा उर्फ चंद्र बिरुवा, माहती बिरुवा (35), दुई कोडाकेल उर्फ लखन कोडाकेल (32) और त्रिभुवन बिरुवा (36) को गिरफ्तार किया है। सभी मंझारी थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि सातों आरोपितों को 29 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया है। उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। मामले में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश में छापेमारी जारी है।

एचईसी के मजदूरों की आम बैठक तीन नवंबर को



रांची। हटिया मजदूर यूनियन (सीटू) की ओर से एचईसी मजदूरों की विभिन्न समस्याओं और लंबित वेतन भुगतान सहित अन्य मांगों को लेकर तीन नवंबर 2026 को आम मजदूर सभा का आयोजन किाय गया। यह जानकारी शुक्रवार को हटिया मजदूर यूनियन (सीटू) के अध्यक्ष भवन सिंह ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।उन्होंने जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बैठक में सभी यूनियनों और मजदूरों को शामिल होने का आह्वान किया है। इसके साथ ही बैठक में स्थायी और सप्लाई मजदूरों के लंबित वेतन, दीपावली से पहले बोनस भुगतान, स्थायी कर्मचारियों का वर्ष 2023 से लंबित प्रमोशन, सप्लाई मजदूरों के ग्रेडेशन और बकाया डीए का मुद्दा उठाया जाएगा।इसके अलावा केंद्रीय घोषित वेतन और हड़ताल अवधि के लंबित भुगतान पर भी चर्चा होगी।भवन सिंह ने एचईसी प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि एचईसी में मजदूर कर्मी लगातार उत्पादन बढ़ा रहे हैं, लेकिन उनके वेतन और बोनस का भुगतान लंबित रखा जा रहा है जो किसी भी हाल में उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी यूनियनों से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर अपनी समस्याओं को उठाएंगे तो प्रबंधन को वेतन भुगतान करना ही होगा।

जल जीवन मिशन की धीमी प्रगति पर उपायुक्त सख्त, तीन संवेदकों के इकरारनामे रद्द

पलामू में पेयजल योजनाओं को समय पर पूरा करने का निर्देश, छूटे परिवारों को शौचालय योजना से जोड़ने पर जोर

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू



मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिले में जल जीवन मिशन 2.0 एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण 2.0 की समीक्षा के दौरान उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने योजनाओं की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं संवेदकों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर योजनाओं को पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि कार्य में शिथिलता बरतने वाले तीन संवेदकों के इकरारनामे विखंडित कर दिए गए हैं। समीक्षा बैठक में नल से जल कनेक्शन, मल्टी विलेज स्कीम, घरेलू शौचालय निर्माण, जल गुणवत्ता जांच और लंबित योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि पेयजल योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही और अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नल से जल कनेक्शन की धीमी प्रगति पर नाराजगी

जल जीवन मिशन के तहत फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप वाटर कनेक्शन (FHTC) की प्रगति संतोषजनक नहीं मिलने पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले संवेदकों से स्पष्टीकरण लेने और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। अतिक्रमण के कारण बाधित योजनाओं को लेकर भी उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को अनुमंडल पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर समस्या का समाधान करने और निर्माण कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया।

पूर्ण योजनाओं को ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को सौंपने का निर्देश

उपायुक्त ने पूर्ण हो चुकी पेयजल योजनाओं का ट्रायल कराने और सफल परीक्षण के बाद उन्हें ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को हस्तांतरित करने को कहा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति एवं रखरखाव की व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सकेगी।उन्होंने जलकर संग्रहण के लिए संबंधित स्थानों पर क्यूआर कोड प्रदर्शित कराने तथा ग्रामीणों को जलकर भुगतान के प्रति जागरूक करने का भी निर्देश दिया।

जल स्रोतों की गुणवत्ता जांच पर जोर

ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए उपायुक्त ने सभी प्राथमिक जल स्रोतों की नियमित जांच कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जल गुणवत्ता की निगरानी में किसी प्रकार की कमी मिलने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही मॉडल मार्कर्ड विलेज की प्रविष्टि टक्कर पोर्टल पर सुनिश्चित करने तथा प्रथम और द्वितीय स्तर के सत्यापन को शत-प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया गया।

छूटे परिवारों को शौचालय योजना से जोड़ने की पहल

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण 2.0 की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर ऐसे परिवारों की पहचान करने का निर्देश दिया, जिनके घरों में अब तक व्यक्तिगत घरेलू शौचालय का निर्माण नहीं हुआ है या जिनकी प्रविष्टि टक्कर पोर्टल पर नहीं हो पाई है।उन्होंने कहा कि पात्र परिवारों को योजना का लाभ दिलाने के लिए वास्तविक स्थिति का आकलन करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि कोई भी योग्य लाभुक वंचित न रहे।

वेस्ट टू आर्ट पार्क के लिए NOC देने का निर्देश

वेस्ट टू आर्ट पार्क के निर्माण की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने विश्रामपुर, लेस्लीगंज और पिपरा प्रखंड के संबंधित अधिकारियों को भूमि से संबंधित अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) जल्द उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके।

मल्टी विलेज स्कीम की कार्ययोजना के लिए समय-सीमा तय

उपायुक्त ने सभी कनीय अभियंताओं को अपने क्षेत्र में संचालित मल्टी विलेज स्कीम की अद्यतन प्रगति और आगामी एक माह की विस्तृत कार्ययोजना 3 नवंबर तक कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।वहीं, कार्यपालक अभियंता को सभी योजनाओं की समेकित कार्ययोजना तैयार कर 5 नवंबर तक उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत करने को कहा गया।उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीणों को नियमित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और योजनाओं में आ रही बाधाओं को दूर कर लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करें।

रांची विवि के नेट और गेट अंकों के 70 प्रतिशत वेटेज की सूची प्रदर्शित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



रांची। रांची विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय की ओर से पीएचडी प्रवेश के लिए साक्षात्कार में सम्मिलित अभ्यर्थियों की योग्यता परीक्षा (नेट/गेट/एमफिल) के अंकों पर आधारित 70 प्रतिशत वेटेज (भारांक) की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है।यह जानकारी विश्वविद्यालय की ओर से शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई।विज्ञप्ति में विश्वविद्यालय की ओर से अभ्यर्थियों को निर्देश दिया गया है कि वे सूची में दिए गए वेटेज की जांच करें। विश्वविद्यालय की ओर से कहा गया है कि किसी प्रकार की विसंगति होने पर अभ्यर्थी दो नवंबर 2026 की शाम पांच बजे तक ई-मेल डाइरेक्टर रिसर्च ऐट दि रेट ऑफ रांची यूनिवर्सिटी डॉट एसी डॉट आईएन के माध्यम से निदेशालय को सूचित करें।जिन अभ्यर्थियों का भारांक सूची में अंकित नहीं है, उन्हें भी उक्त समय-सीमा तक अपना स्कोर कार्ड को इसी ई-मेल पर भेजने को कहा गया है। अन्यथा उनकी अभ्यर्थिता अंतिम मेधा सूची पर विचार नहीं होगा।विसंगतियों के निराकरण के पश्चात जारी आरक्षण रोस्टर के अनुसार पीएचडी प्रवेश की अंतिम चयन सूची प्रकाशित की जाएगी।

जेटेट परीक्षा की तैयारियों का डीसी-एसपी ने किया संयुक्त निरीक्षण

परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, सीसीटीवी,जैमर एवं अन्य व्यवस्थाओं का लिया जायजा

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू



मेदिनीनगर (पलामू)
आगामी 1 नवंबर को आयोजित होने वाली झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी एवं अपर समाहर्ता कुंदन कुमार ने संयुक्त रूप से जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।इस दौरान अधिकारियों ने आर.के. रामधारी स्कूल, रजवाडीह, ग्रीन वैली स्कूल, बारालोटा सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, जैमर की उपलब्धता, कंट्रोल रूम की व्यवस्था, वीडियोग्राफी की तैयारी, प्रश्नपत्र एवं परीक्षा सामग्री के सुरक्षित रख-रखाव, प्रवेश एवं निकास मार्ग, सुरक्षा घेरा, बैरिकेडिंग तथा अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उपायुक्त श्री शेखावत ने सभी परीक्षा केंद्रों पर प्रत्येक कक्ष में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों को परीक्षा से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने तथा व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने देने को कहा।उन्होंने परीक्षा के दौरान निर्धारित दिशा-निर्देशों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया,ताकि परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हो सके।निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप कुमार, संबंधित दंडाधिकारी, केंद्राधीक्षक एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

पलामू में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों के साथ बैठक, 4 नवंबर को सभी मतदान केंद्रों पर लगेगी चुनाव पाठशाला

18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं को मतदाता सूची में जोड़ने की अपील, अब तक 1.59 लाख नोटिस मामलों का निष्पादन

मेदिनीनगर (पलामू): मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (SIR)-2026 को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने शुक्रवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में जिले में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई और पात्र मतदाताओं का नाम सूची में शामिल कराने पर जोर दिया गया। बैठक में बताया गया कि जिले के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में नो मैपिंग और लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी से संबंधित कुल 4,19,319 नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें से 1,59,182 मामलों का निष्पादन किया जा चुका है। वहीं, अन्य श्रेणी के 10,79,977 मामलों में से 10,56,570 मामलों का निष्पादन किया गया है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने की अपील-बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में अब तक प्रपत्र-6 के 74,506, प्रपत्र-7 के 1,681 और प्रपत्र-8 के 25,146 आवेदन प्राप्त हुए हैं। वहीं, प्रपत्र-6क का एक आवेदन प्राप्त हुआ है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करें। पात्र नागरिक 18 नवंबर 2026 तक संबंधित बीएलओ के माध्यम से अथवा एउक्टीश ऐप और Voter Service Portal के जरिए प्रपत्र-6 जमा कर सकते हैं।

4 नवंबर को सभी मतदान केंद्रों पर होगी बैठक

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 4 नवंबर 2026 को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जिले के सभी मतदान केंद्रों पर BLO एवं BLA-2 की पांचवीं बैठक और पांचवीं चुनाव पाठशाला आयोजित की जाएगी। इस दौरान नो मैपिंग एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूरी नहीं करने वाले मतदाताओं की नामवार सूची संबंधित बीएलओ द्वारा उपस्थित इछअ-2 सदस्यों और आम नागरिकों के समक्ष पढ़कर सुनाई जाएगी। संबंधित मतदाताओं के बारे में आवश्यक जानकारी, सुझाव और आपत्तियां भी प्राप्त की जाएंगी।

पात्र मतदाताओं का नाम नहीं छूटे, इस पर जोर: प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूटने न पाए और कोई अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। इसके लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ-1 एवं बीएलओ-2 के साथ समन्वय स्थापित कर पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करने की अपील की।उन्होंने 4 नवंबर को आयोजित होने वाली बैठक एवं चुनाव पाठशाला में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया। बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी उदय रजक सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सुरक्षा मानकों का आकलन कर आवश्यक संरचनात्मक सुधार शीघ्र सुनिश्चित करने का निर्देश

झारखंड उजाला ब्यूरो
मेदिनीनगर (पलामू)



जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में बटाने जलाशय योजना की प्रगति एवं इसके समग्र विकास को लेकर संबंधित पदाधिकारियों एवं अभियंताओं के साथ बैठक आयोजित की गयी।बैठक में उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि बटाने जलाशय की संरचना काफी पुरानी है। ऐसे में सुरक्षा के दृष्टिकोण से संरचना में आवश्यक बदलाव एवं सुधार की संभावनाओं का आकलन किया जाए। उन्होंने बांध की ओर जाने वाली सड़क को भी दुरुस्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक उपाय करने के निर्देश उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि जलाशय के डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में, जहां पानी का प्रवाह अधिक होता है, नववर्ष एवं त्योहारों के अवसर पर आम लोगों की भीड़ जुटती है। ऐसे में किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकने के लिए संबंधित स्थल पर रेलिंग, कंक्रीट पिलर अथवा अन्य आवश्यक सुरक्षा उपायों की संभावनाओं का आकलन किया जाए। उन्होंने सुरक्षा संबंधी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया।

पर्यटन विकास एवं मत्स्य पालन से बढ़ेंगी संभावनाएं

उपायुक्त श्री शेखावत ने बटाने जलाशय को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने पर बल देते हुए कहा कि यहां कैफेटेरिया, बोटिंग तथा अन्य पर्यटक सुविधाएं विकसित करने की व्यापक संभावनाएं हैं। इन सुविधाओं के विकास से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ राजस्व अर्जन के अवसर भी सृजित किए जा सकते हैं। इसके लिए एक वृहद एवं सुव्यवस्थित कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।

उन्होंने जलाशय में मत्स्य पालन की संभावनाओं को बढ़ावा देने के लिए जिला मत्स्य पदाधिकारी को विशेष योजना तैयार करने हेतु अपने स्तर से निर्देशित करने की बात कही।

विस्थापितों के मुद्दों पर भी हुई चर्चा बैठक में बटाने जलाशय योजना से जुड़े विस्थापितों के विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग चर्चा की गई।डीसी ने संबंधित अभियंताओं एवं पदाधिकारियों से योजना की वर्तमान स्थिति तथा आवश्यक सुधारों के संबंध में जानकारी प्राप्त की।बैठक में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार,सहायक समाहर्ता ऋत्विक मेहता सहित बटाने जलाशय योजना से जुड़े विभिन्न अभियंता एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एचयूआरएल सिंदरी में 18 युवाओं को मिला प्रशिक्षण प्रमाणपत्र, 15 को नौकरी का ऑफर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



चार माह के कौशल विकास प्रशिक्षण का समापन, सभी प्रशिक्षुओं को मिला रोजगार का अवसर

सिंदरी/धनबाद। हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एच यू आर एल), सिंदरी के सौजन्य से सिपेट रांची द्वारा संचालित चार माह के निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शुक्रवार, 30 अक्टूबर को हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाणपत्र एवं ऑफर लेटर वितरित किए गए।

मशीन ऑपरेटर-प्लास्टिक प्रोसेसिंग ट्रेड में 1 जुलाई से 30 अक्टूबर 2026 तक चले इस प्रशिक्षण में दूसरे बैच के कुल 18 युवाओं ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया। सभी प्रशिक्षुओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए, जिनमें से 15 युवाओं ने नौकरी के ऑफर स्वीकार कर लिए हैं।

कार्यक्रम में एचयूआरएल सिंदरी के बिजनेस यूनिट हेड गौतम माजी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर सीखना, अनुशासन और मेहनत जरूरी है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। यह पहल स्थानीय युवाओं को तकनीकी रूप से कुशल बनाकर रोजगार से जोड़ने की दिशा में एचयूआरएल का महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे क्षेत्र के युवाओं को आत्मनिर्भर बनने और बेहतर भविष्य बनाने का अवसर मिल रहा है।

रिम्स में ब्रेन ट्यूमर का ऑपरेशन कर मस्तिष्क के महत्वपूर्ण हिस्से को सुरक्षित रखने में मिली सफलता



रांची। सफलता राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची के न्यूरोसर्जरी विभाग में 26 वर्षीय युवती पुष्पा कुमारी के दाहिने पार्श्विका भाग (राईट पैरिएंटल लोब) में स्थित ब्रेन ट्यूमर (ग्लायोमा) का सफल ऑपरेशन किया गया। यह मामला चिकित्सकीय दृष्टि से काफी चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि ट्यूमर मस्तिष्क के अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्से मोटर कॉर्टेक्स (मोटर कॉर्टेक्स) के बिल्कुल करीब स्थित था। मोटर कॉर्टेक्स शरीर के विभिन्न अंगों की गतिविधियों को नियंत्रित करता है।इस क्षेत्र को क्षति पहुंचने पर मरीज को हाथ-पैरों में कमजोरी या लकवा जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। इस जटिल ऑपरेशन में अत्याधुनिक ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप और सोडियम फ्लोरेसिन डाई तकनीक का उपयोग किया गया। इसकी सहायता से सर्जरी के दौरान ट्यूमर की पहचान और आसपास के महत्वपूर्ण मस्तिष्क ऊतकों को सुरक्षित रखने में मदद मिली। विशेष सावधानी और सटीक सर्जिकल तकनीक के माध्यम से मोटर कॉर्टेक्स जैसे महत्वपूर्ण हिस्से को सुरक्षित रखा गया।यह ऑपरेशन न्यूरोसर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. आनंद प्रकाश के नेतृत्व में किया गया। ऑपरेशन में न्यूरोसर्जरी टीम के डॉ. आनंद प्रकाश, डॉ. नयन एवं डॉ. कुमार दीपक शामिल थे। एनेस्थीसिया टीम में डॉ. मुकेश, डॉ. राजेश, डॉ. वशिष्ठ, डॉ. संजय और डॉ. अधिश्री ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।ऑपरेशन के दौरान नर्सिंग टीम सहित अन्य सहयोगी कर्मचारियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।वर्तमान में मरीज की स्थिति स्थिर है। वह चिकित्सकों की निगरानी में हैं और खतरे से बाहर हैं। मरीज अपनी सामान्य दैनिक गतिविधियां जारी रखने की स्थिति में हैं। यह उपलब्धि रिम्स के न्यूरोसर्जरी और एनेस्थीसिया विभाग की चिकित्सकीय दक्षता, आधुनिक तकनीक और सामूहिक प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण है।

तीन मौत के बाद जीवन ज्योति अस्पताल सील, दो डाक्टरों पर प्राथमिकी

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू



पलामू। पलामू के मेदिनीनगर के पांकी रोड में स्थित जीवन ज्योति नर्सिंग होम में चिकित्सकीय लापरवाही से दो प्रसूति और एक नवजात की मौत मामले में जिला प्रशासन ने सख्त एक्शन लिया है। घटना के एक सप्ताह के भीतर गुरुवार रात अस्पताल को सील कर दिया गया। वहीं शुक्रवार को गढवा के खरौंधी प्रखंड के अमरोरा की प्रसूता ज्योति कुमारी के पति अविनाश द्विवेदी ने शहर थाना में अस्पताल संचालक डा. प्रिया सिन्हा एवं राकेश कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। बताते चले कि एक प्रसूता की मौत गत शुक्रवार रात और जबकि दूसरे ने शनिवार सुबह दम तोड़ दिया था। एक नवजात की मौत भी शनिवार को हुई थी। घटना के बाद से अस्पताल के डॉक्टर और स्टाफ फरार चल रहे हैं। कार्रवाई टीम में प्रशिक्षु आईएएस ऋतिक मेहता, सदर एसडीओ संजय पांडे और लेस्लीगंज अंचल अधिकारी सह सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी शामिल थे। अस्पताल में प्रसव के बाद भर्ती पाटन की सुमन कुमारी और गढ़वा की ज्योति कुमारी की अत्यधिक रक्तस्राव और बिगड़ी तबीयत के कारण मौत हो गई थी। झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और उपायुक्त के निर्देश पर सिविल सर्जन डॉ. अनिल श्रीवास्तव के नेतृत्व में पांच सदस्यीय जांच टीम गठित की गई थी। जांच में अस्पताल के भीतर भारी लापरवाही और केवल एक एएनएम के भरोसे मरीजों को छोड़े जाने का मामला सामने आया था। लापरवाही की पुष्टि होने पर संयुक्त प्रशासनिक टीम ने जीवन ज्योति हॉस्पिटल पहुंचकर उसे पूरी तरह सील कर दिया। प्रशिक्षु आईएएस ऋतिक मेहता ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर गठित टीम की जांच में अस्पताल की लापरवाही और गड़बड़ियां सही पाई गईं, जिसके आधार पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। ज्योति के पति ने डाक्टर दंपति पर दर्ज कराया मुकदमा इस मामले में गढवा जिले के खरौंधी प्रखंड के अमरोरा की प्रसूता ज्योति कुमारी के पति अविनाश द्विवेदी ने शहर थाना में अस्पताल संचालक डा. प्रिया सिन्हा एवं उनके पति राकेश कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। अविनाश ने प्राथमिकी में कहा है कि उसकी पत्नी के प्रसव के समय बताया गया था कि अस्पताल में आइसीयू सहित अन्य आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। प्रसव के बाद जब उसकी पत्नी की हालत बिगड़ी तो कोई सुविधा नहीं मिली। ऐसे में उसकी मौत हो गयी। उसकी नवजात बच्ची को 24 घंटे तक देखने वाला कोई नहीं था। किसी तरह दूसरे अस्पताल में भर्ती कर उसकी जान बचायी गयी।

भारत की रक्षा कूटनीति ने पूरी दुनिया में छोड़ा प्रभाव



करण कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

राजनाथ सिंह की रक्षा कूटनीति ने अमेरिका के सामने भारत की सुरक्षा चिंताओं को जिस दृढ़ता और दोटूक अंदाज में रखा है, उसने पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने के मुद्दे पर वाशिंगटन को भी असहज स्थिति में ला खड़ा किया। एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए अमेरिकी सहायता पैकेज पर भारत की कड़ी आपत्ति और पाकिस्तान को दी जाने वाली संवेदनशील तकनीक के तीसरे देश तक पहुंचने की आशंका उठाकर राजनाथ सिंह ने स्पष्ट कर दिया कि भारत अब अपनी सुरक्षा के सवाल पर किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है।

आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों के खिलाफ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का सख्त संदेश इस बात का संकेत है कि भारत-अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी अपनी जगह है, लेकिन पाकिस्तान के मामले में भारत अपने हितों से समझौता नहीं करेगा। देखा जाये तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बार फिर साबित किया है कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन में भारत की रक्षा कूटनीति केवल बैठकों और औपचारिक बयानों तक सीमित नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों की स्पष्ट पैरवी करने, मित्र देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भारत की शर्तों को प्रभावी ढंग से सामने रखने का माध्यम भी है।

हम आपको बता दें कि फिलीपींस के सेबू में आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान राजनाथ सिंह ने अमेरिका के सामने पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए सहायता पैकेज देने का मुद्दा उठाया। इसके साथ ही जापान और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्रियों के साथ उनकी मुलाकातों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती रणनीतिक सक्रियता का एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। राजनाथ सिंह ने भारत का पक्ष इतनी स्पष्टता से रखा कि वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान को दी जाने वाली सैन्य सहायता के दुष्परिणामों पर जवाब देना और इस्लामाबाद का बचाव करना मुश्किल हो गया। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ बातचीत में राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के एफ-16 कार्यक्रम से जुड़े सहायता पैकेज पर भारत की गंभीर चिंता व्यक्त की। हम आपको बता दें कि



अमेरिका का 64.9 करोड़ डॉलर का यह पैकेज पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों की परिचालन क्षमता और रखरखाव को मजबूत करने से जुड़ा है। इसमें एवियोनिक्स सुधार, तकनीकी उपकरण, स्पेयर पार्ट्स, प्रशिक्षण, सिमुलेटर और लॉजिस्टिक सहायता जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं।

भारत की आपत्ति का मूल प्रश्न यही है कि पाकिस्तान को मिलने वाली ऐसी सैन्य सहायता का वास्तविक इस्तेमाल किस उद्देश्य से होगा और इसका दक्षिण एशिया की सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। भारत लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा उठाता रहा है। ऐसे में पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने वाले किसी भी कदम को नई दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा के व्यापक संदर्भ में देखती है।

राजनाथ सिंह ने अमेरिकी पक्ष को इस बात के लिए भी आगाह किया कि पाकिस्तान को दी जाने वाली संवेदनशील सैन्य तकनीक किसी तीसरे देश तक पहुंच सकती है। देखा जाये तो यह चिंता केवल भारत-पाकिस्तान संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी सुरक्षा, हथियारों के प्रसार और व्यापक क्षेत्रीय सामरिक संतुलन से भी जुड़ी है।

राजनाथ सिंह की कूटनीतिक पहल का महत्व इस बात में है कि भारत ने अपनी सुरक्षा संबंधी चिंताओं को सीधे अमेरिकी नेतृत्व के सामने स्पष्टता और दृढ़ता के साथ रखा है। भारत ने यह संदेश दिया है कि रणनीतिक साझेदारी अपनी जगह है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर वह चुप्पी नहीं साधेगा।

आतंकवाद पर दोहरा मापदंड नहीं चलेगा

राजनाथ सिंह ने अपने अमेरिकी समकक्ष के साथ बातचीत के दौरान आतंकवाद के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता की नीति पर जोर दिया। उनका संदेश स्पष्ट था कि आतंकवादी संगठनों को समर्थन, प्रशिक्षण या वित्तीय सहायता देने वाले देशों के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय का रवैया सुसंगत और कठोर होना चाहिए। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने भी सीमा पार आतंकवाद से मुकाबले में भारत के प्रति समर्थन दोहराया। यह भारत के लिए महत्वपूर्ण कूटनीतिक आधार है, क्योंकि आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग तभी प्रभावी हो सकता है जब सुरक्षा संबंधी चिंताओं को केवल बयानों में नहीं, बल्कि व्यावहारिक नीतियों में भी जगह मिले।

इसके अलावा, भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी के दस वर्षीय ढांचे की समीक्षा, सैन्य आदान-प्रदान, समुद्री सुरक्षा और रक्षा आपूर्ति श्रृंखलाओं पर चर्चा से यह भी स्पष्ट होता है कि दोनों देश अपने सहयोग को व्यापक रणनीतिक दिशा देना चाहते हैं। भारत का प्रयास है कि अमेरिका के साथ साझेदारी मजबूत बनी रहे, लेकिन उसके साथ ही पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने जैसे मुद्दों पर भारतीय चिंताओं को नजरअंदाज न किया जाए।

जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ 'जेएआई': हिंद-प्रशांत में रणनीतिक संदेश

साथ ही राजनाथ सिंह की कूटनीति का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ उनकी बातचीत है। जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ चर्चा में समुद्री सुरक्षा, नौसैनिक जहाज निर्माण, डिजाइन और माइन काउंटरमेजर्स क्षमताओं में सहयोग जैसे मुद्दे शामिल रहे। जापान की तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की विनिर्माण क्षमता को जोड़ने की संभावनाएं रक्षा औद्योगिक सहयोग को नई दिशा दे सकती हैं।

जापान के साथ वायुसेना सहयोग बढ़ाने और रक्षा उद्योग से जुड़ी कंपनियों के बीच संपर्क मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। यह सहयोग केवल सैन्य अभ्यासों तक सीमित नहीं है; इसका उद्देश्य दीर्घकाल में रक्षा क्षमताओं, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करना भी है। ऑस्ट्रेलिया के उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स के साथ बैठक में दोनों देशों ने रक्षा सहयोग की समीक्षा की और आपसी समन्वय बढ़ाने पर चर्चा की। राजनाथ सिंह ने उन्हें फरवरी 2027 में बेंगलुरु में प्रस्तावित एयरो इंडिया में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया।

इसी बीच राजनाथ सिंह की जापानी और ऑस्ट्रेलियाई समकक्षों के साथ तस्वीर तथा उनका संदेश, 'JAI: Japan, Australia, India', विशेष राजनीतिक और रणनीतिक महत्व रखता है। यह तीनों देशों के बीच सहयोग, विश्वास और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा हितों का प्रतीक है। एक स्वतंत्र, खुला और सुरक्षित हिंद-प्रशांत भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया की साझेदारी का प्रमुख आधार बना हुआ है।

आज का राशिफल



स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे मन में उत्साह रहेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में थोड़ा सरल व समझौतावादी बने रहने का प्रयास करें। सोच समझकर कोई निर्णय लें, तो ही बेहतर होगा। जल्दबाजी में उठाए गए कदम नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोई भी नया काम शुरू न करें। परिवार के साथ धर्म ध्यान में समय बिताएं। मित्रों से मुलाकात अच्छी रहेगी।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम के बावजूद सफलता कम मिलेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवारिक समस्याएं परेशान करेंगी। ऐसी स्थिति में पूर्ण विवेक से काम लेना होगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी बात को लेकर बहस होने के आसार रहेंगे, जिससे मानकि परेशानी बढ़ेगी। सेहत अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ के योग रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता के लिए प्रयत्नशील होगा। कठिन परिश्रम से रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में सफल रहेंगे। कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। पुराना अटका धन भी मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताएं, मानसिक सुख और शांति मिलेगी। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में अड़चनें आएंगी और कार्यों में सफलता कम मिलेगी। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं या निवेश की योजना बना रहे हैं, तो उसे टालें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। धर्म ध्यान और परिवार के साथ समय बिताएं, सेहत का ख्याल रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। किसी कार्य को सिद्ध करने के लिए आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। कारोबार में आर्थिक लाभ तो रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। मन में किसी प्रकार की शंका न पालें, गलतियों को स्वीकार कर सगे-संबंधियों के बीच अपने रिश्तों को सुधारें। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात होने पर खुशी मिलेगी।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। नकारात्मक विचारों को त्याग अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करें। भविष्य को लेकर योजनाएं बना सकते हैं। नये काम की शुरूआत कर रहे हैं, तो दूसरी को सलाह न लें। अपनों से धोखा मिल सकता है। रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ मिलने के योग रहेंगे। परिश्रम से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी और सृजनात्मक विचारों का भरपूर लाभ उठाएंगे। स्वाभिमानी स्वभाव लोकप्रियता दिलाने में सहायक होगा। बेरोजगार को रोजगार के अवसर और नौकरी में तरक्की मिलने के आसार रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। सेहत का ख्याल रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। कारोबार विस्तार की योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम से अपने काम को नई पहचान दिलाएंगे। व्यवसाय में नये निवेश का अवसर मिलेगा। करीबियों से पुराने गिले-शिकवे दूर होंगे। पुरानी बातें भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें, छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव की स्थिति पैदा न होने दें। परिवार के साथ समय बिताएंगे। सेहत का ख्याल रखें।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। हालांकि, कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिस्थितियों के हिसाब से अपने आप को ढालने की कोशिश करें। परिवार के साथ समय बिताएंगे तो संबंध भी मधुर होंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। यात्रा को टालें। सेहत अच्छी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकते हैं। कोर्ट में कोई पुराना लंबित मामला चल रहा है तो वह सुलझ सकता है। अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार में कलह हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें और क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलने के आसार हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा और उन्हें परिश्रम के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। कारोबार मध्यम रहेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर में माहौल अच्छा रहेगा। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मीन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपनी बुद्धिमत्ता से समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे और उत्साह पूर्वक नई योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे। रोजगार और व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। कारोबार में नए निवेश के अवसर खुलेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

भ्रष्टाचार की कड़ियां

जब नियम-कायदों को ताक पर रख कर सत्ता और तंत्र की जिम्मेदारियों को दरकिनार करने की कोशिश की जाती है, तो उसके पीछे एक वजह भ्रष्ट तौर-तरीके से किसी को लाभ पहुंचाना होता है। मगर ऐसी कारगुजारियों का खमियाजा आखिरकार आम जनता को उठाना पड़ता है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री की उपसचिव सौम्या चौरसिया की गिरफ्तारी से एक बार फिर यह बहस छिड़ गई है कि नौकरशाही में काम करते हुए कोई अधिकारी कैसे सत्ता का केंद्र बन जाता है और अपने कामकाज से लेकर अन्य मामलों में उसे मनमानी करने में कोई हिचक नहीं होती। ऐसा शायद इसलिए होता है कि आमतौर पर ऐसे अधिकारियों को सत्ता का प्रत्यक्ष या परोक्ष संरक्षण प्राप्त होता है, जिसके चलते वे अपनी मंशा को बिना किसी हिचक के पूरी कर पाते हैं। विडंबना यह है कि जिन नेताओं को जनता इस उम्मीद से सत्ता में भेजती है कि वे अपने पद का उपयोग आम लोगों के हित और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं पर काबू पाने में करेंगे, वही भ्रष्टाचारियों का बचाव करने की कोशिश करते दिखने लगते हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार में उप सचिव सौम्या चौरसिया को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने कथित अवैध वसूली और जमीन से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया है। सवाल है कि इतने उच्च स्तर की किसी अधिकारी को अवैध वसूली या भ्रष्टाचार के अन्य मामलों में मनमानी करने की छूट कैसे मिल जाती है। ऐसी सुविधा उसे कौन मुहैया कराता है! हालांकि इस मामले में जांच प्रक्रिया पूरी और आरोप साबित होने के बाद ही उनकी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी, लेकिन फिलहाल उपसचिव की गिरफ्तारी के जो आधार बताए गए हैं, वे निश्चित रूप से भारत में पहले से मौजूद भ्रष्टाचार की व्यापक समस्या की तहों में हर जगह मौजूद रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक जांच एजंसियां सक्रिय होकर जांच नहीं करतीं, तब तक ऐसे अपराध बेरोकटोक चलते रहते हैं। खासकर नौकरशाही में कुछ लोग राजनीतिक शह की वजह से बेरोकटोक भ्रष्टाचार से कमाई करते रहते हैं। छत्तीसगढ़ में ईडी की कानूनी कार्रवाई की जद में आई सौम्या चौरसिया के पद-कद का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्हें राज्य में न केवल सबसे ताकतवर अफसर माना जाता था, बल्कि आम धारणा थी कि वे मुख्यमंत्री की बहुत करीबी हैं। अफसोस की बात यह है कि कई मसलों पर सख्त मुख्यमंत्री माने जाने वाले भूपेश बघेल को वक्त पर भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई सख्त कदम उठाना जरूरी नहीं लगा।

हालांकि ऐसा नहीं है कि नौकरशाही में ऊंचे पद पर मौजूद किसी व्यक्ति पर भ्रष्टाचार के आरोपों का यह कोई पहला मामला हो। कुछ समय पहले झारखंड में भी खान सचिव पूजा सिंघल को राज्य के खूंटी जिले में उनके उपायुक्त रहते राष्ट्रीय रोजगार गारंटी से संबंधित काम यानी मनरेगा के तहत किए गए करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार के मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। भ्रष्टाचार के ऐसे मामले कड़ियों में एक-दूसरे से जुड़े होते हैं, जिसमें भ्रष्ट नौकरशाहों से लेकर नेताओं, जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों तक के तार जुड़े हो सकते हैं। मगर भ्रष्टाचार के खिलाफ बिगुल फूंकने का दावा करने वाले अमूमन सभी राजनीतिक दल भी सत्ता में पहुंचने के बाद या तो उसमें शामिल हो जाते हैं या फिर उसे संरक्षण देने लगते हैं। इसी वजह से भारतीय राजनीति में सबसे मुख्य समस्या के रूप में चिह्नित किए जाने के बावजूद भ्रष्टाचार दीमक की तरह सब कुछ खाता रहता है।

मॉक पार्लियामेंट या जन महाभियोग को लेकर क्या कहता है भारत का संविधान?

हम आपको बता दें कि संविधान का अनुच्छेद 85 स्पष्ट करता है कि संसद के सत्र बुलाने का अधिकार राष्ट्रपति के पास है। वहीं अनुच्छेद 174 के तहत राज्य विधानमंडल का सत्र बुलाने का अधिकार राज्यपाल को दिया गया है। संसद में हंगामा और संसद के बाहर ड्रामा। यह लाइन आज के विपक्ष पर खूब फिट बैठती है। एक ओर संसद की कार्यवाही को लगातार बाधित किया जाता है दूसरी ओर किसी नेता के घर पर संसद की कार्यवाही का मंचन कर सुर्खियां हासिल करने की कोशिश की जाती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अभियान को 'जन महाभियोग' का नाम दे रहे विपक्षी दलों ने जिस मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया है उस पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। यहां सवाल यह भी उठता है कि बात-बात पर संविधान की पुस्तक दिखाने वाले राहुल गांधी ने क्या संविधान को पढ़ा ही नहीं है? दरअसल भारतीय संविधान में किसी राजनीतिक दल, विपक्षी गठबंधन या संगठन को संसद अथवा विधानसभा का मॉक सत्र आयोजित कर उसे संवैधानिक कार्यवाही का स्वरूप देने या अपनी ओर से जन महाभियोग चलाने का कोई अधिकार नहीं दिया गया है। संविधान ने संसद और विधानसभाओं के गठन, सत्र संचालन तथा महाभियोग जैसी प्रक्रियाओं के लिए स्पष्ट प्रावधान निर्धारित किए हैं। इसलिए इन संवैधानिक व्यवस्थाओं के समानांतर राजनीतिक मंच खड़ा करना और उसे संसदीय या महाभियोग की कार्यवाही के रूप में प्रस्तुत करना संवैधानिक मयार्दाओं और निर्धारित संस्थागत प्रक्रियाओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।



संविधान में समानांतर संसद की कोई व्यवस्था नहीं

हम आपको बता दें कि संविधान का अनुच्छेद 85 स्पष्ट करता है कि संसद के सत्र बुलाने का अधिकार राष्ट्रपति के पास है। वहीं अनुच्छेद 174 के तहत राज्य विधानमंडल का सत्र बुलाने का अधिकार राज्यपाल को दिया गया है। अनुच्छेद 118 संसद के दोनों सदनों को अपनी कार्यवाही संचालित करने के लिए नियम बनाने का अधिकार देता है। इसका मतलब बिल्कुल स्पष्ट है कि संसद की बैठक, कार्यवाही, अध्यक्षता और विधायी निर्णय किसी राजनीतिक संगठन की मनमर्जी से नहीं चल सकते।

साथ ही अनुच्छेद 105 के तहत संसद के सदस्यों को प्राप्त विशेषाधिकार भी इसी संवैधानिक संस्था और उसकी कार्यवाही से संबंधित हैं। किसी निजी आयोजन में शामिल होने वाले राजनीतिक नेताओं को इन विशेषाधिकारों का लाभ नहीं मिलता। इसलिए किसी आयोजन को संसद की कार्यवाही के रूप में प्रस्तुत करना संवैधानिक अधिकारों और वास्तविक राजनीतिक गतिविधि के बीच की सीमा को धुंधला करता है। उल्लेखनीय है कि 20 अगस्त 2010 को लोकसभा में हंगामे के बाद लगभग 70 सांसदों ने सदन के भीतर ही मॉक पार्लियामेंट आयोजित कर दी थी। इस घटना पर तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने नाराजगी जताई थी। 25 अगस्त 2010 को हुई सर्वदलीय बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने इस घटना पर खेद जताया था। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि संसद जैसी संवैधानिक संस्था की कार्यवाही का राजनीतिक प्रदर्शन स्वयं संसदीय व्यवस्था के भीतर भी गंभीर आपत्ति का विषय बना था।

साथ ही जन महाभियोग संविधान की निर्धारित प्रक्रिया का विकल्प नहीं है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ जन महाभियोग आयोजित करने का विचार इससे भी अधिक गंभीर संवैधानिक प्रश्न खड़ा करता है। संविधान के अनुच्छेद 324(5) के अनुसार मुख्य निर्वाचन आयुक्त को उसी तरीके और उन्हीं आधारों पर हटाया जा सकता है, जिन आधारों पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है। इसके लिए अनुच्छेद 124(4) में निर्धारित प्रक्रिया लागू होती है। हम आपको बता दें कि न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत लोकसभा में कम से कम 100 या राज्यसभा में कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर से प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा सकता है। प्रस्ताव स्वीकार होने पर जांच समिति गठित होती है। आरोपों की जांच के बाद दोनों सदनों में निर्धारित विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित होना आवश्यक है। उसके बाद राष्ट्रपति द्वारा हटाने का आदेश जारी किया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में जनता की किसी प्रतीकात्मक संसद, राजनीतिक गठबंधन या पूर्व लोकसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता वाली निजी सभा के लिए कोई स्थान निर्धारित नहीं है।

इसलिए किसी राजनीतिक आयोजन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ आरोपों की सुनवाई करना, प्रतीकात्मक प्रस्ताव पारित करना या जन महाभियोग की घोषणा करना वास्तविक संवैधानिक महाभियोग नहीं हो सकता। ऐसे आयोजन से किसी संवैधानिक पदाधिकारी की स्थिति पर कोई कानूनी प्रभाव नहीं पड़ता। साथ ही यदि मॉक पार्लियामेंट का नाम बदलकर जन संसद अथवा जन महाभियोग कर दिया जाए तो इससे उसकी संवैधानिक स्थिति नहीं बदल जाती। किसी आयोजन की वैधता उसके नाम से नहीं, बल्कि उसकी वास्तविक गतिविधियों से निर्धारित होती है। कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों को समझना चाहिए कि संविधान शांतिपूर्ण विरोध और राजनीतिक अभिव्यक्ति का अधिकार देता है। लेकिन इन अधिकारों के आधार पर किसी को संसद की वैधानिक शक्तियां अथवा महाभियोग की संवैधानिक प्रक्रिया अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं मिलता। इसलिए मॉक पार्लियामेंट को वास्तविक संसदीय सत्र और जन महाभियोग को वास्तविक संवैधानिक महाभियोग के रूप में पेश करना कानूनी रूप से निराधार है।

स्वच्छ ऊर्जा की ओर अग्रसर

जब पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ते तापमान, बदलते मौसम और ऊर्जा असुरक्षा के दोहरे संकट से जूझ रही है, तब भारत ने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन का एक ऐसा रास्ता चुना है, जो आने वाले दशकों में उसकी आर्थिक और रणनीतिक ताकत की बुनियाद बन सकता है। पिछले 12 वर्षों में देश का ऊर्जा परिदृश्य जिस तेजी से बदला है, वह सिर्फ बिजली उत्पादन के आंकड़ों में बढ़ोतरी की कहानी नहीं है। यह आत्मनिर्भरता का एक नया सोपान है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने एक साथ कई मोर्चों पर ऊर्जा परिवर्तन की शुरूआत की है। सौर और पवन ऊर्जा का तेज विस्तार, रूफटाप सोलर, पीएम-कुसुम, पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना, बड़े सोलर पार्क, आफशोर विंड प्रोजेक्ट, बैटरी स्टोरेज और ग्रीन हाइड्रोजन- ये सभी एक ऐसी व्यापक ऊर्जा रणनीति का हिस्सा हैं, जिसका लक्ष्य केवल कार्बन उत्सर्जन घटाना नहीं, बल्कि भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है।

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 300 गीगावाट का आंकड़ा पार कर चुकी है। सौर और पवन ऊर्जा इसके सबसे बड़े आधार हैं और कुल स्थापित बिजली क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। भारत को अंदाजा है कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल देश में बिजली की मांग में और तेज वृद्धि होना तय है।

हालांकि भारत की ऊर्जा नीति केवल नवीकरणीय ऊर्जा पर निर्भर रहने की नीति नहीं है। देश को 24 घंटे भरोसेमंद बिजली की जरूरत है। यहां आकर थर्मल पावर और परमाणु ऊर्जा का पलड़ा थोड़ा भारी हो जाता है, लेकिन भारत की रणनीति पारंपरिक और नवीकरणीय ऊर्जा को एक-दूसरे के विकल्प के रूप में देखने के बजाय एक संतुलित ऊर्जा मिश्रण तैयार करने की है। कोयला और परमाणु ऊर्जा से स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, दूसरी तरफ सौर और पवन ऊर्जा का विस्तार तेजी से किया जा रहा है।

यह दृष्टिकोण भारत के ऊर्जा परिवर्तन को व्यावहारिक बनाता है। क्योंकि केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। चुनौती यह भी है कि जब सूरज नहीं निकले या हवा की गति कम हो, तब भी घरों, अस्पतालों, उद्योगों, रेलवे, परिवहन और तेजी से बढ़ते डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को बिजली मिलती रहे। इसी वजह से बैटरी एनर्जी स्टोरेज, पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज, स्मार्ट ग्रिड और डिजिटल ऊर्जा प्रबंधन जैसी तकनीकों पर जोर बढ़ रहा है।

सोलर पंप किसानों को सिंचाई के लिए दिन के समय भरोसेमंद बिजली उपलब्ध कराने के साथ डीजल पर निर्भरता घटाते हैं। वहीं अनुपयोगी या कम उपयोग वाली जमीन पर सोलर प्लांट लगाने वाले किसान अतिरिक्त बिजली ग्रिड को बेचकर आय का नया स्रोत तैयार कर सकते हैं। ऊर्जा परिवर्तन किसाना को ह्यऊजार्दाताह्न बनने का भी अवसर दे रहा है। यह बदलाव सिर्फ कृषि तक सीमित नहीं है। शहरों में रूफटाप सोलर ने मध्यवर्गीय परिवारों के लिए बिजली की लागत कम करने का रास्ता खोला है। पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के जरिए घरों की छतों को छोटे ऊर्जा केंद्रों में बदलने की दिशा में काम हो रहा है। भारत के सामने बड़ा सवाल केवल यह नहीं है कि कितनी सौर या पवन ऊर्जा पैदा की जा सकती है।



बिहार में चक्रवाती तूफान 'अर्नब' का तांडव: कई जिलों में भारी बारिश और वज्रपात को लेकर रेड व ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी

पटना। बिहार में चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज भी जिलों में तेज हवा के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान गरज-चमक, वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के कारण बिहार में बारिश और तेज हवा के कारण अब ठंड लगने लगी है। कई जिलों में बादल छाए रहने के साथ गरज-चमक और बारिश की संभावना है। पटना समेत कई जिलों सुबह से ही रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले 24 घंटे तक उत्तर बिहार के कुछ जिलों में मौसम ज्यादा खराब रह सकता है। सीतामढ़ी और मधुबनी में रेड वार्निंग जारी की गई



है। वहीं, पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर और दरभंगा में ऑरेंज अलर्ट है। इसके अलावा पटना, मुजफ्फरपुर, वैशाली, समस्तीपुर, सारण, सिवान, गोपालगंज, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, अररिया और किशनगंज समेत कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम के इस बदलाव के दौरान कुछ जगहों पर भारी बारिश और वज्रपात की आशंका है। हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। पटना समेत किन जिलों में किस तरह का अलर्ट मौसम विभाग के अनुसार, सीतामढ़ी और मधुबनी में रेड वार्निंग जारी की गई है। इन जिलों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश और वज्रपात की आशंका है। मौसम के गंभीर प्रभाव को देखते हुए लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर और दरभंगा में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में गरज-चमक, बारिश और तेज हवा चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग ने पटना समेत कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। इनमें गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, समस्तीपुर, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, बक्सर, भोजपुर, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, बेगूसराय, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया और नवादा शामिल हैं। इन जिलों में कुछ स्थानों पर गरज-चमक, वज्रपात और बारिश की आशंका है। लोगों को खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। पटना में अगले पांच दिनों तक कैसा रहेगा मौसम? मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के पूवार्नुमान के अनुसार, राजधानी में 30 अक्टूबर को आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इस दिन अधिकतम तापमान 23 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 31 अक्तूबर को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। अधिकतम तापमान 27 और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। एक नवंबर को भी बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने के आसार हैं। अधिकतम तापमान 28 और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। दो नवंबर को आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। अधिकतम तापमान 29 और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। तीन नवंबर को आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। इस दिन अधिकतम तापमान 30 और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम खराब होने पर क्या सावधानी बरतें? बारिश, तेज हवा और वज्रपात की आशंका को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। गरज-चमक के दौरान खुले मैदान में जाने से बचें। पेड़ों, बिजली के खंभों और कमजोर संरचनाओं के नीचे शरण न लें। किसानों को भी खराब मौसम के दौरान खेतों में काम करने से बचने और मौसम की चेतावनियों पर ध्यान देने की सलाह दी जाती है।

सम्राट सरकार ने 37 इंस्पेक्टर को डीएसपी रैंक में दे दी प्रोन्नति

एजेंसी

पटना। दिवाली से पहले सीएम सम्राट चौधरी की सरकार ने बिहार पुलिस ने इंस्पेक्टर रैंक के पदाधिकारियों को बड़ा तोहफा दिया है। इस माह दूसरी बार गृह विभाग ने प्रोन्नति के लिए अधिसूचना जारी की है। लिस्ट में पटना, गया, मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों के इंस्पेक्टर शामिल हैं। बिहार सरकार ने पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फैसला लेते हुए 37 पुलिस निरीक्षकों (इंस्पेक्टर) को पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद पर प्रोन्नति दी गई है। गृह विभाग (आरक्षी शाखा) की ओर से गुरुवार देर रात इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई। इन अधिकारियों को पुलिस उपाधीक्षक (मूल कोटि) के वेतनमान, वेतन स्तर-9 के साथ कार्यकारी प्रभार दिया गया है। इस वेतनमान का लाभ प्रभार ग्रहण करने की तारीख से देय होगा। यह व्यवस्था अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। सामान्य प्रशासन विभाग की 13 अक्टूबर 2023 की अधिसूचना और 11 जून 2026 के आदेश में निहित शर्तों के अधीन यह निर्णय लिया गया है। संबंधित पुलिस निरीक्षक वर्तमान में जिस पद पर कार्यरत हैं, उस पद पर अगले आदेश तक बने रहेंगे। पटना, गया, मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों के अधिकारी शामिल अधिसूचना के अनुसार, प्रोन्नति पाने वालों में पटना, बांका, मधुबनी, भागलपुर, नालंदा, सुपौल, सारण, वैशाली, औरंगाबाद, बक्सर, जहानाबाद, पश्चिम चंपारण, रोहतास, सीवान, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, अररिया, गया, मोतिहारी और अन्य जिलों से जुड़े पुलिस अधिकारी शामिल हैं। गृह विभाग ने अधिसूचना की प्रतिलिपि संबंधित विभागों और अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी है। डीएसपी रैंक पर प्रोन्नति पाने वालों में किनका नाम शामिल? डीएसपी रैंक पर प्रोन्नति पाने वालों में राकेश कुमार यादव, सुधीर कुमार, ब्रह्मदेव प्रसाद आलोक, मो. मकसूद आलम अशरफी, अरुण कुमार सिंह, मो. जनीफ उद्दीन, सुनील कुमार सिंह, नागेंद्र पासवान, जहांगीर अंसारी, ललित विजय तिवारी, हरि ओझा, योगेश चंद्रा, धर्मेंद्र कुमार सिंह, शुभंकर, शशिकांत सिन्हा, राजेश शरण, एसडी अरशद नोमान, शिव नारायण मंडल, विजय कुमार, हीरालाल प्रसाद, दिनेश पासवान, गोल्डेन कुमार, टुनटुन पासवान, रामस्वार्थ

अपराध स्वीकार करने वाले ट्रांसपोर्टर को 16 महीने से अधिक की सजा

एजेंसी

पटना। बिहार के बहुचर्चित अलकतरा घोटाले से जुड़े मामले में पटना की सीबीआई विशेष अदालत ने ट्रांसपोर्टर दूधेश्वर नाथ सिंह उर्फ डीएन सिंह को एक वर्ष, चार माह और 18 दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 29 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया, जिसे उसने जमा करा दिया। पटना में बिहार के बहुचर्चित अलकतरा घोटाले से जुड़े एक मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने अपराध स्वीकार करने वाले ट्रांसपोर्टर दूधेश्वर नाथ सिंह उर्फ डीएन सिंह को एक वर्ष, चार माह और 18 दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने उस पर 29 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। दोषी ट्रांसपोर्टर ने जुमार्ने की पूरी राशि अदालत में जमा करा दी, जिसके बाद उसके खिलाफ चल रहे मुकदमे का निष्पादन कर दिया गया। इस मामले में तत्कालीन पथ निर्माण मंत्री मोहम्मद इलियास हुसैन और तत्कालीन निदेशक केदार पासवान के



खिलाफ अदालत में अंतिम बहस जारी है। अपराध स्वीकार करने पर अदालत ने सुनाई सजा पटना स्थित सीबीआई की विशेष अदालत संख्या-दो के न्यायाधीश मोहम्मद रुस्तम ने ट्रांसपोर्टर दूधेश्वर नाथ सिंह की ओर से दाखिल दोष स्वीकारोक्ति आवेदन पर सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। अदालत ने आरोपी का बयान दर्ज करने के बाद उसे भारतीय दंड विधान की धारा 420, 467, 468, 471 और 120बी के तहत दोषी ठहराया। अदालत ने ट्रांसपोर्टर की ओर से पहले जेल में बिताई गई अवधि को उसकी कारावास की सजा में समायोजित करने का आदेश दिया। इसके अलावा दोषी दूधेश्वर नाथ सिंह ने 29 लाख रुपये की जुमार्ना राशि अदालत में जमा करा दी। इसके बाद अदालत ने उसके खिलाफ चल रहे मुकदमे को विधिवत निष्पादित कर दिया। पूर्व मंत्री और तत्कालीन निदेशक के खिलाफ अंतिम बहस इसी मामले में नामजद अन्य प्रमुख आरोपियों में तत्कालीन पथ निर्माण मंत्री मोहम्मद इलियास हुसैन और तत्कालीन निदेशक (परचेज एंड ट्रांसपोर्ट) केदार पासवान शामिल हैं। इन दोनों के खिलाफ अदालत में अंतिम बहस की प्रक्रिया जारी है। मामले के विशेष लोक अभियोजक राकेश दुबे ने बताया कि वर्ष 1994 में एक आपराधिक षड्यंत्र के तहत बरौनी रिफाइनरी से 494.68 मीट्रिक टन अलकतरा जमुई पथ निर्माण प्रमंडल भेजने के लिए उठाया गया था। इस अलकतरे की कीमत करीब 28.43 लाख रुपये थी, लेकिन इसे बीच रास्ते से ही गायब कर दिया गया। इस मामले में मूल रूप से वर्ष 1996 में बरौनी थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बाद में पटना हाईकोर्ट के आदेश पर वर्ष 1997 में सीबीआई ने इसकी जांच अपने हाथ में ले ली। गहन जांच के बाद सीबीआई ने छह आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था। आरोपियों में तिरुपति ट्रांसपोर्ट के मालिक दूधेश्वर नाथ सिंह उर्फ डीएन सिंह, तत्कालीन पथ निर्माण मंत्री मोहम्मद इलियास हुसैन, तत्कालीन निदेशक केदार पासवान के अलावा डीएन बैठा, मुजतबा अहमद और मदन मोहन प्रसाद शामिल थे। मामले की सुनवाई के दौरान छह आरोपियों में से तीन का निधन हो चुका है।

वैश्विक सूची में नौवां स्थान; भारत और एशिया का इकलौता संग्रहालय

एजेंसी

पटना। बिहार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। पटना स्थित बिहार म्यूजियम को वर्ष 2026 के दुनिया के 100 सर्वश्रेष्ठ संग्रहालयों की सूची में नौवां स्थान मिला है। ह्वर्थ अ जर्नील्ह की ओर से जारी इस सूची में जगह बनाने वाला यह भारत का एकमात्र संग्रहालय है।बिहार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। राजधानी पटना स्थित बिहार म्यूजियम को वर्ष 2026 के दुनिया के 100 सर्वश्रेष्ठ संग्रहालयों की सूची में नौवां स्थान दिया गया है। यात्रा संबंधी जानकारी देने वाली संस्था ह्वर्थ अ जर्नील्ह की ओर से जारी इस वैश्विक सूची में जगह बनाने वाला बिहार म्यूजियम भारत का एकमात्र संग्रहालय है। इतना ही नहीं, दुनिया के शीर्ष 10 संग्रहालयों में शामिल होने वाला यह एशिया का भी इकलौता संग्रहालय है। इस उपलब्धि से बिहार की सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन की संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। दुनिया के दिग्गज संग्रहालयों के बीच बिहार म्यूजियम ह्वर्थ अ जर्नील्ह की ओर से जारी सूची में मेक्सिको सिटी स्थित राष्ट्रीय मानवशास्त्र संग्रहालय को पहला स्थान मिला है। स्पेन की राजधानी मैड्रिड का प्राडो संग्रहालय दूसरे स्थान पर है। वहीं, डेनमार्क का लुइसियाना आधुनिक कला संग्रहालय, रूस के सेंट पीटर्सबर्ग स्थित स्टेट हर्मिटेज संग्रहालय और ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना का कुन्स्टहिस्टोरिस्चेस संग्रहालय शीर्ष पांच में शामिल हैं। दुनिया के प्रतिष्ठित संग्रहालयों के बीच बिहार म्यूजियम का नौवां स्थान हासिल करना राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि है। इवहीं, एशिया से शीर्ष 10 में जगह बनाने वाला भी यह एकमात्र संग्रहालय है।पटना के बेली रोड पर स्थित बिहार म्यूजियम का उद्घाटन वर्ष 2015 में हुआ था। इसकी स्थापना का उद्देश्य बिहार के समृद्ध इतिहास, कला और पुरातात्विक धरोहरों को आधुनिक तरीके से लोगों के सामने प्रस्तुत करना है। संग्रहालय की इमारत का डिजाइन जापान के प्रसिद्ध वास्तुकार फुमिहिको माकी ने मुंबई की ओपोलिस आर्किटेक्ट्स के साथ मिलकर तैयार किया था। आधुनिक वास्तुकला और ऐतिहासिक विरासत का मेल इस संग्रहालय को खास पहचान देता है। मौर्य, मुगल और सूर वंश की विरासत का संग्रह बिहार म्यूजियम में प्राचीन भारत से लेकर वर्ष 1764 तक के इतिहास से जुड़ी कलाकृतियां, मूर्तियां, सिक्के, पांडुलिपियां और लोककला का संग्रह मौजूद है। यहां की दीघाओं को अलग-अलग ऐतिहासिक कालखंडों के अनुसार व्यवस्थित किया गया है। इनमें मौर्य, मुगल और सूर वंश से जुड़ी ऐतिहासिक विरासत भी देखने को मिलती है।यहां आने वाले लोगों को प्राचीन कला, संस्कृति और ऐतिहासिक घटनाओं को करीब से समझने का अवसर मिलता है। मौर्यकालीन दीदारगंज यक्षी की प्रतिमा खास आकर्षण बिहार म्यूजियम की सबसे चर्चित कलाकृतियों में मौर्यकालीन दीदारगंज यक्षी की प्रतिमा शामिल है। वर्ष 1917 में पटना के पास मिली यह प्रतिमा प्राचीन भारतीय मूर्तिकला की प्रसिद्ध कृतियों में गिनी जाती है।

आईएएस संतोष मल्ल से ईडी ने आठ घंटे की पूछताछ, दो अन्य अधिकारी भी जांच के दायरे में

एजेंसी

पटना। बिहार के चर्चित टेंडर घोटाले और धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आईएएस अधिकारी संतोष कुमार मल्ल से करीब आठ घंटे पूछताछ की। उनसे ठेकेदार रिशु श्री से संबंधों, आम की डिलीवरी, दिल्ली में मुलाकात और सात प्रतिशत कमीशन के आरोपों पर सवाल किए गए। बिहार में सरकारी टेंडरों में कथित अनियमितता और धन शोधन से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच तेज हो गई है। ठेकेदार रिशु श्री से जुड़े टेंडर घोटाले में एजेंसी ने गुरुवार को आईएएस अधिकारी संतोष कुमार मल्ल से करीब आठ घंटे तक पूछताछ की। इस दौरान उनसे ठेकेदार से संबंधों, आम की डिलीवरी, दिल्ली में रहने वाले एक युवक से मुलाकात और सात प्रतिशत कमीशन के आरोपों को लेकर सवाल किए गए। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आईएएस अधिकारी कई महत्वपूर्ण सवालों पर स्पष्ट जवाब देने से बचते नजर आए। वहीं, मामले में दो अन्य अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में बताई जा रही है। आम की डिलीवरी और सात प्रतिशत कमीशन पर पूछे सवाल ईडी की जांच टीम ने संतोष कुमार मल्ल से पूछा कि वह रिशु श्री से आम क्यों मांग रहे थे और उसकी डिलीवरी दिल्ली में ही क्यों करानी थी? इसके अलावा,



दिल्ली में उनसे मिलने आए युवक की पहचान और दोनों के बीच सात प्रतिशत कमीशन को लेकर भी सवाल किए गए। एजेंसी यह जानने की कोशिश कर रही है कि ठेकेदार और अधिकारियों के बीच किस तरह का लेनदेन और संपर्क था। आईएएस अधिकारियों से पूछताछ का सिलसिला जारी सरकारी टेंडरों में कथित अनियमितता और अधिकारियों व ठेकेदार के बीच गठजोड़ की जांच के तहत ईडी लगातार आईएएस अधिकारियों से पूछताछ कर रही है। इससे पहले बुधवार को बीएमएसआईसीएल के तत्कालीन प्रबंध निदेशक आईएएस धर्मेंद्र कुमार पटना स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे थे। उनसे करीब छह घंटे तक सवाल-जवाब किए गए। अधिकारियों ने धर्मेंद्र कुमार से रिशु श्री के साथ उनकी नजदीकी और ठेकेदार की ओर से कराई गई विदेश यात्राओं के बारे में जानकारी मांगी।

पटना में सडक पर उतरे अभाविप के कार्यकर्ता, 'लोकतंत्र बचाने और अराजकता रोकने की अपील

एजेंसी

पटना। पटना में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के कार्यकर्ता लोकतंत्र बचाओ-अराजकता रोको के नारे के साथ सड़क पर उतर गए हैं। संगठन की ओर से गांधी मैदान से इनकम टैक्स चौराहे तक विशाल जनसभा और विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। अभाविप ने लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा का संदेश देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया है। पटना में शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) का विशाल विरोध प्रदर्शन जारी है। 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता रोको' के आह्वान पर परिषद के कार्यकर्ता और विद्यार्थी सड़क पर उतरकर मार्च निकाल रहे हैं। प्रदर्शन गांधी मैदान से शुरू होकर इनकम टैक्स



चौराहे तक जा रहा है। कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष यश डबास भी शामिल हुए हैं। अभाविप का कहना है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता, गरिमा और मयार्दा का सम्मान जरूरी है। संगठन इस प्रदर्शन के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जागरूकता बढ़ाने और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का संदेश दे रहा है। युवाओं से लोकतंत्र की रक्षा के लिए आगे आने की अपील अभाविप बिहार प्रदेश के प्रदेश मंत्री सुमित कुमार सिंह ने कहा कि लोकतंत्र केवल शासन चलाने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह संवैधानिक संस्थाओं, नागरिक अधिकारों और लोकतांत्रिक मयार्दाओं के सम्मान का आधार है। जब लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा पर आघात होता है, तब युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करें। उन्होंने कहा कि अभाविप लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने युवाओं और आम नागरिकों से इस अभियान में सहभागी बनने की अपील की। लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के प्रति जनजागरण का प्रयास अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, बिहार प्रदेश ने कहा कि यह कार्यक्रम लोकतंत्र की मजबूती, संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के प्रति जनजागरण का प्रयास है। परिषद युवाओं की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा संवैधानिक मयार्दाओं के सम्मान का संदेश समाज तक पहुंचाएगी

अंडा खाने निकले जमीन कारोबारी को गोलियों से भूना, चार गोलियां लगने से हालत गंभीर

एजेंसी

पटना। बिहार के पटना स्थित फुलवारी शरीफ के ईसापुर इलाके में गुरुवार देर रात बाइक सवार चार हथियारबंद अपराधियों ने जमीन कारोबारी मोहम्मद आसिफ शाह उर्फ छोटू (35) पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। घर से करीब 100 मीटर दूर सड़क किनारे अंडा खाते समय उन्हें निशाना बनाया गया। बिहार की राजधानी पटना में अपराधियों ने एक जमीन कारोबारी को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग की। फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के ईसापुर पुरानी मस्जिद के पास गुरुवार देर रात करीब 9:15 बजे बाइक सवार हथियारबंद अपराधियों ने मोहम्मद आसिफ शाह उर्फ छोटू (35) को गोली मार दी। उन्हें चार गोलियां लगी हैं। गंभीर रूप से घायल कारोबारी को पुलिस ने तत्काल पटना एम्स के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस घटनास्थल से चार खोखे बरामद कर मामले की जांच में जुटी है। घर से 100 मीटर दूर अंडा खाने पहुंचे थे छोटू स्थानीय लोगों के अनुसार, मोहम्मद आसिफ शाह उर्फ छोटू ईसापुर पुरानी मस्जिद के पास मुर्गिया टोला के रहने वाले हैं। वह जमीन की खरीद-बिक्री का कारोबार करते हैं। गोलियों की आवाज से इलाके में मची अफरा-तफरी अचानक हुई ताबड़तोड़ गोलीबारी से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग दहशत में आ गए और अपनी सुरक्षा के लिए घरों और दुकानों में छिप गए। घटना के समय मौसम भी खराब था और बारिश हो रही थी। वारदात को अंजाम देने के बाद चारों अपराधी बाइक से फरार हो गए।

संक्षिप्त डायरी

बंदी को 16 दिन अवैध रूप से जेल में रखा, जेल उपाधीक्षक की वेतनवृद्धि रोकी; 50 हजार रुपये हजार्ना

एजेंसी

पटना। बिहार के हाजीपुर मंडल कारा में जमानत और रिहाई का आदेश मिलने के बावजूद रामनिवास गुप्ता को 16 दिन तक जेल में रखने के मामले में गृह विभाग ने कार्रवाई की है। विभाग ने तत्कालीन जेल उपाधीक्षक और वर्तमान में बगहा उपकारा में तैनात भजन दास की एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोक दी है। बिहार में एक बंदी को रिहाई का आदेश मिलने के बावजूद 16 दिन तक जेल में रखने के मामले में गृह विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। हाजीपुर मंडल कारा के तत्कालीन उपाधीक्षक और वर्तमान में बगहा उपकारा में तैनात भजन दास की एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोक दी गई है। इसके साथ ही प्रशासनिक लापरवाही के लिए दोषी अधिकारी से 50 हजार रुपये की वसूली कर पीड़ित बंदी को देने का आदेश दिया गया है। यह कार्रवाई पटना उच्च न्यायालय के निर्देश और विभागीय जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद की गई है। जमानत और रिहाई का आदेश मिलने के बाद भी 16 दिन जेल में रहा बंदी पूरा मामला हाजीपुर मंडल कारा में बंद रहे रामनिवास गुप्ता से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, रामनिवास गुप्ता को न्यायालय से जमानत और रिहाई का स्पष्ट आदेश मिल गया था। इसके बावजूद जरूरी अभिरक्षा अधिपत्र (कस्टडी वारंट) और उचित प्राधिकार पत्र नहीं होने के कारण उन्हें जेल से रिहा नहीं किया गया। इस लापरवाही के चलते बंदी को 21 सितंबर 2024 से 7 अक्टूबर 2024 तक यानी कुल 16 दिन अतिरिक्त जेल में रहना पड़ा। इस मामले को लेकर पटना उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। पटना हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी, एक लाख रुपये मुआवजे का आदेश मामले की सुनवाई के दौरान पटना उच्च न्यायालय ने बंदी को निर्धारित समय के बाद भी जेल में रखने पर कड़ी नाराजगी जताई। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता रामनिवास गुप्ता को एक लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया था। इसके बाद सरकार ने प्रशासनिक लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारी से 50 हजार रुपये की राशि वसूलकर पीड़ित को देने का फैसला किया। विभागीय जांच में उपाधीक्षक पर लगे आरोप सही पाए गए इस मामले में कराई गई विभागीय जांच के दौरान तत्कालीन जेल उपाधीक्षक भजन दास पर लगाए गए आरोप सही पाए गए। जांच रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने अधिकारी से मांगा गया दूसरा स्पष्टीकरण भी अस्वीकार कर दिया। इससे पहले मामले में उन्हें निलंबित भी किया गया था। एक वेतनवृद्धि रोकी, निलंबन अवधि को लेकर भी आदेश जारी बिहार कारा एवं सुधार सेवाएं के महानिदेशक की स्वीकृति मिलने के बाद गृह विभाग ने बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के तहत दंडात्मक आदेश जारी किया है। इसके तहत भजन दास की एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने का निर्णय लिया गया है। आदेश में निलंबन अवधि के भुगतान और सेवा गणना को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की गई है। इसके अनुसार, निलंबन अवधि के दौरान अधिकारी को केवल जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। हालांकि, इस अवधि की गणना पेंशन प्रदायी सेवा के रूप में की जाएगी। इस कार्रवाई के जरिए गृह विभाग ने स्पष्ट किया है कि न्यायालय के रिहाई आदेश के बावजूद किसी बंदी को जेल में रखना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है और इसके लिए संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

पटना में शुरू होगा कार्डिकॉन 2026, 500 हृदय रोग विशेषज्ञ जुटेंगे

एजेंसी

पटना । पटना में आज से कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई), बिहार चैप्टर का 32वां वार्षिक सम्मेलन कार्डिकॉन 2026 शुरू हो रहा है। इसमें देशभर के करीब 500 हृदय रोग विशेषज्ञ, कार्डियक सर्जन और चिकित्सक शामिल होंगे। आइये जानते हैं विशेषज्ञ क्या-क्या चर्चा करेंगे बिहार में दय रोगों की रोकथाम और आधुनिक उपचार तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पटना में कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई), बिहार चैप्टर का 32वां वार्षिक सम्मेलन कार्डिकॉन 2026 आयोजित किया जा रहा है। होटल मौर्या में 30 अक्तूबर से शुरू होने वाले इस सम्मेलन का मुख्य आयोजन 31 अक्तूबर और एक नवंबर को होगा। इस वर्ष सम्मेलन की थीम 'प्रिवेंशन टू इंटरवेंशन' (रोकथाम से उपचार तक) रखी गई है। सीएसआई बिहार चैप्टर के अध्यक्ष एवं एम्स पटना के कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभागाध्यक्ष और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि इसमें बिहार और देश के विभिन्न हिस्सों से करीब 500 हृदय रोग विशेषज्ञ, कार्डियक सर्जन और सामान्य चिकित्सक हिस्सा लेंगे। सम्मेलन का शुभारंभ 31 अक्तूबर को शाम चार बजे बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत करेंगे। इस दौरान हृदय रोगों की शुरूआती पहचान, आधुनिक उपचार पद्धतियों, जटिल एंजियोप्लास्टी, हार्ट फेल्योर, हार्ट सर्जरी और हृदय रोगों से बचाव के उपायों पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। खास बात यह है कि बिहार काउंसिल ऑफ मेडिकल रजिस्ट्रेशन ने सम्मेलन को डॉक्टरों के लिए आठ सीएमई क्रेडिट आवर्स की मान्यता दी है। नवजात बच्चों के हृदय उपचार पर विशेष व्याख्यान आयोजन अध्यक्ष और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बीबी भारती ने बताया कि सम्मेलन के वैज्ञानिक कार्यक्रम में नवजात शिशुओं के हृदय रोगों के उपचार पर विशेष सत्र आयोजित होगा। इसमें प्रतिष्ठित डॉ. एके ठाकुर मेमोरियल ओरेशन दिया जाएगा। इसे बेंगलुरु की बाल हृदय रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर एमेरिटस डॉ. आईबी विजयलक्ष्मी प्रस्तुत करेंगी। इसके अलावा सीएसआई बिहार चैप्टर के वरिष्ठ संरक्षक डॉ. यूसी सामल और डॉ. एसएस चटर्जी को उनके चिकित्सा क्षेत्र में आजीवन योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान दिया जाएगा। देशभर के विशेषज्ञ साझा करेंगे आधुनिक उपचार तकनीक सीएसआई बिहार चैप्टर के सचिव और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि वैज्ञानिक सत्रों में देश के जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञ जटिल हृदय रोगों के उपचार और आधुनिक तकनीकों पर व्याख्यान देंगे। एम्स नई दिल्ली के डॉ. राकेश यादव और लखनऊ के डॉ. ऋषि सेठी जटिल एंजियोप्लास्टी और इमेजिंग आधारित उपचार तकनीकों पर चर्चा करेंगे। वहीं, कोलकाता के डॉ. दिलीप कुमार कैल्शियम की अधिकता के कारण जटिल हुई एंजियोप्लास्टी के उपचार की तकनीकों की जानकारी देंगे। एम्स नई दिल्ली के डॉ. एस. रामकृष्णन जन्मजात हृदय रोगों के उपचार के सही समय पर चर्चा करेंगे। हार्ट फेल्योर और सर्जरी से जुड़े सत्र में कोलकाता के डॉ. सौमित्र रे और दिल्ली के डॉ. विवेक कुमार शामिल होंगे। बेंगलुरु के कार्डियक सर्जन डॉ. सीएस हिरेमठ भारत में हार्ट वाल्व बैंक के विकास पर जानकारी देंगे। वहीं, डॉ. एसके सिन्हा बीटिंग हार्ट और ऑन-पंप बाईपास सर्जरी के परिणामों का विश्लेषण करेंगे। युवाओं में बढ़ते हृदय रोग और बचाव पर भी चर्चा वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि सम्मेलन में हृदय रोगों से बचाव और जीवनशैली में बदलाव पर भी विशेष जोर रहेगा। दिल्ली के डॉ. मोहित गुप्ता और सीएमसी वेल्लोर के पूर्व निदेशक डॉ. सुनील थॉमस चांडी भारत में गैर-संचारी रोगों के तेजी से बढ़ने के कारणों पर चर्चा करेंगे। सीएमसी वेल्लोर के कार्डियोलॉजी विभाग के पूर्व प्रमुख डॉ. जैकब जोस शुरूआती कोरोनरी आर्टरी डिजीज में कैल्सीफिकेशन की भूमिका बताएंगे। इसके अलावा अचानक कार्डियक डेथ, हार्ट रिदम की गड़बड़ी और आधुनिक पेसिंग तकनीकों पर भी विशेषज्ञ अपनी राय रखेंगे। हाई रिस्क कार्डियो-ऑब्स्टेट्रिक्स के सत्र में लखनऊ की डॉ. रूपाली खन्ना और नोएडा के डॉ. शुभेंदु मोहंती गर्भवती महिलाओं में हृदय रोगों से जुड़ी जटिलताओं और सावधानियों पर चर्चा करेंगे। कार्डिकॉन 2026 में स्नातकोत्तर (पीजी) मेडिकल छात्रों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें वरिष्ठ परीक्षक और राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ छात्रों को हृदय रोगों के निदान और उपचार से जुड़ी जानकारी देंगे। बिहार के वरिष्ठ चिकित्सक भी अपने व्याख्यान और केस प्रेजेंटेशन के माध्यम से अनुभव साझा करेंगे। आयोजन सचिव डॉ. विपिन कुमार के अनुसार, इस सम्मेलन का उद्देश्य स्थानीय चिकित्सकों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित हो रही आधुनिक चिकित्सा तकनीकों से जोड़ना है। इससे राज्य में हृदय रोगों की बेहतर पहचान, समय पर उपचार और चिकित्सा सेवाओं में सुधार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस ने विवेक कन्नन को नियुक्त किया सीईओ

नई दिल्ली ।

हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस ने विवेक कन्नन को अपना मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की शुक्रवार को घोषणा की। कन्नन 2020 में कंपनी में मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) के रूप में शामिल हुए थे। वह सचिन पिल्लई की जगह लेंगे, जिन्होंने 29 अक्टूबर को आवास वित्त कंपनी के प्रबंध निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया था। पिल्लई कंपनी के निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में बने रहेंगे। वित्तीय सेवा क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव रखने वाले कन्नन कंपनी की बाजार में मौजूदगी मजबूत करने और सतत वृद्धि को आगे बढ़ाने पर ध्यान देंगे।नियुक्ति पर टिप्पणी करते हुए हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस ने कहा कि उनके नेतृत्व में कंपनी अपनी क्षमताओं को लगातार मजबूत करेगी और ग्राहकों तथा हितधारकों को दीर्घकालिक मूल्य उपलब्ध कराएगी।हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस, हिंदुजा लेलैंड फाइनेंस लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है।

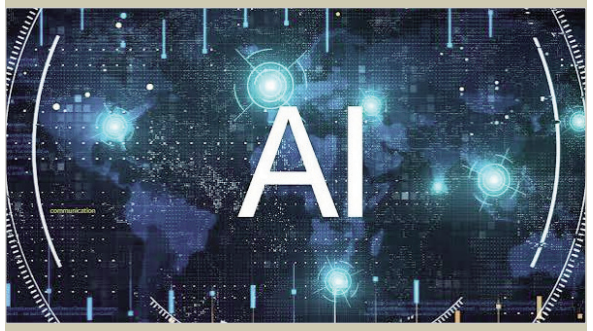
गोदरेज कंज्यूमर का मुनाफा बढ़कर 523 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) का मुनाफा चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में सालाना अधार पर 13.84 प्रतिशत बढ़कर 522.92 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का मुनाफा पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 459.34 करोड़ रुपये था। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में गुरुवार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल परिचालन आय 19 प्रतिशत बढ़कर 4,413.09 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,708.19 करोड़ रुपये थी। कंपनी के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी (जुलाई-सितंब) तिमाही में उसकी एकीकृत बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़ी। रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान बेचने वाली (एफएमसीजी) क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी के कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं दूसरी तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 20.6 प्रतिशत बढ़कर 3,758.26 करोड़ रुपये रहा।

एआई के प्रभाव से अल्फाबेट की मार्केट वैल्यू में 500 अरब डॉलर की गिरावट

कमजोर विज्ञापन कारोबार और एआई से राजस्व घटने की आशंका से निवेशक चिंतित



नई दिल्ली ।

गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में 13 फीसदी से अधिक की तेज गिरावट दर्ज हुई, जिससे उसके बाजार पूंजीकरण में 500 अरब डॉलर से अधिक की कमी आई। यह अल्फाबेट के इतिहास में बाजार पूंजीकरण की सबसे बड़ी गिरावट है। तीसरी तिमाही के कमजोर नतीजों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा मुख्य राजस्व पर पड़ने वाले संभावित नकारात्मक प्रभाव की आशंका ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई। अल्फाबेट ने तीसरी तिमाही में 111.2 अरब डॉलर की बिक्री दर्ज की, जो विश्लेषकों के अनुमान से कम थी। सर्च और विज्ञापन आय भी बाजार की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। यह आय कुल कमाई का लगभग आधा है और एआई में बड़े निवेश के लिए अहम है। विज्ञापन कारोबार की वृद्धि दर पिछले पांच तिमाहियों में सबसे धीमी रही। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि गूगल सर्च में एआई मोड की बढ़ती लोकप्रियता से कमाई प्रभावित हुई है, क्योंकि एआई प्रश्नों से अपेक्षाकृत कम राजस्व मिलता है। कंपनी इसमें विज्ञापनों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रही है। निवेशक चिंतित हैं कि चैटजीपीटी जैसे एआई चैटबॉट और गूगल के अपने एआई फीचर्स उपभोक्ताओं को उसके सबसे अधिक कमाई वाले सर्च कारोबार से दूर कर सकते हैं। अल्फाबेट को एआई महत्वाकांक्षाओं पर भविष्य में 1 लाख करोड़ डॉलर से अधिक खर्च होने का अनुमान है, जिससे शीर्ष अधिकारियों पर इस भारी-भरकम निवेश को सही ठहराने का दबाव बढ़ गया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 308, निफ्टी 116 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आयी है। दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 308.49 अंक बढ़कर 74,459.53 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.35 अंक उछलकर 23,053.10 पर बंद हुआ।

आज लार्जकैप के विपरीत मिडकैप और स्मॉलकैप में दबाव रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 540.40 अंक की गिरावट के साथ 57,301.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 347.75 अंक की कमजोरी के साथ 18,463.60 पर बंद हुआ।

बाजार को सहारा आईटी शेयरों से मिला, सूचकांकों में निफ्टी आईटी और निफ्टी हेल्थकेयर की बढ़त के साथ बंद हुए। निफ्टी फार्मा , निफ्टी सर्विसेज , निफ्टी कंजप्शन और निफ्टी इन्फ्रा में भी तेजी रही।

वहीं, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी मीडिया , निफ्टी एनर्जी, निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी ऑटो गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स पैक में ट्रेंट, इंडिगो, इन्फोसिस, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, इटरनल, टेक महिंद्रा, एचयूएल टेक, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, आईटीसी, एशियन पेंट्स, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, एचयूएल और टाइटन के शेयर



लाभ में रहे थे। एसबीआई, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, बीईएल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी के शेयर गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 168.03 अंक बढ़कर 74,319.07 के स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी भी 44.55 अंकों की बढ़त के साथ 22,981.30 पर कारोबार कर रहा था

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 30 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.95 पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सात पैसे की बढ़त के साथ 95.19 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और अमेरिकी कोष बॉन्ड के प्रतिफल में गिरावट के बीच घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। हालांकि, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने रुपये की बढ़त को सीमित रखा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और तेल आयात का बोझ कम होने से रुपये को मजबूती मिलने का आधार तैयार होगा। डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर के निकट अवधि में 94.75 से 95.75 के बीच रहने का अनुमान है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.21 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें मजबूती आई और यह 95.19 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को दो पैसे की बढ़त के साथ 95.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 प्रतिशत फिसलकर 101.75 पर आ गया।

त्योहारों से पहले चीनी और प्याज की कीमतों में भारी उछाल

खुदरा बाजारों में प्याज की कीमत 60-65, जबकि चीनी 55-60 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली ।

दीपावली और छठ जैसे बड़े त्योहारों के नजदीक आने के बावजूद, आम जनता को चीनी और प्याज की बढ़ती कीमतों से कोई राहत नहीं मिल पा रही है। पिछले चार महीनों में इन दोनों आवश्यक खाद्य वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे रसोई का बजट गड़बड़ा गया है।

खुदरा बाजारों में प्याज की कीमत अभी 60-65 रुपये प्रति किलोग्राम के दायरे में बनी हुई है, जबकि चीनी 55-60 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है। कुछ विशेष ब्रांड की चीनी तो 62 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताजा मासिक रिपोर्ट के अनुसार, देश में जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर लगातार जारी है। विशेषज्ञों और जानकारों के अनुसार, रबी की फसल के कम भंडार और असमान मानसून के कारण खरीफ की नई फसल की आवक को लेकर बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। इसी आपूर्ति में गिरावट के चलते जून से सितंबर के बीच प्याज की कीमतें करीब 85 प्रतिशत तक उछल गईं, वहीं जुलाई और अगस्त में चीनी के दामों में भी 34 प्रतिशत की भारी तेजी दर्ज की गई। प्याज की फसलों को इस साल महाराष्ट्र जैसे प्रमुख उत्पादक राज्य में सूखे और फिर कमजोर मानसून की वजह से नुकसान पहुंचा है, जिससे सुरक्षित भंडार काफी कम हो गया है।

न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों के 98 फीसदी विज्ञापन भ्रामक,एएससीआई रिपोर्ट में खुलासा

परिषद ने 61 में से 60 विज्ञापनों को आचार संहिता का उल्लंघन करते पाया

नई दिल्ली ।

भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) की एक हालिया रिपोर्ट ने न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों के विज्ञापनों में व्याप्त भ्रामक दावों का बड़ा खुलासा किया है। अ पिल फॉर थॉट शीर्षक वाली इस रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई से सितंबर 2023 के बीच जांचे गए 61 विज्ञापनों में से चौंकाने वाले 60 विज्ञापन एएससीआई की आचार संहिता का उल्लंघन करते पाए गए, जो उपभोक्ताओं को झूठी उम्मीदें और निराधार वादे बेचकर गुमराह कर रहे थे। एएससीआई की इस गहन जांच ने न्यूट्रास्युटिकल क्षेत्र में व्यापक अनियमितताओं को उजागर किया है।

रिपोर्ट के अनुसार इन विज्ञापनों में 60 दिन में छह किलो वजन घटाएं, आपकी त्वचा सात साल जवां दिखेगी और अस्थमा या पीसीओडी को उलट दें जैसे नाटकीय दावे किए गए थे, जिनके समर्थन में कोई पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण मौजूद नहीं थे। जांच में यह सामने आया कि कुल 29 विज्ञापनदाताओं ने तो अपनी आपत्तियों को चुनौती भी नहीं दी, जबकि बाकी 31 विज्ञापनदाता अपने दावों को साबित करने के लिए ठोस सबूत पेश करने में नाकाम रहे। रिपोर्ट में वजन प्रबंधन, त्वचा देखभाल, एंटी-एजिंग और श्वास संबंधी समस्याओं के उपचार से जुड़े दावे प्रमुखता से शामिल थे। इन विज्ञापनों में अक्सर तय समयसीमा के भीतर आश्चर्यजनक परिणामों का वादा किया गया, साथ ही नाटकीय पहले और बाद की तस्वीरों का भी इस्तेमाल किया गया, जैसे फेफड़ों को काले रंग से गुलाबी होते हुए दिखाना। कुछ ब्रांडों ने अपने उत्पादों को अस्थमा और सीओपीडी जैसी गंभीर बीमारियों के समाधान के रूप में भी प्रस्तुत किया, यह सुझाव देते हुए कि ये प्रदूषण और धूम्रपान के हानिकारक प्रभावों को उलट सकते हैं।

इसके अलावा, किसी खास सामग्री पर हुए शोध का उपयोग पूरे उत्पाद के फायदों को साबित करने के लिए किया गया, जबकि तैयार उत्पाद के विज्ञापन में बताए गए नतीजे देने के कोई ठोस प्रमाण नहीं थे। एएससीआई की एक अधिकारी ने इस स्थिति पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि उपभोक्ता इन उत्पादों पर विश्वास करते हैं, इसलिए विज्ञापनों में किए गए दावे उपलब्ध सबूतों के अनुरूप होने चाहिए।

उन्होंने जोर दिया कि इससे उपभोक्ता सोच-समझकर फैसले ले सकेंगे और ऐसे वादों से उनका भरोसा नहीं टूटेगा, जिनके समर्थन में पर्याप्त प्रमाण नहीं हैं। रिपोर्ट ने यह भी इंगित किया कि वेलनेस उत्पादों और डॉक्टरों द्वारा निर्धारित दवाओं के बीच का अंतर धुंधला होता जा रहा है, जिससे उपभोक्ताओं में भ्रम बढ़ सकता है। एएससीआई ने न्यूट्रास्युटिकल विज्ञापनों में दावों के समर्थन में सबूतों की कमी की बढ़ती चिंताओं के कारण स्वतः संज्ञान लेते हुए यह जांच शुरू की थी।

अदाणी यूरोप में 27,000 करोड़ में खरीदेंगे इवोस टर्मिनल्स

कंपनी का लक्ष्य वैश्विक समुद्री व्यापार में दबदबा बढ़ाना

मुंबई ।

अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाया है।

कंपनी ने पैन-यूरोपीय लिक्विड स्टोरेज और टर्मिनल ऑपरेटर इवोस टर्मिनल्स का अधिग्रहण करने के लिए लगभग 3 अरब यूरो की बाइंडिंग ऑफर पेश की है।

यह कदम अदाणी पोर्ट्स की वैश्विक विस्तार योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य यूरोपीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना है। इग्नियो इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर्स के स्वामित्व वाली इवोस टर्मिनल्स यूरोप की सबसे बड़ी लिक्विड स्टोरेज कंपनियों में से एक है। इसके पास 5 यूरोपीय देशों के 7 बंदरगाहों पर 8 बड़े टैंक टर्मिनल्स हैं ।

जिनकी कुल भंडारण क्षमता 6.4 मिलियन क्यूबिक मीटर है। अदाणी पोर्ट्स का यह ऑफर बदलते वैश्विक परिदृश्य और ऊर्जा सुरक्षा की चिंताओं के बीच यूरोप के बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने का एक प्रयास है। यह बाइंडिंग ऑफर एक कड़ी प्रतिस्पर्धी नीलामी प्रक्रिया के तहत दिया गया है, जिसमें केकेआर, ईक्यूटी और मैक्वेरी जैसे कई वैश्विक दिग्गज भी शामिल थे। इस डील पर अंतिम फैसला कुछ हफ्तों में आने की उम्मीद है।

यह विदेशी विस्तार अदाणी पोर्ट्स द्वारा यूके-आधारित एसोसिएटेड ब्रिटिश पोर्ट्स की बिड में पीछे हटने के तुरंत बाद आया है।

दवा निर्यात पहली छमाही में 4.9 फीसदी बढ़कर 16.14 अरब डॉलर

यूरोप, आसियान और लातिन अमेरिका से मजबूत मांग ने दिया सहारा

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में भारत का दवा निर्यात सालाना आधार पर 4.9 प्रतिशत बढ़कर 16.14 अरब डॉलर हो गया है।

भारतीय दवा निर्यात संवर्धन परिषद (फार्मेक्सिल) के आंकड़ों के अनुसार, यूरोपीय, आसियान और लातिन अमेरिकी बाजारों से मजबूत मांग ने इस वृद्धि को गति दी है, जबकि अमेरिका को निर्यात की रफ्तार कुछ धीमी रही। फार्मेक्सिल द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक यूरोप को निर्यात में 9.66 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो कुल दवा निर्यात का 20.38 प्रतिशत रहा। इसी अवधि में आसियान क्षेत्र में 21.54 प्रतिशत और लातिन अमेरिका व कैरेबियाई देशों में 16.58 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। अफ्रीका को दवा निर्यात में भी 6.48 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में दर्ज 15.38 अरब डॉलर के मुकाबले एक महत्वपूर्ण उछाल है। परिषद के अे धिकारी ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण और किफायती दवाओं के बड़े पैमाने पर विनिर्माण के दम पर भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

भारतीय कंपनियों की विदेशी उधारी बढ़ी, अगस्त में 8.13 डॉलर अरब के आवेदन

पिलपकार्ट, पीएफसी, आरईसी व इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने भी की बड़ी उधारी की मांग

मुंबई ।

भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशी वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के लिए दाखिल आवेदनों की कुल राशि अगस्त में मासिक आधार पर 5.6 प्रतिशत बढ़कर 8.13 अरब डॉलर तक पहुंच गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है, जो वैश्विक पूंजी तक कंपनियों की बढ़ती पहुंच को दर्शाती है।

जुलाई में यह आंकड़ा 7.69 अरब डॉलर था। अगस्त में दाखिल आवेदनों में कई प्रमुख कंपनियों की बड़ी उधारी मांग शामिल थी। इनमें फिलपकार्ट इंटरनेट ने तीन साल के लिए 1.14 अरब डॉलर का कर्ज आगे ऋण देने के लिए मांगा, जबकि पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) ने सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए चार साल नौ महीने की अवधि के लिए 77.5 करोड़ डॉलर का आवेदन दिया। इसी तरह, आरईसी और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने भी क्रमशः सामान्य कारोबारी जरूरतों और मौजूदा इकाइयों के विस्तार के लिए 50-50 करोड़ डॉलर की उधारी के इरादे दाखिल किए।

यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब आरबीआई ने विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ाने और देश की बाह्य स्थिति मजबूत करने के लिए जून में विशेष एफसीएनआर(बी) जैसी सुविधाएं शुरू की थीं। हालांकि, मजबूत प्रतिक्रिया के कारण एफसीएनआर(बी) सुविधा 31 अगस्त को समय से पहले बंद कर दी गई थी, लेकिन ईसीबी और विदेशी मुद्रा में परिवर्तनीय बॉन्ड सुविधा 31 दिसंबर तक खुली है, जिससे आगे भी पूंजी प्रवाह की उम्मीद है।

अल नीनो के खतरे के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि पर आईएमएफ का भरोसा

नई दिल्ली ।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सुपर अल नीनो के कारण मौसम में संभावित बदलावों से उत्पन्न जोखिमों के बावजूद भारत के आर्थिक विकास पर अपना पूरा भरोसा जताया है। आईएमएफ के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक विकास का एक महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है, भले ही खराब मौसम से जुड़े कुछ जोखिम मौजूद हों। आईएमएफ ने यह भी स्पष्ट किया है कि सुपर अल नीनो जैसी घटनाओं का असर अभी तक भारत में सीधे तौर पर दिखाई नहीं दिया है, लेकिन भविष्य में इससे फसलों के उत्पादन में कमी आ सकती है, जिसके परिणामस्वरूप खाने-पीने की चीजें महंगी होने की आशंका है। आईएमएफ के संचार निदेशक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि भारत के सामने मौसम से जुड़े कई बड़े जोखिम मौजूद हैं, हालांकि अभी तक इनका मौजूदा आर्थिक स्थिति पर कोई वास्तविक असर नहीं पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि ये जोखिम वास्तविक रूप में सामने आते हैं, तो परिवारों की खरीदारी की क्षमता (परचेजिंग पावर) कम हो सकती है। आईएमएफ ने अपनी अक्टूबर 2026 की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में भारत के लिए 7 प्रतिशत विकास दर का अनुमान लगाया था। चूंकि अल नीनो से जुड़े गंभीर मौसमी जोखिम अभी तक पूरी तरह से सामने नहीं आए हैं, इसलिए आईएमएफ जनवरी 2027 में जारी होने वाले अपने अगले वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अपडेट में भारत की इस विकास दर के अनुमान की दोबारा समीक्षा करेगा। यह समीक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि आने वाले महीनों में सुपर अल नीनो से जुड़ा मौसमी जोखिम कितना गहराता है। सुपर अल नीनो का तात्पर्य भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के पानी का सामान्य से बहुत ज्यादा गर्म हो जाना है। यह स्थिति तब बनती है जब समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस या उससे भी अधिक बढ़ जाता है। भारत के लिए इसे आमतौर पर नकारात्मक माना जाता है, क्योंकि यह दक्षिण-पश्चिम मानसून को कमजोर कर देता है, जिससे देश के कई हिस्सों में सूखे की स्थिति बन सकती है ।

धनतेरस से पहले सोने की कीमतों में गिरावट से खरीदार असमंजस में

अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में उछाल और भू-राजनीतिक तनाव ने बिगाड़ा खेल

नई दिल्ली ।

धनतेरस और शादी के शुभ अवसर से ठीक पहले सोने की कीमतों में आई भारी गिरावट ने खरीदारों को असमंजस में डाल दिया है। जनवरी में 1.75 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्च स्तर को छूने वाला सोना अब 1.43 लाख रुपये के करीब आ गया है, यानी करीब 20 फीसदी की कमी।

इस अप्रत्याशित गिरावट ने जहां एक ओर निवेशकों के लिए अवसर पैदा किया है, वहीं दूसरी ओर यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि क्या यह खरीदारी का सही समय है या अभी और इंतजार करना चाहिए। सोने की कीमतों में इस बड़ी गिरावट के पीछे कई वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक कारण जिम्मेदार हैं। सबसे प्रमुख वजह अमेरिका के 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड में रिकॉर्ड बढ़ोतरी है, जो 5 फीसदी से भी ऊपर चल रही है। जब अमेरिकी सरकार द्वारा जारी किए गए इन बॉन्ड पर इतना आकर्षक और सुरक्षित रिटर्न मिलता है, तो बड़े निवेशक सोने जैसे सुरक्षित निवेश से पैसा निकालकर बॉन्ड में लगाना पसंद करते हैं, क्योंकि सोने पर कोई ब्याज नहीं मिलता।

इस शिफ्ट से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग घटती है और उसकी कीमत पर दबाव बनता है। इसके अलावा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अमेरिका में बढ़ती महंगाई का डर भी सोने की चमक फीकी कर रहा है। ईरान युद्ध के तनाव के कारण महंगा हुआ कच्चा तेल अमेरिकी अर्थव्यवस्था में महंगाई बढ़ा रहा है।

इसे नियंत्रित करने के लिए अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरें ऊंची रखी हैं, जिससे बॉन्ड यील्ड को और बढ़ावा मिला है।

जानकारों का मानना है कि जब तक कच्चे तेल की कीमतें स्थिर नहीं होतीं और महंगाई के आंकड़े नीचे नहीं आते, तब तक अमेरिकी बॉन्ड की यील्ड ऊंची बनी रह सकती है। इसका सीधा मतलब है कि अगले कुछ महीनों या साल भर तक सोने के भाव में तेजी से उछाल की संभावना कम है।

एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स ने ब्लू वॉटर लर्निंग में सौ फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

मुंबई ।

एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स ने अमेरिकी राज्य टेक्सास की ब्लू वॉटर लर्निंग में सौ फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली है। यह सौदा उसकी अनुषंगी एनआईआईटी यूएसए के जरिए 1.76 करोड़ डॉलर तक में हुआ है। इसमें अगले पांच वर्षों के दौरान प्रदर्शन के आधार पर दिए जाने वाले अतिरिक्त भुगतान भी शामिल हैं। एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स ने अमेरिका के टेक्सास स्थित ब्लू वॉटर लर्निंग में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 167 करोड़ रुपये में हासिल की है। कंपनी ने बताया कि यह अधिग्रहण उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एनआईआईटी (यूएसए) के माध्यम से किया गया है। इस सौदे का कुल मूल्य 1.76 करोड़ डॉलर (करीब 167 करोड़ रुपये) तक है। इसमें अगले पांच वर्षों के दौरान प्रदर्शन के आधार पर किए जाने वाले अतिरिक्त भुगतान भी शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स लिमिटेड ने ब्लू वॉटर लर्निंग एलएलसी में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। वर्ष 2003 में स्थापित ब्लू वॉटर लर्निंग का मुख्यालय टेक्सास के प्लानो में है। यह कंपनी संगठनों को सीखने और प्रतिभा विकास से जुड़े बदलावों की रणनीति बनाने और उन्हें लागू करने में मदद करती है।

ब्लू वॉटर अपने ग्राहकों को रणनीति विकसित करने, समाधान लागू करने और दीर्घकालिक सफलता के लिए जरूरी संगठनात्मक बदलावों में सहायता देती है।



नोवाक जोकोविच की स्विस इंडोर्स बेसल में वापसी निराशाजनक

नई दिल्ली। नोवाक जोकोविच की स्विस इंडोर्स बेसल में वापसी निराशाजनक रही, क्योंकि गुरुवार को सर्बियाई खिलाड़ी को जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ के हाथों दूसरे दौर में नाटकीय हार का सामना करना पड़ा। 39 वर्षीय खिलाड़ी दो घंटे 36 मिनट तक चले मुकाबले में 6-7 (4), 7-5, 7-6 (5) से हार गए और अपने शानदार खिताबों के संग्रह में एक और खिताब जोड़ने का मौका गंवा बैठे। इस हार का मतलब यह भी है कि जोकोविच को रोजर फेडरर के 103 करियर खिताबों के अंतर को कम करने के लिए इंतजार करना होगा। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने इस महीने की शुरुआत में बीजिंग में चाइना ओपन में अपना 102वां टूर-स्तरीय खिताब जीता था। पुरुष टेनिस में केवल फेडरर (103 खिताब) और जिमी कॉनर्स (109 खिताबों के साथ सर्वकालिक रिकॉर्ड) ने ही जोकोविच से अधिक एकल खिताब जीते हैं। जोकोविच के बेसल अभियान में इतिहास का एक और पहलू जुड़ गया । 2011 के बाद पहली बार वह इस टूर्नामेंट में लौटे थे, जहां उन्होंने 2009 में फेडरर को फाइनल में हराकर खिताब जीता था। बेसल में पले-बढ़े फेडरर ने अपने गृहनगर में रिकॉर्ड 10 बार ट्रॉफी जीती है और 2010 के फाइनल में जोकोविच को मात दी थी। सर्बियाई खिलाड़ी 2011 में सेमीफाइनल तक भी पहुंचे थे। विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज स्ट्रफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को बाहर कर दिया। जोकोविच ने पहला सेट टाई-ब्रेक में जीता, लेकिन जर्मन खिलाड़ी ने दूसरे सेट में अपने पहले ब्रेक-पॉइंट को भुनाते हुए वापसी की और मैच को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक सेट एक और टाई-ब्रेक में गया, जहां स्ट्रफ ने संयम बनाए रखा और अपने 27वें ऐस के साथ जीत हासिल कर ली, जिससे जोकोविच के पास वापसी का कोई मौका नहीं बचा।

जोकोविच की एटीपी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा

बेसल से बाहर होना जोकोविच के लिए ट्यूरिन में होने वाले सीजन के आखिरी एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की राह में एक बड़ा झटका है। उनके पास खिताब जीतकर रैंकिंग में महत्वपूर्ण अंक हासिल करने का मौका था, खासकर राफेल जोडर की हार के बाद जब क्वालीफाई करने का रास्ता खुल गया था। इस हार के बाद, जोकोविच स्पेनिश खिलाड़ी से 319 अंक पीछे हैं, और एटीपी फाइनल्स से पहले पेरिस मास्टर्स आखिरी टूर्नामेंट है। एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट रोलेक्स पेरिस मास्टर्स 2 से 8 नवंबर तक आयोजित होने वाला है। जोकोविच तीन साल के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में वापसी कर रहे हैं, जहां उन्होंने रिकॉर्ड छह बार खिताब जीता है। पेरिस में उनका शानदार प्रदर्शन ट्यूरिन में जगह पक्की करने की उनकी उम्मीदों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। इस बीच, शीर्ष वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को भी बेसल में अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। उन्हें विश्व रैंकिंग में 222वें स्थान पर मौजूद स्विस वाइल्डकार्ड खिलाड़ी जेरोम किम से हार मिली।

मैच में 200 रन खा रहे, हार पर भड़के अय्यर, कहा- गेंदबाजी खराब हो रही

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड ने भारत को 87 रनों से करारी शिकस्त दी। न्यूजीलैंड के दिए 260 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 172 रन ही बना सकी। हालांकि, पांच मैचों की इस टी20 सीरीज में भारतीय टीम अभी भी 3-1 से आगे चल रही है। मैच के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने हार स्वीकार करते हुए स्वीकार किया कि टीम की शुरुआत गेंदबाजी में उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और पॉवरप्ले में ही मैच का रुख न्यूजीलैंड की ओर झुक गया।

अगले मैच से पहले तैयार होगी रणनीति

अगले मुकाबले की रणनीति और परिस्थितियों में ढलने को लेकर श्रेयस ने कहा, 'यह समझना महत्वपूर्ण है कि हम कहां बेहतर कर सकते हैं। हैमिल्टन जाने से पहले हमारे पास एक दिन का ब्रेक है इसलिए हम रणनीति बनाएंगे और अगले मैच में अपनी पूरी क्षमता से अमल करने की कोशिश करेंगे। हम जानते थे कि इस मैदान के आयाम (बाउंड्री) अलग हैं और कुछ खिलाड़ी पहली बार ऐसे मैदानों पर खेल रहे थे।'

उन्होंने आगे कहा, 'परिस्थितियों में ढलने में थोड़ा समय लगता है। शुरुआत के तीनों मैचों में खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा था, यह एक सीखने की प्रक्रिया है। उम्मीद है कि हम अगले मैच में सकारात्मक सोच के साथ वापसी करेंगे।'



ग्लेन फिलिप्स की पारी असाधारण थी, गेंदबाजों पर फाड़ा बिल

मैच के बाद बात करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा, 'निश्चित रूप से, मुझे लगता है कि शुरुआत में हमारी गेंदबाजी थोड़ी कमजोर रही। पॉवरप्ले में, खासकर तीसरे ओवर से उन्होंने जो लय हासिल की, उसके बाद कुछ गेंदबाजों ने वापसी कराने की कोशिश की, लेकिन ग्लेन फिलिप्स की पारी असाधारण थी। उन्होंने कुछ ऐसे शॉट खेले जो देखना किसी आनंद से कम नहीं था। उन्हें इसका श्रेय जाता है, वह पूरी सीरीज में निरंतर प्रदर्शन कर रहे हैं और उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है।'

उपलब्धि...अर्शदीप सिंह ने तोड़ा जोश लिटिल का रिकॉर्ड



नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने 4 ओवर में 38 रन देकर एक विकेट लिया। इस एक विकेट के दम पर वो भारत की तरफ से टी20आई में 150 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने साथ ही साथ उन्होंने जोश लिटिल का रिकॉर्ड तोड़ दिया और एक कैलेंडर वर्ष में क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर (फुल मेंबर टीम) भी बने।अर्शदीप सिंह ने कीवी टीम के खिलाफ चौथे टी20 मैच में एक विकेट लिया और वो एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गए। उन्होंने जोश लिटिल के द्वारा बनाया गया 4 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। लिटिल ने साल 2022 में 39 विकेट लिए थे और अब वो दूसरे नंबर पर आ गए। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर वानिंदु हसरंगा हैं जिन्होंने साल 2024 में कुल 38 विकेट लिए थे जबकि भुवनेश्वर कुमार चौथे नंबर पर हैं जिन्होंने साल 2022 में 37 विकेट हासिल किए थे।

अर्शदीप सिंह ने पूरे किए 150 विकेट

अर्शदीप सिंह ने कीवी टीम के खिलाफ चौथे मैच में एक विकेट लिया और वो भारत की तरफ से 150 विकेट लेने वाले टी20आई प्रारूप में पहले बॉलर बने। वो भारत की तरफ से टी20आई में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर जसप्रीत बुमराह हैं जिन्होंने अब तक कुल 126 विकेट लिए हैं जबकि तीसरे नंबर पर अक्षर पटेल हैं जिन्होंने अब तक कुल 116 विकेट लिए हैं।

रिपोर्ट में किया जा रहा दावा



रोहित शर्मा की कप्तानी में एमआई के लिए खेलने को तैयार हैं हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली। हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस में अपने भविष्य को लेकर बनी अनिश्चितता को दरकिनार करने के लिए तैयार दिख रहे हैं, भले ही इसका मतलब रोहित शर्मा की कप्तानी में फ्रेंचाइजी में वापसी करना ही क्यों न हो। आईपीएल 2027 से पहले अभी भी ट्रेड को लेकर बातचीत अधूरी है, ऐसे में ऑलराउंडर कथित तौर पर मुंबई इंडियंस में बने रहने के लिए तैयार हैं, बजाय इसके कि वे कहीं और जाने की जिद करें। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर प्रस्तावित ट्रेड डील सफल नहीं होती है तो हार्दिक को रोहित की कप्तानी में खेलने में कोई आपत्ति नहीं है। यह संभावना फ्रेंचाइजी में उनके रिश्ते में एक दिलचस्प मोड़ लाती है, क्योंकि आईपीएल 2024 से पहले हार्दिक ने रोहित की जगह कप्तानी संभाली थी।

हार्दिक-रोहित की वापसी के लिए तैयार

2024 में हार्दिक की कप्तानी मुंबई इंडियंस के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत थी। हालांकि, नेतृत्व में यह बदलाव काफी आलोचनाओं के घेरे में आ गया, खासकर टीम के मुश्किल दौर से गुजरने के बाद। उस सीज़न में हार्दिक की कप्तानी में स्क्वॉड ने अपने 14 मैचों में से सिर्फ चार मैच जीते और अंक तालिका में नौवें स्थान पर रही। उनका खिताब का सूखा छह साल तक बढ़ गया, जिससे कप्तानी के फैसले को लेकर दबाव और बढ़ गया। दिलचस्प बात यह है कि पिछले सीजन के खत्म होने से पहले ही फ्रेंचाइजी ने रोहित को कप्तान के रूप में वापस लाने पर विचार किया था, जैसा कि इंडियन एक्सप्रेस ने रिपोर्ट किया है। सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह उन स्थापित खिलाड़ियों में शामिल थे जिन पर इस भूमिका के लिए विचार किया जा सकता था, जबकि तिलक वर्मा को भी भविष्य के लिए एक संभावित विकल्प के रूप में देखा जा रहा था।मुंबई ने आखिरकार उसी कप्तान को चुना जिसने उन्हें पांच आईपीएल खिताब दिलाए थे। हालांकि, रोहित ने पहले तिलक को संभावित उत्तराधिकारी के रूप में सुझाया था, जिसके बाद फ्रेंचाइजी ने उनसे दोबारा कप्तानी संभालने के लिए संपर्क किया। इंडियन एक्सप्रेस को एक सूत्र ने बताया कि रोहित ने फ्रेंचाइजी के साथ कई दौर की बातचीत के बाद सहमति जताई।

पैन पैसिफिक ओपन: चोट के कारण हटी एलेना

टोक्यो। दुनिया की नंबर 1 एलेना रिबाकिना का पैन पैसिफिक ओपन में अभियान शुक्रवार को समय से पहले समाप्त हो गया। कजाकिस्तान की इस खिलाड़ी ने गर्दन की चोट के कारण डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। इस वजह से कनाडा की लेयला फर्नांडीज सेमीफाइनल में पहुंच गईं। रिबाकिना ने गर्दन में सूजन और दर्द को नाम वापस लेने का कारण बताया, और बताया कि इस समस्या ने उनके बेस्ट परफॉर्म करने की क्षमता पर असर डाला था।

उन्होंने कहा, 'मुझे यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मुझे अपने अगले मैच से हटना पड़ा है। बदकिस्मती से, मेरी गर्दन में सूजन और दर्द हो रहा है, जिससे मैं अपना बेस्ट नहीं दे पा रही हूं। यह बहुत मुश्किल फैसला है, क्योंकि मुझे यहां खेलना पसंद है और मैं हमेशा फैंस के जबरदस्त सपोर्ट की तारीफ करती हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं अगले साल फिर वापस आऊंगी। आप सभी की समझदारी और समर्थन के लिए धन्यवाद।' फर्नांडीज अब सेमीफाइनल में रूस की लकी लूजर कामिला राखिमोवा से भिड़ेंगी, जिसमें फाइनल में उनकी जगह दांव पर लगी है। राखिमोवा ने तीन सेट के मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर माया जॉइंट को



7-5, 5-7, 6-1 से हराकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की की।

2026 यूएस ओपन चैंपियन के लिए एक अहम सप्ताह के बाद रिबाकिना का हटना एक झटका है। गुरुवार को, उन्होंने हमवतन यूलिया पुतिनत्सेवा को 70 मिनट में 6-2, 6-3 से हराकर अपने करियर में पहली बार साल के आखिर में टॉप रैंकिंग हासिल की। कजाख खिलाड़ी ने पुतिनत्सेवा के खिलाफ शानदार सर्विंग परफॉर्मेंस दी, जिसमें उन्होंने अपने पहले सर्व पॉइंट्स में से 75 प्रतिशत और दूसरे सर्व के पीछे 57 प्रतिशत पॉइंट्स जीते।

पाकिस्तान के लिए विदेशी कोच की तलाश करेगी पीसीबी

नई दिल्ली। लगातार निराशाजनक परिणामों के बावजूद पूर्व टेस्ट तेज गेंदबाज वहाब रियाज को टीम में बनाए रखने के बाद, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आखिरकार अपनी राष्ट्रीय महिला टीम के लिए एक विदेशी कोच की तलाश करने का फैसला किया है। बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने शुक्रवार को बताया कि पीसीबी जल्द ही महिला टीम के मुख्य कोच के पद के लिए विज्ञापन जारी करेगा, जिसमें विदेशी उम्मीदवार को प्राथमिकता दिए जाने की संभावना है। सूत्र ने बताया, 'महिला टीम के अगले अंतरराष्ट्रीय दौरे, जो कि वेस्ट इंडीज का दौरा है, से पहले यह नियुक्ति की जाएगी।' भारत और श्रीलंका में आयोजित आईसीसी महिला 50 ओवर विश्व कप में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद नवंबर में मुख्य कोच मुहम्मद वसीम को हटाए जाने के बाद से वहाब पिछले दिसंबर से महिला टीम को सलाह दे रहे हैं। हालांकि, वहाब की कप्तानी में टीम अपने प्रदर्शन में सुधार करने में विफल रही है।

हाइलो ओपन बैडमिंटन... सिंधु-लक्ष्य पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

सिंधु ने सीधे गेम में जीता मैच, मालविका और इशरानी बाहर

नई दिल्ली। भारत की पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को जर्मनी के सारब्रुकन में चल रहे हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। सिंधु ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में फ्रांस की रोसी ओक्टाविया पंकसारी को 26 मिनट में 21-9, 21-6 से हराया। पुरुष सिंगल्स में लक्ष्य सेन ने हमवतन किरण जॉर्ज को 54 मिनट में 21-15, 18-21, 21-12 से शिकस्त दी। दूसरी ओर मालविका बंसोड़ और इशरानी बरुआ हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने फ्रांस की पंकसारी के खिलाफ शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मैच में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए। फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले राउंड में प्रकृति भारत को हराया था। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना डेनमार्क की अमली शुल्ज से होगा।

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। उन्होंने फ्रांस की पंकसारी को दोनों गेम में वापसी का मौका नहीं दिया। सिंधु ने मुकाबले में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी को 15 पॉइंट मिले।

भारत के टॉप रैंकिंग वाले पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने प्री-क्वार्टर फाइनल में हमवतन किरण जॉर्ज को हराया। लक्ष्य ने पहला गेम 21-15 से



जीता, लेकिन दूसरे गेम में 18-21 से हार गए। निर्णायक गेम में लक्ष्य ने दमदार वापसी की और 21-12 से जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई। महिला सिंगल्स में मालविका बंसोड़ को कनाडा की वेन यू झांग ने 21-11, 21-17 से हराया। मुकाबला 31 मिनट चला। मालविका पहले गेम में पिछड़ गईं और दूसरे गेम में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद मैच नहीं बचा सकीं।

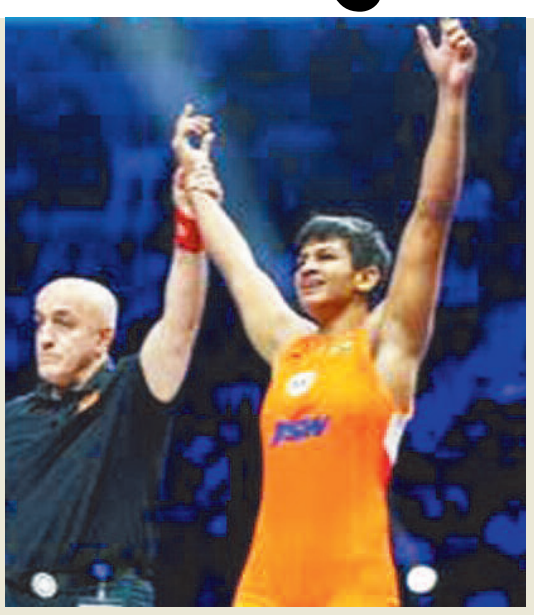
विश्व कुश्ती चैंपियनशिप... कजाखस्तान में तनु शर्मा ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। बचपन में एक कुत्ते के हमले का डटकर मुकाबला करने वाली हरियाणा की तनु शर्मा ने अब कुश्ती के मैट पर दुनिया की दिग्गज पहलवानों को पटखनी देकर इतिहास रच दिया है। कजाखस्तान के अस्ताना में आयोजित 2026 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में 20 साल की तनु शर्मा ने महिलाओं के 72 किलोग्राम भार वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में अमेरिका की प्रेशियस बेल को 9-5 से हराया। तनु शर्मा इसके साथ ही विश्व रेसलिंग चैंपियनशिप में इस भार वर्ग में पदक जीतने वाली पहली भारतीय पहलवान बन गईं। संस्कृत विषय के शिक्षक की बेटी तनु शर्मा की सीनियर स्तर पर यह पहली विश्व चैंपियनशिप थी। वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में जब तनु शर्मा का मुकाबला प्रेशियस बेल से हो रहा था। तब अस्ताना से करीब 3000 किलोमीटर दूर हरियाणा के हांसी जिले के भकलाना गांव में उनके पिता वीरेंद्र शर्मा घर में बेचैनी से इधर-उधर टहल रहे थे।

सरकारी स्कूल में संस्कृत के शिक्षक वीरेंद्र शर्मा घबराहट के कारण कभी अपनी बेटी का मैच नहीं देखते। जब तनु शर्मा ने प्रेशियस को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता तो परिजन खुशी से झूम उठे। यह देखकर वीरेंद्र शर्मा ने राहत की सांस ली। वीरेंद्र शर्मा ने 'द इंडियन एक्सप्रेस' को बताया, ''मैं अपनी बेटी का मैच कभी नहीं देखता। इससे मुझे घबराहट होती है।'' उनकी बड़ी बेटी दौड़ती हुई उनके पास आई और उन्हें यह अच्छी खबर सुनाई। तनु शर्मा की बहन प्रियंका ने मजाक में कहा, ''पापा हमेशा मैच का रीप्ले देखते हैं और वह भी तब जब तनु शर्मा जीत जाती है। अगर वह हार जाए तो पापा मैच नहीं देख पाते।'' तनु शर्मा ने अपने पहले बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर सीनियर स्तर पर डेब्यू साल का शानदार समापन किया। इससे पहले इसी साल तनु शर्मा ने 20 वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था।

मजबूत और निडर बच्ची

तनु शर्मा एक ऐसे परिवार से आती हैं जहां पढ़ाई-लिखाई को अहमियत दी जाती है। शिक्षक पिता की बेटी तनु शर्मा की बड़ी बहन भी शिक्षिका बनने के लिए कठिन कर रही हैं। हालांकि, तनु शर्मा की बचपन से ही खेलों में रुचि थी। वीरेंद्र शर्मा ने बताया, ''वह बचपन से ही काफी मजबूत थी। जब वह तीसरी कक्षा में थी तो एक घटना घटी जो काफी डरावनी थी। एक कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया, लेकिन तनु ने डटकर मुकाबला किया और उसे खदेड़ दिया। बाद में उसने हमें बताया कि इस दौरान कुत्ते ने उसे काट भी लिया था। हम उसे अस्पताल ले गए, लेकिन हमें यह समझ आ गया था कि वह कितनी मजबूत है।'' तनु के शरीर की बनावट और खेलों में उनकी रुचि को देखते हुए उनके चाचा नरेंद्र फौजी चाहते थे कि वह एक पहलवान बनें।



सीनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन

2026 विश्व चैंपियनशिप तनु का पहला सीनियर टूर्नामेंट था। अपनी पहले विश्व चैंपियनशिप में ही कांस्य पदक जीतना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। संजय इसका श्रेय तनु शर्मा की मानसिक मजबूती और समझदारी को देते हैं। संजय सिहाग ने बताया, ''तनु एक समझदार पहलवान है। पहलवानों के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे खेल की समझ (गेम इंटेलिजेंस) बेहतर होती है। तनु अपनी ताकत के साथ-साथ दिमाग का भी इस्तेमाल करती है।'' विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में तनु शर्मा अपना पहला मुकाबला पोलैंड की विक्टोरिया चोलुज से हार गईं थीं। हालांकि, विक्टोरिया के फाइनल में पहुंचने के बाद तनु शर्मा ने 'रेपेचेज' राउंड में ट्यूनीशिया की मौजूदा अफ्रीकी चैंपियन जैनब सघायर को हराया। फिर कांस्य पदक मुकाबले में मौजूदा पैन अमेरिकन चैंपियन बेल को मात दी। संजय ने बताया, ''तनु स्वभाव से काफी भावुक है। पदक जीतने के बाद जब उसने मुझे फोन किया तो वह रो रही थी। हालांकि, भावुकता कभी-कभी उसके लिए मददगार भी साबित होती है।

दो नाबालिग लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश का आरोप, 3 गिरफ्तार

गिर सोमनाथ, एजेंसी। जिले के कोडीनार की दो नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर मेहसाणा जिले के ऊंझा तालुका स्थित उनावा गांव ले जाने और कथित तौर पर धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोप है कि दोनों को मीरा दातार दरगाह में तीन दिन तक रखा गया। इस दौरान बुर्का पहनाने, नाम बदलने और एक लड़की की शादी कराने की तैयारी की गई। मामले में कोडीनार पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी फरार है। पुलिस के मुताबिक, कोडीनार इलाके की दोनों लड़कियों के लापता होने पर परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सर्विलांस की मदद से तलाश शुरू की। जांच में दोनों की लोकेशन उनावा गांव में मिली। इसके बाद कोडीनार पुलिस स्थानीय पुलिस की मदद से मीरा दातार दरगाह पहुंची, जहां दोनों लड़कियां बुर्के में मिलीं।

जमानत रद्द होने पर अनंत सिंह बोले— अदालत में करुंगा सरेंडर

पटना। दुलारचंद यादव हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट से जमानत रद्द होने के बाद मोकामा के विधायक अनंत सिंह ने कहा है कि वह अदालत के आदेश का पालन करते हुए सरेंडर करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा है और अदालत जहां तथा जब कहेगी, वह आत्मसमर्पण कर देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें एक दिसंबर तक सरेंडर करने का निर्देश दिया है। अनंत सिंह ने कहा कि वह किसी अन्य व्यक्ति के पास नहीं, बल्कि सीधे अदालत में पेश होंगे। उन्हें उम्मीद है कि न्यायालय से दोबारा जमानत मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि जेडीयू के नेता उनसे अब भी मिल रहे हैं, जबकि उनके बेटे के चुनाव लड़ने को लेकर फैसला बाद में होगा। पार्टी से निकाले जाने के सवाल पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। विधायक ने जेडीयू के नवनिर्वाचित एमएलसी नीरज कुमार पर दुलारचंद यादव की हत्या करवाने का आरोप लगाया। उनका दावा है कि घटना के समय वह घटनास्थल से करीब पांच किलोमीटर दूर थे और उन्हें इसकी जानकारी बाद में मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि नीरज कुमार ने उनके खिलाफ मामला अदालत तक पहुंचाया। ये आरोप अनंत सिंह ने लगाए हैं; इनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

कम दृश्यता के कारण रांची एयरपोर्ट पर उड़ाने प्रभावित, चार उड़ाने लेट और एक हुई रद्द

रांची। कम दृश्यता के कारण शुक्रवार सुबह बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उड़ाने प्रभावित रहीं। इसका असर विमानों के आगमन और प्रस्थान दोनों पर पड़ा। सुबह से ही एयरपोर्ट पर यात्रियों की परेशानी बढ़ गई। रांची से कई शहरों के लिए जाने वाले यात्री भी उड़ानों के परिचालन को लेकर असमंजस में रहे। वहीं दूसरे शहरों से रांची आने वाले चार विमान तय समय पर नहीं पहुंच सके। इस कारण यात्रियों को एयरपोर्ट पर ही इंतजार करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक सुबह 7:15 बजे दिल्ली से रांची आने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 2039 विलंबित रही। इसके बाद सुबह 7:30 बजे पुणे से आने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 6484 भी निर्धारित समय पर नहीं पहुंची। सुबह 9:20 बजे दिल्ली से रांची आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या आईएक्स 1046 और सुबह 9:30 बजे बेंगलुरु से आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या आईएक्स 1239 भी विलंबित रही। वहीं सुबह 8:15 बजे कोलकाता से रांची आने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 7461 रद्द रही। हालांकि, इस उड़ान के रद्द होने की सूचना यात्रियों को पहले ही दे दी गई थी। इस कारण संबंधित उड़ान के यात्री एयरपोर्ट नहीं पहुंचे। फिलहाल दिल्ली, पुणे और बेंगलुरु से आने वाली फ्लाइट अपनी उड़ान रांची लिए भरी। दूसरी ओर कम दृश्यता के कारण सुबह से विमान परिचालन प्रभावित होने से यात्रियों को अपनी यात्रा के लिए इंतजार करना पड़ा।

पीएम मोदी ने जारी की 24वीं किस्त, 9.34 करोड़ किसानों के खातों में पहुंचे रु 18,680 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी।
त्योहारी सीजन के बीच केंद्र सरकार ने देश के अन्नदाताओं को आर्थिक संबल प्रदान करते हुए पीएम-किसान योजना की बहुप्रतीक्षित 24वीं किस्त हस्तांतरित कर दी है। गुजरात के बनासकांठा स्थित भीलड़ी में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंगल क्लिक के जरिए देश भर के किसानों के खातों में 18,680 करोड़ रुपये की सम्मान राशि भेजी। इस योजना के तहत अब तक 23 किस्तें सफलतापूर्वक किसानों तक पहुंचाई जा चुकी थीं और दिवाली से ठीक पहले 24वीं किस्त जारी होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खेती-किसानी से जुड़े परिवारों में खुशी की लहर दौड़ गई है।



बनासकांठा के भीलड़ी में आयोजित भव्य किसान सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने रिमोट का बटन दबाकर डीबीटी प्रणाली के माध्यम से 9.34 करोड़ किसानों के खातों में दो-दो हजार रुपये की किस्त भेजी। योजना की शुरूआत से लेकर अब तक यह पारदर्शी डिजिटल लेन-देन का एक बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है, जिसमें बिना किसी बिचौलिए या दलाली के पूरी राशि शत-प्रतिशत लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा होती है। इस 24वीं किस्त के वितरण में देश भर के सभी राज्यों में उत्तर प्रदेश शीर्ष स्थान पर रहा है। राज्य के 2.24 करोड़ से अधिक पात्र किसान परिवारों के बैंक खातों में कुल 4,482.19 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि ट्रांसफर की गई है। इसके साथ ही पीएम-किसान योजना की शुरूआत (2018-19) से लेकर अब तक केवल उत्तर प्रदेश के किसानों को इस योजना से मिलने वाली कुल धनराशि रु 1,07,943 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है।

हिंदी पट्टी के दूसरे प्रमुख राज्य बिहार के लिए भी यह किस्त बड़ी राहत लेकर आई है। राज्य के लगभग 73 लाख किसान परिवारों के बैंक खातों में 1,476 करोड़ रुपये की सम्मान राशि अंतरित की गई है। राज्य में कई किसानों की फार्मर आईडी पूरी तरह अपडेट न होने के बावजूद केंद्र सरकार ने त्योहारों को देखते हुए शिथिलता प्रदान की, जिससे लाखों किसानों को बिना किसी रुकावट के उनके 2,000 रुपये मिल सके। हिंदी भाषी राज्यों में कृषि क्षेत्र की रीढ़ माने जाने वाले मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के किसानों को भी इस राष्ट्रव्यापी किस्त का व्यापक लाभ मिला है।

मध्य प्रदेशः राज्य के 80 लाख से अधिक पात्र किसानों के खातों में करीब 1,600 करोड़ रुपये की सम्मान राशि पहुंची है, जिससे सोयाबीन और खरीफ कटाई के बाद रबी की फसलों के खाद-बीज की जरूरतों में मदद मिलेगी।

राजस्थानः राज्य के करीब 65 लाख से अधिक पंजीकृत किसानों के खातों में 1,300 करोड़ रुपये से अधिक की राशि भेजी गई है। छत्तीसगढ़ः धान के कटोरे कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ के करीब 25 लाख से अधिक किसान परिवारों के खातों में 500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित हुई है। योजना में पूरी पारदर्शिता और केवल वास्तविक किसानों तक लाभ पहुंचाने के लिए भू-अभिलेखों का सत्यापन और ई-केवाईसी प्रक्रिया को अनिवार्य बनाया गया है। इस सघन जांच और तकनीकी सत्यापन के चलते इस बार देश भर में 10 लाख से अधिक ऐसे लोगों के नाम लाभार्थी सूची से हटा दिए गए हैं जो योजना के तय पात्रता मानकों को पूरा नहीं कर रहे थे या जिनके दस्तावेजों में विसंगतियां पाई गईं।

प्रदीप पूर्णेकर की हत्या के मुख्य साजिशकर्ताओं को संरक्षण दे रही महाराष्ट्र सरकार

- आदित्य ठाकरे ने लगाए आरोप, कहा- न्याय नहीं मिला तो निकालेंगे विशाल मोर्चा



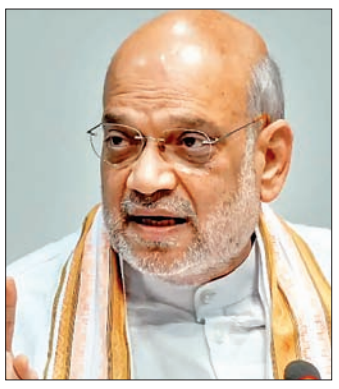
मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार पर पार्टी नेता प्रदीप पूर्णेकर की हत्या के मुख्य साजिशकर्ताओं को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। शिवसेना (यूबीटी) के मानपाडा वार्ड प्रमुख प्रदीप पूर्णेकर की 29 सितंबर को हत्या कर दी गई थी। उन्हें पहले गोली मारी गई और फिर धारदार हथियारों से हमला किया गया। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में वर्ली के विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा कि प्रदीप पूर्णेकर की हत्या स्पष्ट रूप से राजनीतिक हत्या है। संदिग्धों के सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध होने के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे आरोपियों और मुख्य साजिशकर्ताओं को क्यों बचा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला, तो ठाणे में एक विशाल मोर्चा निकाला जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आदित्य ठाकरे ने सवाल उठाया कि ऐतिहासिक रूप से बिहार को खराब शासन के उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जाता था, लेकिन ठाणे में स्थिति इस हद तक बिगड़ गई है कि लोग यह कहने पर मजबूर हैं कि बिहार इससे बेहतर है। जब पूर्णेकर का बेटा राम प्रभारी मंत्री एकनाथ शिंदे से मिलना चाहता था, तो उसे हिरासत में ले लिया गया। जेड श्रेणी की सुरक्षा होने के बावजूद प्रभारी मंत्री इतने डरे हुए क्यों हैं?' वहीं, संजय राउत ने दावा किया कि महाराष्ट्र ने देवेंद्र फडणवीस जैसा कमजोर मुख्यमंत्री कभी नहीं देखा। उन्होंने कहा कि ठाणे की स्थिति बीड से भी बदतर है।

अमित शाह का बड़ा एलान: 2027 में तीसरी बार भाजपा सरकार बनते ही यूपी में लागू होगी यूसीसी, गृहमंत्री बोले- माफिया मुक्त हुआ यूपी

लखनऊ, एजेंसी।
लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव का शंखनाद किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की मौजूदगी में शाह ने कार्यकताओं में नया जोश भरा। उन्होंने राज्य सरकार की कानून-व्यवस्था की तारीफ करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला और स्पष्ट किया कि भाजपा तीसरी बार प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी।

तीसरी बार सरकार बनते ही लागू होगा यूसीसी

अमित शाह ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार 'अंगद का पैर'



है, जिसे कोई भी ताकत हटा नहीं सकती। उन्होंने स्पष्ट घोषणा की कि 2027 में जनता के आशीर्वाद से तीसरी बार सत्ता में वापसी करते ही उत्तर प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। उन्होंने कार्यकताओं से अर्जुन की तरह मछली की आंख पर नजर रखकर चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

30 अक्तूबर 1990 की गोलीबारी का किया जिक्र

गृहमंत्री ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए 30 अक्तूबर के इतिहास की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन 1990 में अयोध्या में निहत्थे रामभक्तों पर गोलियां चलाई गई थीं। शाह ने कहा कि कारसेवकों पर गोली चलाने वाले किस मुंह से सरकार बनाने का दावा करते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने गोलियां चलवाई थीं और भाजपा ने भव्य राम मंदिर का निर्माण कराया, जिसे देश की जनता कभी नहीं भूलेगी।

वोट चोरी के आरोपों पर संसद में बहस की चुनौती

सपा और कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे वोट चोरी के आरोपों पर गृहमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष मैच हारने के बाद अंपायर पर बेबुनियाद आरोप लगा रहा है। उन्होंने विपक्ष को खुली चुनौती देते हुए कहा कि सरकार इस मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाकर चर्चा कराने के लिए तैयार है। विपक्ष संसद में आकर बात करे, सरकार उनके हर सवाल का बिंदुवार जवाब देने के लिए पूरी तरह सक्षम है। गृहमंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके कठोर और पारदर्शी शासन से उत्तर प्रदेश माफियाओं के चंगुल से पूरी तरह मुक्त हुआ है। उन्होंने याद दिलाया कि 2014 से पहले यूपी में भाजपा बेहद कमजोर स्थिति में थी, लेकिन मजबूत संगठन और जनता के विश्वास के दम पर पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। उन्होंने भरोसा जताया कि 2027 में भी पार्टी पूर्ण बहुमत हासिल करेगी।

खड़गे और प्रियंका गांधी ने चक्रवात अर्नब से तबाही पर जताई चिंता



नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने आंध्र प्रदेश में चक्रवात अर्नब से हुई तबाही और ओडिशा में भारी बारिश व बाढ़ से पैदा हुए हालात पर चिंता जताई है। दोनों नेताओं ने प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से राहत एवं बचाव कार्यों में सहयोग करने और जरूरतमंदों की हरसंभव मदद करने की अपील की है। प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर दोनों राज्यों में खराब मौसम से प्रभावित लोगों के प्रति एकजुटता जताई। उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं आंध्र प्रदेश में चक्रवात से तबाही झेल रहे लोगों और ओडिशा में भारी बारिश तथा बाढ़ से प्रभावित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने सभी की सुरक्षा की कामना करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से राहत और बचाव प्रयासों में सक्रिय सहयोग करने का आग्रह किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी आंध्र प्रदेश में जान-माल के नुकसान और ओडिशा में जनजीवन प्रभावित होने पर दुख जताया। उन्होंने केंद्र सरकार से राज्य सरकारों के साथ समन्वय बनाकर राहत और पुनर्वास कार्य तेज करने की अपील की। खड़गे ने कहा कि प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसके लिए पीएम केयर्स फंड के माध्यम से भी मदद सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संकट में फंसे लोगों की सहायता करने को कहा।

विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट : भारत देश के लगभग 49.6 करोड़ नागरिक गरीबी के चंगुल से निकले बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत ने आर्थिक और सामाजिक मोर्चे पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट में सामने आया है कि पिछले 12 वर्षों के दौरान देश के लगभग 49.6 करोड़ नागरिक गरीबी के चंगुल से बाहर निकल चुके हैं। अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन करने वाली आबादी का अनुपात गिरकर अब सिर्फ 2.6 प्रतिशत पर आ गया है। इसके अलावा बहुआयामी गरीबी संकेतकों और आम उपभोग में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज हुआ है। हालांकि, रिपोर्ट में क्षेत्रीय स्तर पर फैली असमानताओं और युवाओं की



बेरोजगारी को लेकर चिंता भी जताई गई है। विश्व बैंक के अनुसार, वर्ष 2011 में देश की 27.1 प्रतिशत आबादी अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन कर रही थी, जो 2023 में नाटकीय रूप से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। वहीं, 2021 की क्रय शक्ति समानता के आधार पर प्रतिदिन 4.20 डॉलर से कम आय वाले लोगों का अनुपात भी 57.7 प्रतिशत से कम होकर 16.1 प्रतिशत पर आ गया है। वैश्विक वित्तीय संस्था ने स्पष्ट किया है कि भारत में मौद्रिक और गैर-मौद्रिक, दोनों ही पैमानों पर जीवन स्तर में ठोस सुधार हुआ है।

रिपोर्ट में गरीबी दर में आई इस तीव्र गिरावट के मुख्य कारणों का भी विश्लेषण किया गया है। विश्व बैंक ने बताया कि घरेलू खपत में निरंतर वृद्धि, रोजगार के व्यापक अवसरों का सृजन और विशेषकर महिलाओं की कामकाजी भागीदारी में बढ़ोतरी ने इसमें निर्णायक भूमिका निभाई है। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों की सामाजिक सहायता योजनाओं, मुफ्त व रियायती खाद्य सब्सिडी के विस्तार ने भी निचले तबके को गरीबी से उबारने में बड़ा सहारा प्रदान किया है।

आर्थिक आय के अलावा जीवन स्तर से जुड़ी बहुआयामी गरीबी में भी अभूतपूर्व गिरावट आई है। ऑक्सफोर्ड पॉवर्टी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इनिशिएटिव के आंकड़ों के अनुसार, भारत में बहुआयामी गरीबी दर वर्ष 2005-06 के 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 16.4 प्रतिशत पर आ गई थी। वहीं, विश्व बैंक के आंतरिक बहुआयामी गरीबी मापदंडों के ताजा आकलन के अनुसार, वर्ष 2022-23 में यह दर और घटकर 15.5 प्रतिशत रह गई है। राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रगति के बावजूद रिपोर्ट क्षेत्रीय असमानता की एक गंभीर तस्वीर पेश करती है। भारत की कुल गरीब आबादी का लगभग 57 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड से लेकर पश्चिम बंगाल तक के सटे हुए भौगोलिक गलियारे में केंद्रित है। विश्व बैंक का मानना है कि देश से गरीबी का पूर्ण उन्मूलन करने के लिए इन पूर्वी और मध्य राज्यों में उत्पादक और उच्च मूल्य वाले रोजगार के अवसर पैदा करना सबसे महत्वपूर्ण होगा।

वर्ष 2017 से 2023 के बीच देश में रोजगार पाने वाले लोगों की संख्या में करीब 13.4 करोड़ की बढ़ोतरी हुई, जो कामकाजी उम्र की आबादी की वृद्धि से लगभग दोगुनी थी।

भूटान में ग्लेशियर झील फटने से हड़कंप, असम और पश्चिम बंगाल में हाई अलर्ट जारी

भूटान, एजेंसी।
भूटान के लेमथांग इलाके में ग्लेशियल झील फटने की घटना सामने आई है. झील का पानी ओवरफ्लो होकर मो छू नदी के रास्ते संकोश नदी की ओर बढ़ रहा है. इससे असम और पश्चिम बंगाल के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है. प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में हाई अलर्ट जारी किया है. संकोश नदी और उसकी सहायक नदियों के किनारे रहने वाले लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है. दार्जिलिंग की पहाड़ियों, तराई और डुआर्स के लोगों को भी सतर्क रहने को कहा गया है.

राज्य मंत्री निशीथ प्रमाणिक ने बताया कि भूटान में ग्लेशियल झील फटने की सूचना मिली है. झील से निकला पानी मो छू नदी के रास्ते संकोश नदी की तरफ बढ़ रहा है.



आशंका है कि अगले 5 से छह 5 में पानी मैदानी इलाकों तक पहुंच सकता है. इससे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बाढ़ की स्थिति पैदा होने की आशंका है. उन्होंने कहा कि सरकार हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां की जा रही हैं. एएनआई न्यूज एजेंसी के मुताबिक, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राज्य आपदा प्रबंधन टीम को सक्रिय कर दिया गया है. एनडीआरएफ को भी अलर्ट किया गया है. आपदा प्रबंधन स्वयंसेवकों को प्रभावित इलाकों में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है. प्रशासन की टीमें लगातार नदी के जलस्तर और पानी के बहाव पर नजर रख रही हैं. अधिकारियों का कहना है कि लोगों की जान-माल की सुरक्षा के लिए एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं.

अलीपुरद्वार के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार शॉ ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं. उन्होंने बताया कि प्रशासन भूटान के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है. पुलिस, जिलाधिकारी, इऊड और दूसरी संबंधित एजेंसियां मिलकर स्थिति को संभालने में जुटी हैं. पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, करीब 4 से 5 हजार लोगों को स्कूल भवनों में बनाए गए राहत शिविरों में पहुंचाया गया है. इसके अलावा 6 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है. राहत शिविरों में सूखा राशन, पीने का पानी और शौचालय जैसी जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है. अमित कुमार शॉ ने बताया कि ताजा जानकारी के मुताबिक पानी के बहाव की तीव्रता में थोड़ी कमी आई है. हालांकि, प्रशासन किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरत रहा है. संकोश नदी प्रणाली के लिए रेड अलर्ट जारी है. अधिकारियों ने आशंका जताई है कि बाढ़ के पानी के साथ मरी हुई मछलियां, लकड़ी के बड़े टुकड़े और कंक्रीट का मलबा भी बहकर आ सकता है. इससे निचले इलाकों में नुकसान का खतरा बढ़ सकता है. अलीपुरद्वार पुलिस और जिला प्रशासन भूटान के अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए हैं. इलाके में एनडीआरएफ की टीम तैनात है, जबकि एसडीआरएफ की टीम भी पहुंच रही है. सिविल डिफेंस की टीम को भी राहत और बचाव कार्यों में लगाया गया है. प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदी और निचले इलाकों से दूर रहें तथा सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करें. यह एक अचानक आने वाली बेहद खतरनाक बाढ़ होती है. ऊंचे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियरों के पिघलने से झीलें बन जाती हैं.

शशि थरूर अब पूरी तरह राहुल गांधी के समर्थन में आए आगे

- एक नवंबर की रैली में शामिल होने का किया ऐलान और कहा- अब चुप नहीं रह सकते
- इमरान प्रतापगढ़ी ने भी किया दिल्ली चलो का आह्वान



नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और वोट चोरी के आरोपों को लेकर राहुल गांधी का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली इंडिया गठबंधन की महारैली में शामिल होने की घोषणा की है। साथ ही देश के लोगों से भी रैली में पहुंचने की अपील की है।

सांसद शशि थरूर ने अपने संदेश में राहुल गांधी को लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई में सबसे आगे रहने वाला नेता बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार सवाल उठा रहे हैं और सत्ता में बैठे लोगों को जवाबदेह ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। अब लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए सभी को एकजुट होकर खड़ा होना होगा।

सांसद थरूर ने मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने की आशंका जताते हुए कहा कि रिपोर्टों के मुताबिक देशभर में 13 करोड़ तक नाम हटाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कार्रवाई पर भी उन्होंने सवाल उठाए। उनके मुताबिक, जवाब मांगने के लिए सड़कों पर उतरने वाले नागरिकों को जवाबदेही के बजाय बैरिकेडिंग और हिरासत का सामना करना पड़ता है।

कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने भी एक नवंबर को रामलीला मैदान पहुंचने की अपील की है। इंडिया गठबंधन की इस रैली में वोट बचाओ और देश बचाओ अभियान के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठाई जाएगी।



हिमेश ने क्लब में रोते दोस्त को देखकर बनाया सुपरहिट गाना

नई दिल्ली। कोमल नाहटा के 'गेम चेंजर्सः द म्यूजिक सीरीज' में हिमेश रेशमिया ने 'आशिक बनाया आपने' के पीछे की अनसुनी कहानी बयां की। उन्होंने कहा कि 'वह दर्द से रो रहा है।' इस अनुभव को याद करते हुए हिमेश ने कहा,'आशिक बनाया गाने के दौरान मैं अपने दोस्तों के साथ एक लाउंज में था। मेरे दोस्तों में से एक वहां डांस कर रहा था, रो रहा था और शराब पी रहा था। वह भी एक ही समय पर। बैकग्राउंड में एक बढ़िया संगीत बज रहा था, लेकिन शायद उस व्यक्ति की किसी से जुड़ी कोई बुरी याद थी, जिसकी वजह से वह भावुक हो गया था। उस पल मैंने जिस भावनात्मक जुड़ाव को महसूस किया, वही इस गाने की प्रेरणा बना।' उस समय तक किसी ने वास्तव में इस तरह का प्रयोग नहीं किया था।

लाइफ Style

जान्हवी

यह शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी

अभिनेत्री जान्हवी कपूर हाल ही में शो 'कॉफी विद करण 9' में पहुंचीं। यहां उन्होंने अपनी फिल्म 'पेद्दी' में अपने किरदार के 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' (वस्तु की तरह पेश किए जाने) पर बात की। उन्होंने माना कि वह'ऑब्जेक्टिफिकेशन' को रोकने के लिए और बेहतर कर सकती थीं।

इस फिल्म से जुड़े विवाद में अपनी भूमिका की जिम्मेदारी ली है। बातचीत के दौरान, शो के होस्ट करण जौहर ने जान्हवी से उस आलोचना के बारे में पूछा, जो फिल्म में उनके किरदार को दिखाए जाने के तरीके को लेकर हुई थी। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राम चरण अहम किरदार में थे। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में जान्हवी के किरदार को लेकर काफी विवाद हुआ था। आलोचना का जवाब देते हुए, जाह्नवी ने कहा कि यह बात उनके मन पर लगातार बोझ बनी हुई है। उन्होंने माना कि फिल्म में उनके किरदार को जिस तरह से पेश किया गया, उसे अलग तरीके से दिखाया जा सकता था। उन्होंने कहा, 'इस तरह की कहानी का हमारे समाज पर जो नकारात्मक असर पड़ सकता है, खासकर मेरे जेंडर पर, वह मेरे मन पर एक भारी बोझ की तरह है। यह शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी। क्या मैं और कुछ कर सकती थी? क्या मैं और अधिक सतर्क रह सकती थी? बिल्कुल, हां। क्या यह हद से ज्यादा 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' था? क्या इसने कहानी के जरिए यौन उत्पीड़न को भी बढ़ावा दिया? हां। लेकिन अब मैं बस इतना कर सकती हूं कि यह सुनिश्चित करूं कि ऐसा दोबारा न हो।'



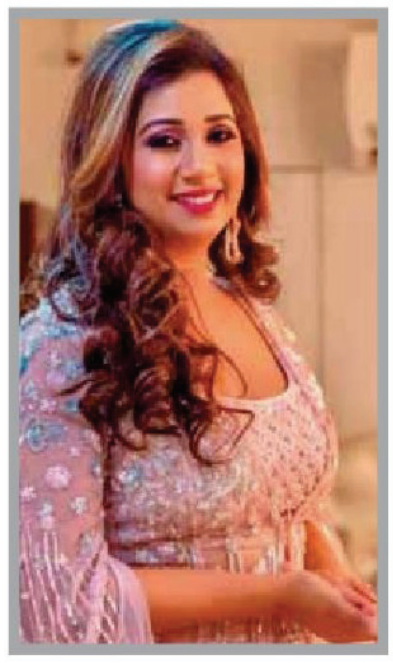
हॉलीवुड मसाला



लौट रहा है रहस्मयी जंगल का रोमांच

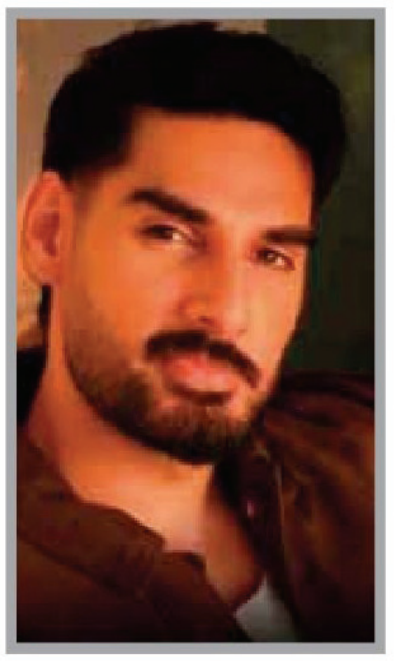
नई दिल्ली। हॉलीवुड सिनेमा के दिग्गज अभिनेता ड्वेन जॉनसन और उनकी लोकप्रिय फ्रेंचाइजी फिल्म जुमांजी को हर कोई पसंद करता है। लंबे समय से जुमांजी के आखिरी पार्ट जुमांजी ओपन वर्ल्ड का नाम चर्चा में बना हुआ है। इस बीच मेकर्स की तरफ से जुमांजी 5 का एक और नया ट्रेलर रिलीज किया गया है। जिसमें रहस्यमी जंगल के अंदर एक बार से धांसू एडवेंचर देखने को मिलेगा। सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट इंडिया जुमांजीः ओपन वर्ल्ड' को 25 दिसंबर 2026 को अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज करेगी।





रामायण का नया गाना जुड़ी जोड़ी रिलीज

नई दिल्ली। जैसे-जैसे फिल्म रामायणम की रिलीज डेट 5 नवंबर नजदीक आती जा रही है, ठीक वैसे-वैसे इसको लेकर नए-नए सरप्राइज भी सामने आ रहे हैं। करवाचौथ के शुभ अवसर पर अब रामायणम पार्ट-1 के मेकर्स की तरफ से फिल्म का नया गाना जुड़ी जोड़ी... को ऑडियो वर्जन में रिलीज कर दिया गया। जिसे संगीतकार और गायक ए आर रहमान ने अपने ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर लॉन्च किया है। जिसे मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने अपनी सुरीली आवाज में गाया है। रामायणम का जुड़ी जोड़ी... अभिनेता रणबीर कपूर और साई पल्लवी पर फिल्माया जाएगा, इसका अंदाजा इसके पोस्टर को देखकर आसानी से लगाया जा सकता है। इस गीत को श्रेया घोषाल ने अपनी मधुर आवाज में गाया है, जबकि संगीतकार ए आर रहमान ने इसकी धुनों को तैयार किया है।



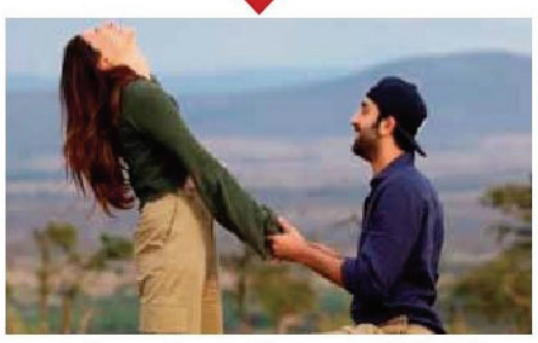
एक्शन व रोमांटिक फिल्म में आएंगे नजर

मुंबई। सुनील शेट्टी के बेटे और अभिनेता अहान शेट्टी फिल्म 'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद एक बार फिर एक्शन के मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। अभिनेता अपनी अगली फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'रुस्तम' फेम मशहूर निर्देशक टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं। ज्ञानेंद्र वासुदेव की तरफ से लिखी गई 'सनकी' मूल रूप से एक प्रेम कहानी है। इसमें दमदार और जबरदस्त एक्शन भी देखने को मिलेगा। फिल्म की शूटिंग 30 अक्टूबर से भोपाल में शुरू होगी। 'बॉर्डर 2' में अपने अभिनय और फिल्म को मिली शानदार सफलता के बाद अहान ने अपने अगले प्रोजेक्ट्स का चयन काफी सोच-समझकर किया है। अब वह 'सनकी' में एक नया किरदार निभाते हुए नजर आएंगे।

भारत में पहले रिलीज होगी 'एवेंजर्स डूम्सडे'

नई दिल्ली। फिल्म 'एवेंजर्सः डूम्सडे' अमेरिका में रिलीज होने से एक दिन पहले भारतीय सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इससे भारत के दर्शकों को अमेरिकी दर्शकों से पहले मार्वल की इस बड़ी भिड़ंत को देखने का मौका मिलेगा। 'एवेंजर्सः डूम्सडे' के लेखक माइकल वाल्ड्रॉन और स्टीफन मैकफीली हैं। इस अनाउंसमेंट के बाद साफ है कि फिल्म अमेरिका से पहले भारत में 17 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं, विदेशों में फिल्म की रिलीज डेट 18 दिसंबर की है। फिल्म में क्रिस इवांस, क्रिस हेम्सवर्थ, पेड्रो पास्कल, एंथनी मैकी, पॉल रुड सहित कई बड़े सितारे नजर आएंगे। रॉबर्ट डाउनी जूनियर और क्रिस इवांस ने दिवाली के मौके पर भारतीय फैंस के लिए एक खास वीडियो मैसेज भेजा है। वीडियो मैसेज में दोनों कलाकारों ने कहा, 'नमस्ते इंडिया!

टीवी मसाला



रणबीर ने आलिया को प्रपोज करने का किस्सा किया शेयर

नई दिल्ली। रणबीर कपूर हाल ही में अमिताभ बच्चन के शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में नजर आए। यहां उन्होंने आलिया भट्ट को प्रपोज करने से जुड़ा दिलचस्प किस्सा साझा किया। रणबीर ने बताया कि साल 2022 में केन्या के मसाई मारा घूमने के दौरान उन्होंने आलिया को शादी के लिए प्रपोज करने का फैसला किया था। रणबीर ने कहा, 'मैंने पहले से ही जो गाइड है, उनको एक टिप दे दी थी कि आप कहीं जाके रोक देना बीच जंगल में।'

दिवाली पर रणबीर की 'रामायण' से भिड़ेंगी ये तीन फिल्में

नई दिल्ली। दिवाली वाला वीकेंड सिनेप्रेमियों के लिए मजेदार होने वाला है। एक तरफ नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'रामायणः पार्ट 1' 5 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वहीं, इसके ठीक अगले दिन यानी 6 नवंबर को तीन और फिल्में बड़े पर्दे पर दस्तक देंगी। मतलब रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश और रवि दुबे जैसे सितारों से सजी 'रामायण'को इन फिल्मों से बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला मिल सकता है।

सीन : आवेशम जैसी फिल्म बनाने वाले जिथु माधवन इस फिल्म से तमिल सिनेमा में कदम रख रहे हैं। यह एक साइकोलॉजिकल एक्शन-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें सूर्या, नासलन और नज़िया नाजिम अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म को सूर्या और ज्योतिका के प्रोडक्शन हाउस 2D एंटरटेनमेंट और झिगराम स्टूडियोज ने मिलकर बनाया है। फिल्म में सूर्या डीएसपी इनबराज पांडियन आईपीएस का किरदार निभा रहे हैं। कहानी एक बर्खास्त पुलिसकर्मी के खिलाफ केस चलाने में आने वाली मुश्किलों पर आधारित है। यह फिल्म 6 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मूकुथी अम्मन 2 : नयनतारा की फिल्म 'मूकुथी अम्मन'के सीक्वल का भी दर्शकों को इंतजार है। सुंदर सी. के निर्देशन में बनी इस फैंटेसी-ड्रामा फिल्म में नयनतारा एक बार फिर अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी दो अलग-अलग समय की घटनाओं को जोड़ती है। इसमें शक्तिशाली ताकतों के बीच टकराव देखने को मिलेगा। रिपोर्ट्स के



मुताबिक, फिल्म में नयनतारा डबल रोल में नजर आ सकती हैं। वहीं, रेजिना कैसेंड्रा फिल्म में विलेन की भूमिका निभाएंगी। फिल्म की रिलीज डेट 6 नवंबर 2026 बताई जा रही है।

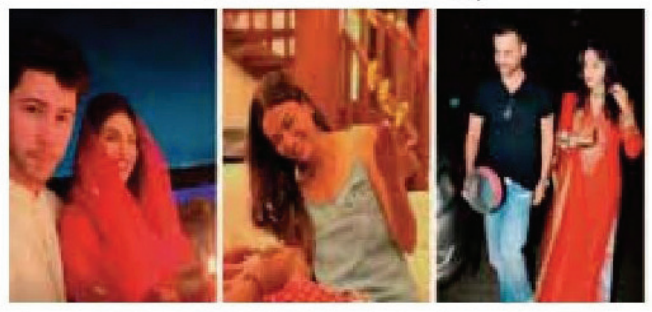
द कैट इन द हैट : दिवाली के लंबे वीकेंड पर बच्चों और परिवार के साथ देखने के लिए हॉलीवुड की एनिमेटेड फिल्म 'द कैट इन द हैट' भी रिलीज होने वाली है। वार्नर ब्रदर्स की यह फिल्म मशहूर लेखक डॉ. स्यूस की लोकप्रिय किताब पर आधारित है। फिल्म में मुख्य किरदार कैट इन द हैट को अभिनेता बिल हैडर ने अपनी आवाज दी है।

सेलेब्स का करवा चौथ : प्रियंका के हाथ पिया के नाम की मेहंदी, प्रीति ने ढूंढा चांद

नई दिल्ली। गुरुवार को देश और विदेश में करवा चौथ की धूम रही। महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखा। इस काम में फिल्मी सितारे भी पीछे नहीं रहीं। उन्होंने भी इस त्योहार में बढ़-चढ़कर हिस्सा लीं। कई सेलेब्स ने अपने फैंस को बधाई दी। कई सितारों ने अपनी शानदार तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं।

प्रियंका : प्रियंका चोपड़ा ने करवा चौथ पर्व मनाया। उन्होंने इस अवसर पर अपने पति के साथ तस्वीर शेयर की है। अभिनेत्री ने फैंस को अपनी मेहंदी दिखाई है और दुल्हन के जोड़े में एक तस्वीर शेयर की है। अभिनेत्री ने तस्वीर पर लिखा पिया के नाम की मेहंदी। करवा चौथ की शुभकामनाएं। एक और तस्वीर पर उन्होंने लिखा 'मैं हर साल फिल्मी लगती हूं।'

प्रीति : प्रीति जिंटा ने भी करवा चौथ का त्योहार मनाया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'क्या ऐसा सिर्फ मुझे लग रहा है या चांद गायब हो गया है? क्या किसी ने ईस्ट कोस्ट पर चांद देखा है? मेरा करवा चौथ का व्रत है



और बादलों के बीच चांद लुका-छिपी खेल रहा है।'

कृति : अभिनेत्री कृति खरबंदा ने करवा चौथ की तैयारी के साथ मेहंदी लगवाते हुए तस्वीरें शेयर की हैं। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'करवा चौथ वाइब्स पूरी तरह छाई हुई हैं! मेहंदी, खाना-पीना, परिवार के साथ मस्ती और ढेर सारा प्यार!

हिना : टीवी अभिनेत्री हिना खान ने करवा चौथ पर मेहंदी लगाईं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर ये तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में उन्होंने अपने पति का हाथ पकड़ा है। पोस्ट के कैप्शन में हिना ने लिखा, 'करवाचौथ की बधाई। अगर मेरी मेहंदी पसंद आई तो मुझे टैग करो।'

महीप : संजय कपूर की पत्नी महीप कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने करवा चौथ की झलक दिखाई है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'पिछले कुछ वर्षों में मेरा करवा चौथ। ढेर सारी यादें। सभी खूबसूरत महिलाओं को करवाचौथ की बधाई।'

JHARKHAND EDUCATION CENTER
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC VOCATIONAL IIT
MANAGEMENT ENGINEERING AICTE
INTERMEDIATE UG & PG LAW
NCTE MBBS ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com



हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रवेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.